वांगचुक का भाषण तीन मिनट का तो उसका अनुवाद आठ मिनट का क्यों -7

आयात बढ़ने से देश का व्यापार घाटा दोगुना होकर 10 अरब डॉलर के पार -10

ईरान बोला-अगर अमेरिका प्रतिबंध हटाए तो हम समझौते के लिए तैयार -11

टी-20 विश्वकप में इटली को 24 रनों से हराकर इंग्लैंड पहुंचा सुपर आठ में -12

आज का मौसम

25.0° अधिकतम तापमान

13.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.50 सूर्यास्त 06.03

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष अमावस्या 05:30 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 17 फरवरी 2026, वर्ष 36, अंक 13, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

नई दिल्ली में स्टार्टअप कंपनियों के प्रतिनिधियों से संवाद करते प्रधानमंत्री मोदी। ● एजेंसी

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने स्टार्टअप कंपनियों से किया संवाद

दुनिया का सबसे बड़ा एआई महाकुंभ शुरू

70,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में भारी भीड़ और लंबी कतारें

● **प्रधानमंत्री बोले- हम मिलकर ऐसे समाधान तैयार करेंगे जो भारत के साथ दुनिया के लिए उपयोगी होंगे**

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो का सोमवार को उद्घाटन किया। उन्होंने यहां स्टार्टअप कंपनियों के प्रतिनिधियों से संवाद कर उत्पादों के बारे में सवाल भी पूछे।

इस प्रदर्शनी में 600 से अधिक उच्च क्षमता वाले स्टार्टअप भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री ने प्रतिनिधियों से बातचीत कर विभिन्न स्टॉल पर कई मिनट बिताए। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, एक्सपो में नवोन्मेषकों, शोधकर्ताओं और प्रौद्योगिकी प्रेमियों के बीच रहकर एआई, भारतीय प्रतिभा और नवाचार की असाधारण क्षमता की झलक मिलती है। हम मिलकर ऐसे समाधान तैयार करेंगे जो न केवल भारत बल्कि दुनिया के लिए उपयोगी होंगे। लगभग 70,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैली यह प्रदर्शनी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों, स्टार्टअप, शोध संस्थानों, अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों को एक साथ लाती है। यह समिट 20 फरवरी तक चलेगी।

(संबंधित करोबार पेज पर)

गूगल, एनवीडिया, अमेजन, मेटा, ओपनएआई माइक्रोसॉफ्ट भी नवाचार को प्रदर्शित कर रही

एक्सपो में प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां जैसे गूगल, एनवीडिया, अमेज़न, मेटा, ओपनएआई, माइक्रोसॉफ्ट और भारत की बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां अपने एआई नवाचार को प्रदर्शित कर रही हैं। इसमें 300 से अधिक प्रदर्शनियां, 13 देशों के पवेलियन शामिल हैं। एक्सपो में पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर भी जोर दिया गया है। यह आयोजन पीपल, प्लैनेट और प्रोग्रेस यानी लोग, ग्रह एवं प्रगति विषयवस्तु पर तीन चक्रों में व्यवस्थित किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

मोदी-मैक्रों की मुलाकात आज, रणनीतिक साझेदारी पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात करेंगे और इस दौरान दोनों नेता भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे। दोनों नेताओं की बातचीत रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने तथा उन्हें नए और उभरते क्षेत्रों तक विस्तारित करने पर केंद्रित रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी 17 फरवरी को मुंबई जाएंगे, जहां फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर मैक्रों 17 से 19 फरवरी तक भारत की यात्रा पर रहेंगे।

अंतरिम व्यापार समझौते को रूप देने अमेरिका जाएगा भारतीय दल

नई दिल्ली। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि अंतरिम व्यापार समझौते के कानूनी मसौदे को अंतिम रूप देने के लिए भारतीय अधिकारियों का एक दल अगले सप्ताह अमेरिका जाएगा। इस समझौते पर मार्च में हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। यह यात्रा 23 फरवरी से शुरू होने की संभावना है। भारत और अमेरिका ने इस महीने की शुरुआत में एक संयुक्त बयान जारी कर घोषणा की थी कि अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा तैयार कर ली गई है।

सीबीएसई : 10वीं की पहली बोर्ड परीक्षा में उपस्थित होना अनिवार्य

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों के लिए पहली बोर्ड परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य है और जो विद्यार्थी पहले चरण में कम से कम तीन विषयों में उपस्थित नहीं होते हैं, उन्हें अनिवार्य पुनरावृत्ति श्रेणी में रखा जाएगा। सीबीएसई 2026 से कक्षा 10वीं के लिए दो बोर्ड परीक्षाएं शुरू करने जा रहा है। बोर्ड द्वारा यह स्पष्टीकरण कुछ अनुरोध प्राप्त होने के बाद आया है, जिसमें कहा गया था कि कुछ कारणों से कक्षा 10वीं के जो विद्यार्थी पहली बोर्ड परीक्षा में शामिल नहीं हो पाएंगे, उन्हें दूसरी बोर्ड परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जानी चाहिए।

भारतीय संस्कृति को रौंदने वाले गाजी की समर्थक है सपा : योगी

विधान परिषद में गाजी मियां व वंदेमातरम् मुद्दे पर मुख्यमंत्री का तीखा प्रहार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः विधान परिषद (विप) में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सपा और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने गाजी मियां और वंदेमातरम् से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए कहा कि सपा ऐसे गाजी के मेले का समर्थन करती है, जो भारत की परंपरा और संस्कृति को रौंदने आया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा और कांग्रेस एक ओर संविधान की दुहाई देती हैं, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रगीत वंदेमातरम् का अपमान कराती हैं, जो किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदुस्तान में रहकर वंदेमातरम् न गाने की बात करना संविधान निर्माताओं और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर का अपमान है। वंदेमातरम् को 24 जनवरी 1950 को राष्ट्रगीत के रूप में मान्यता दी गई थी। प्रत्येक भारतीय का यह कर्तव्य है कि वह राष्ट्र के प्रतीकों का सम्मान करे। उन्होंने कहा कि गाजी भारत की संस्कृति और परंपरा को मिटाने आया था, लेकिन श्रावस्ती के तत्कालीन नरेश महाराज सुहेलदेव के नेतृत्व में हिंदू राजाओं ने उसे परास्त कर दिया। डबल इंजन सरकार ने महाराज सुहेलदेव को उनका उचित सम्मान दिया है, बहराइच के चित्तौड़ा में भव्य स्मारक और उनके नाम पर विश्वविद्यालय इसका प्रमाण हैं।

योगी ने वर्ष 2017 से पहले की कानून-व्यवस्था की स्थिति को याद करते हुए कहा कि उस दौर में प्रदेश में सत्ता के संरक्षण में पल रहे गुंडे और माफिया समांतर सरकार चला रहे थे। गुंडा टैक्स, अवैध वसूली, दंगे और कर्फ्यू आम बात थी। पर्व-त्योहार आस्था नहीं, बल्कि आशंका का कारण बन जाते थे। न महिलाएं सुरक्षित थीं, न व्यापारी। कहा कि 2017 के बाद यूपी ने उपद्रव से उत्सव तक की यात्रा पूरी की है। न कर्फ्यू, न दंगा-यूपी में सब चंगा है। यूपी की बढ़ती जीडीपी, किसानों को डीबीटी के माध्यम से भुगतान, ओडीओपी और एमएसएमई के विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार ने विकास को गति दी है।

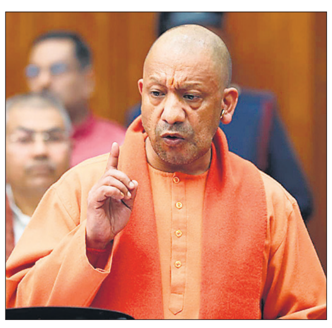

● **सीएम बोले- 2017 से पहले यूपी में माफिया चला रहे थे समांतर सरकार आज प्रदेश फियर जोन से फेथ जोन बना**

बीएलओ और कर्मियों से दुर्व्यवहार कर रहे सपाई

मुख्यमंत्री ने संवैधानिक संस्थाओं पर विपक्ष के रवैये की भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी समाज को जातीय आधार पर बांटने, आस्था का अपमान करने और संवैधानिक मूल्यों पर प्रहार करने से नहीं चूक रही है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चल रही एसआईआर प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है, फिर भी सपा कार्यकर्ता बीएलओ और अन्य कर्मियों से दुर्व्यवहार कर रहे हैं, जो संवैधानिक संस्थाओं का अपमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि हम संविधान की शपथ लेते हैं, तो उसकी संस्थाओं का सम्मान करना भी हमारा दायित्व है।

नई घोषणाएं व प्रमुख दावे

- प्रदेश में तीन नई पीएसी बटालियन के गठन की प्रक्रिया तेज
- सभी नगर निगमों व गौतमबुद्ध नगर में सेफ सिटी परियोजना लागू
- फॉरेंसिक लैब और साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार
- कृषि, एमएसएमई और उद्योग में टेक्नोलॉजी आधारित योजनाओं पर जोर
- निवेश के लिए ट्रस्ट, स्टेबिलिटी और स्पीड के मॉडल को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता

आशा कार्यकत्री, शिक्षामित्र आंगनबाड़ी और अनुदेशकों का बढ़ाया जाएगा मानदेय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, आंगनबाड़ी और आशा कार्यकत्रियों के मानदेय में बढ़ोतरी का बड़ा संकेत दिया। उन्होंने कहा कि सरकार इन वर्गों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और शीघ्र ही निर्णय लिया जाएगा।

योगी ने कहा कि निराश्रित महिलाओं और दिव्यांगजनों की पेंशन भी बढ़ाई जा रही है। इसके साथ ही शिक्षकों को पांच लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जो एक अप्रैल से लागू होगी। योगी ने याद दिलाया कि वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में शिक्षामित्रों की समस्या का विधिक समाधान करने का वादा किया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट के आदेश से शिक्षामित्रों का सहायक अध्यापक पद पर समायोजन निरस्त हो गया था। उस दौरान सरकार ने शिक्षामित्रों का मानदेय 3500 रुपये से बढ़ाकर 10 हजार रुपये प्रति माह किया था। हालांकि उसके बाद मानदेय में वृद्धि नहीं हुई। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के विधायक लगातार बढ़ोतरी की मांग उठाते रहे हैं।

● **यूपी विधान परिषद में सीएम योगी का बड़ा एलान, पेंशन में भी बढ़ोतरी**

नौ साल बाद बढ़ेगा मानदेय

प्रदेश में करीब 1.47 लाख शिक्षामित्र और 28 हजार से अधिक अनुदेशक कार्यरत हैं। सरकार लगभग नौ साल बाद इनके मानदेय में वृद्धि करने जा रही है। सूत्रों के मुताबिक शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में करीब दो हजार रुपये प्रति माह तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

1.70 लाख आशा कार्यकत्रियों को भी राहत

प्रदेश में करीब 1.70 लाख आशा कार्यकत्रियां सेवारत हैं। एक हजार की आबादी पर एक आशा कार्यकत्री नियुक्त होती है। आशा कार्यकत्रियां गर्भवती महिलाओं को सरकारी अस्पताल में ले जाकर सुरक्षित प्रसव कराने सहित अन्य स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग करती हैं। वर्तमान में इन्हें 2500 से 3500 रुपये प्रतिमाह तक प्रोत्साहन राशि मिलती है। सरकार इस राशि में भी बढ़ोतरी का प्रस्ताव तैयार कर रही है।

कानपुर में पत्नी व बेटे को गोली मारकर रिटायर्ड फौजी ने भी दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सेन पश्चिमपारा थाना क्षेत्र में 55 वर्षीय रिटायर फौजी चेतराम ने लाइसेंसी डबल बैरल बंदूक से पहले 47 वर्षीय पत्नी सुनीता और 15 वर्षीय बेटे दीप की गोली मारकर हत्या कर दी, इसके बाद घर से करीब दो किलोमीटर दूर भाऊपुर रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के आगे कूदकर अपनी भी जान दे दी। पुलिस को पत्नी और बेटे की हत्या का पता तब चला, जब वह रिटायर्ड फौजी की शिनाख्त होने पर आत्महत्या की सूचना देने उसके घर पहुंची। इस वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया।

घाटमपुर के पतारा में शेरूवा बखेड़िया गांव का रहने वाला चेतराम पासवान फौज से रिटायर था। वह करीब तीन महीने पहले सेनपश्चिम पारा थानाक्षेत्र के तुलसियापुरवा नई बस्ती में बनवाए गए नए मकान में रहने आया था। पिछले साल ही उसने बेटी प्रीति की शादी हापुड़ में की थी। बताते हैं कि बेटी की शादी में खर्च के बाद परिवार आर्थिक दबाव में था। इसी दौरान आवास विकास का मकान बेचकर चेतराम ने तुलसियापुरवा में नया घर बनवाया और तीन माह पहले शिफ्ट हो गया था। सेमवार सुबह घर से करीब दो किलोमीटर दूर भाऊपुर रेलवे ट्रैक पर उसका क्षत-विक्षत शव मिला। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पास खड़ी मोटरसाइकिल से मृतक की पहचान चेतराम के रूप में की। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

गारमेंट फैक्टरी में बना रहे थे पटाखे, धमाके में 7 मरे

फैक्टरी में धमाके के बाद लगी आग।

जयपुर। राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले के भिवाड़ी कस्बे में सोमवार को पटाखे बनाने वाली एक अवैध फैक्टरी में धमाके के साथ आग लगने से सात लोगों की मौत हो गई। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट सुमित्रा पारीक ने बताया गारमेंट फैक्टरी में अंदर अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। मैनेजर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

फैक्टरी में फंसे दो लोगों को निकालकर दिल्ली के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पारीक ने कहा, परिसर को गारमेंट फैक्टरी के लिए किराए पर लिया गया था, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार इसमें अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार फैक्टरी में 20 से अधिक लोग मौजूद थे। आग लगते ही कुछ मजदूर बाहर निकलने में सफल रहे जबकि नौ लोग अंदर फंस गए। डेढ़ घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। शव बुरी तरह जले हुए थे, कई के कंकाल मिले।

● **खैरथल-तिजारा जिले भिवाड़ी में घटी घटना पुलिस ने मैनेजर को लिया हिरासत में**

फरीदाबाद में ब्लास्ट, 35 झुलसे

फरीदाबाद। यहां के सेक्टर 24 में सोमवार शाम एक फैक्टरी में धमाके के साथ भीषण आग लग गई। जिसमें 35 से अधिक घायल झुलस गए।

(संबंधित पेज 7 पर)

जेईई मेन्स : पहले फेज में 12 अभ्यर्थियों को परफेक्ट 100

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मुख्य 2026 में 12 अभ्यर्थियों ने 'परफेक्ट 100' अंक प्राप्त किए हैं, इनमें अधिकांश राजस्थान से हैं। एनटीए ने सोमवार को यह घोषणा की। परीक्षा के पहले संस्करण में 13.04 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे।

सूत्रों के अनुसार, छात्रों और अन्य हितधारकों द्वारा विसंगतियों को उजागर किए जाने के बाद अंतिम उत्तर कुंजी से कम से कम नौ प्रश्न हटा दिए गए। एक सूत्र ने बताया, कई पालियों में हटाए गए नौ प्रश्नों के लिए, उस विशेष पाली में उपस्थित होने वाले सभी उम्मीदवारों को पूरे अंक दिए जाएंगे। पिछले साल ऐसे सवालों की संख्या छह थी। जिन प्रतिभागियों ने एनटीए में परफेक्ट 100 अंक प्राप्त किए हैं, उनमें से तीन राजस्थान से, दो आंध्र प्रदेश से और एक-एक दिल्ली, बिहार, ओडिशा, हरियाणा, महाराष्ट्र, गुजरात और तेलंगाना से हैं। ये सभी 12 अभ्यर्थी लड़के हैं और इनमें से 11 सामान्य श्रेणी से हैं। शीर्ष अभ्यर्थियों में - राजस्थान से कबीर छिल्लर, चिरंजीव कर और अर्नव गौतम, आंध्र प्रदेश से नरेंद्रबाबू गारी माहिथ और पासाला मोहित, श्रेयस मिश्रा (दिल्ली), शुभम कुमार (बिहार), भावेश पात्रा (ओडिशा), अनय जैन (हरियाणा), माधव विराडिया (महाराष्ट्र), पुरोहित निमय (गुजरात) और विवान शरद माहिश्वरी (तेलंगाना) शामिल थे।

● **13.04 लाख उम्मीदवारों ने दी थी परीक्षा, परफेक्ट 100 में सभी लड़के**

सुनवाई | पीठ ने कहा– यह मामला जटिल और संवेदनशील मुद्दों से संबंधित, आक्षेपित प्रावधानों पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार

डेटा संरक्षण एक्ट 2023 से संबंधी याचिका पर केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम, 2023 के कई प्रावधानों की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को केंद्र को नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत ने हालांकि आक्षेपित प्रावधानों पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया और कहा कि जब तक हम मामले की सुनवाई नहीं करते, तब तक अंतरिम आदेश से संसद द्वारा लागू की गई व्यवस्था को रोका नहीं जा सकेगा।

सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने सूचना के अधिकार अधिनियम के प्रावधानों में संशोधन को लेकर डीपीडीपी अधिनियम और डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम 2025 के कुछ प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र को नोटिस जारी किया। पीठ ने तीन याचिकाओं, डिजिटल समाचार मंच 'द रिपोर्टर्स कलेक्टिव' की ओर से वेंकटेश नायक, पत्रकार नितिन सेठी और राष्ट्रीय जन सूचना अधिकार अभियान (एनसीपीआरआई) द्वारा दायर, को भी बृहद पीठ के पास भेज दिया। इन याचिकाओं में विश्वसनीयता संबंधी प्रावधानों पर चिंता जताई गई है, जो केंद्र सरकार को अपने विवेक से किसी भी डेटा प्रबंधन संस्था से डेटा प्राप्त करने की अनुमति देते हैं। पीठ ने कहा कि यह मामला जटिल और संवेदनशील मुद्दों से संबंधित है, और इसमें दो परस्पर विरोधी मौलिक अधिकारों, सूचना के अधिकार और निजता के अधिकार के बीच संतुलन बनाना शामिल है। सीजेआई ने कहा, यह परस्पर विरोधी हितों को संतुलित करने का मामला है। हमें सभी जटिलताओं को दूर करना होगा और यह निर्धारित करना होगा कि व्यक्तिगत जानकारी क्या होती है। याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश हुए अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने ऐतिहासिक सुभाष अग्रवाल फैसले का हवाला देते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने पहले ही आरटीआई और निजता के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए एक ढांचा तैयार कर लिया है। पीठ ने हालांकि कहा कि नए विधायी ढांचे के लिए एक नए, गहन परीक्षण की आवश्यकता है। याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिंघवी ने अतिरिक्त दलीलें पेश करने की कोशिश की, लेकिन कोर्ट ने केंद्र से व्यापक जवाब सुनिश्चित करने के लिए नोटिस जारी करने की कार्यवाही शुरू कर दी। मामले की सुनवाई मार्च में निर्धारित की है।

धार्मिक स्थलों पर महिलाओं से भेदभाव मामले की 9 जजों की पीठ करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि नौ न्यायाधीशों की पीठ केरल के शबरिमला मंदिर सहित विभिन्न धर्मों और धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से संबंधित याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई शुरू करेगी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि गठित की जाने वाली यह पीठ सात अप्रैल को याचिकाओं पर महत्वपूर्ण सुनवाई शुरू करेगी। सुनवाई 22 अप्रैल को पूरी होने होने की संभावना है। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्होंने शबरिमला से संबंधित उस फैसले की समीक्षा याचिकाओं का समर्थन किया है, जिसमें केरल के पवित्र पर्वतीय मंदिर में सभी आयु वर्ग की महिलाओं के प्रवेश की अनुमति दी गई थी। शबरिमला फैसले की समीक्षा का समर्थन करने वाले पक्षों के लिए पीठ द्वारा नियुक्त वकील कृष्ण कुमार सिंह नोडल अधिवक्ता हैं। सीजेआई ने कहा, हम यह उचित समझते हैं कि वरिष्ठ अधिवक्ता के परमेश्वर और शिवम सिंह को अदालत मित्र नियुक्त किया जाए। सिंह इस न्यायालय के समक्ष सभी पक्षों के विचार प्रस्तुत करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

'कुष्ठाश्रम' शब्द हटाने का विधेयक पेश

अमृत विचार, लखनऊ : सरकार ने उत्तर प्रदेश के नगरीय निकाय कानूनों से भेदभावपूर्ण शब्दावली हटाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सोमवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा में विधेयक पेश किया। इसके तहत उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 और उत्तर प्रदेश नगर पालिका परिषद अधिनियम, 1916 से 'कुष्ठाश्रम' शब्द हटाया जाएगा। यह विधेयक उस अध्यादेश के स्थान पर लाया गया है, जिसे सरकार ने दो फरवरी को जारी किया था। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के सात मई 2025 के निर्देशों के अनुपालन में की जा रही है। शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों को कुष्ठ रोगियों से जुड़े कानूनों में मौजूद भेदभावपूर्ण प्रावधानों की पहचान कर उन्हें समाप्त करने के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि ऐसे प्रावधान मानवाधिकार और मानवीय गरिमा के प्रतिकूल हैं।

दो राजकीय विवि की स्थापना के लिए विधेयक पारित

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के बजट सत्र 2026-27 के दौरान योगी सरकार ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2026 और उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2026 को बहुमत से पारित करा लिया। सदन में विधेयक पेश करते हुए उच्च शिक्षा राज्य मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि संशोधन विधेयक के तहत ज्ञानपुर, जनपद भदोही स्थित काशी नरेश स्नातकोत्तर महाविद्यालय को उन्नत कर विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाएगा। इससे आसपास के 23 महाविद्यालयों का संबद्धीकरण संभव होगा और हजारों विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, शोध और नवाचार के बेहतर अवसर मिलेंगे।

28 मार्च 2005 से पहले विज्ञापित पदों पर पुरानी पेंशन का नियम लागू

अमृत विचार ,लखनऊ : विधान परिषद में प्रश्नकाल में सपा सदस्य डॉ .मान सिंह ने प्रदेश में पुरानी पेंशन का विकल्प चुनने वाले का सवाल किया। जवाब में संसदीय कार्य राज्यमंत्री जसवंत सैनी ने बताया कि यह विकल्प चुनने का अधिकार उन कार्मिकों को दिया गया है, जिनकी नियुक्ति का विज्ञापन 28 मार्च 2005 के पूर्व हो चुका था। यह भी बताया कि ऐसे कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना के दायरे में लाने संबंधी आदेश जारी करने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 और एनपीएस खाता बंद करने की तिथि 30 जून 2025 निर्धारित की गई थी। कार्मिकों की ओर से या तो विलंब से विकल्प प्रस्तुत किए गए या नियुक्ति प्राधिकारियों ने समय से आदेश जारी नहीं किए। इसलिए अब एनपीएस खाता बंद करने की तिथि 28 फरवरी निर्धारित की गई है। उसके बाद ही एनपीएस में जमा धनराशि को जीपीएफ खाते में जमा कराया जा सकेगा।

एनएचएम संविदा कर्मियों का बकाया वेतन जारी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश भर में स्वास्थ्य विभाग के अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) व अन्य इकाइयों पर तैनात राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदा कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। करीब एक लाख कर्मचारियों का दिसंबर और जनवरी का वेतन जारी कर दिया गया है। डॉ . पिंकी जोवल, प्रबंध निदेशक, एनएचएम ने सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) को निर्देश दिए हैं कि फरवरी माह का वेतन भी कर्मचारियों को होली पर्व से पूर्व हर हाल में उपलब्ध कराया जाए। संयुक्त एनएचएम कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री योगेश उपाध्याय ने एमडी के निर्णय पर आभार व्यक्त किया है।

धर्मस्थल आस्था ही नहीं, राष्ट्रचेतना के भी केंद्र : योगी

विधान परिषद में मुख्यमंत्री ने कहा- आस्था को दबाने वालों को नया उत्तर प्रदेश स्वीकार नहीं करेगा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विरासत पर गर्व के साथ आगे बढ़ रही डबल इंजन सरकार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धर्मस्थल केवल पूजा-अर्चना के स्थल नहीं, बल्कि राष्ट्रचेतना और सांस्कृतिक चेतना के भी केंद्र होते हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ने भारत की आस्था, विरासत और सांस्कृतिक मूल्यों को सम्मान देने का कार्य किया है। लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर को सम्मान देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा काशी विश्वनाथ धाम में उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित कराई गई, जबकि समाजवादी पार्टी उनके नाम पर जनता को गुमराह करती रही है।

विधान परिषद में सोमवार को मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सपा और कांग्रेस ने राम मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर और अन्य धार्मिक आयोजनों का विरोध किया। सपा सरकार के दौरान कांवड़ यात्रा, जन्माष्टमी और अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा पर रोक लगाई गई। वहीं दीपोत्सव और रंगोत्सव जैसे आयोजनों को भी बाधित किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने उच्चतम न्यायालय में भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण को मिथक बताया, जबकि सपा शासन में रामभक्तों पर गोलियां तक चलीं और मंदिर निर्माण के मार्ग में कानूनी अड़चनें खड़ी की गईं। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि भारत की आस्था को कैद करने का प्रयास अब स्वीकार नहीं किया जाएगा।

योगी ने कहा कि आज अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बन चुका है और देश-प्रदेश से हर दिन लाखों श्रद्धालु वहां दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। डबल इंजन सरकार ने आस्था को सशक्त भारत की अटल आधारशिला मानते हुए प्रयागराज, अयोध्या, काशी, मथुरा-वृंदावन, विंध्याचल, चित्रकूट, शुकतीर्थ, संभल, बरेली और नैमिषारण्य सहित बौद्ध, जैन और सिख तीर्थस्थलों का समग्र विकास किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की पहचान अब दीपोत्सव, देव दीपावली और रंगोत्सव जैसे आयोजनों से बन रही है। ये आयोजन केवल उत्सव नहीं, बल्कि भारत के आध्यात्मिक गौरव को वैश्विक मंच पर स्थापित करने का माध्यम हैं।

विधान परिषद में भाजपा सरकार की उपलब्धियों को रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

विपक्ष पर मुख्यमंत्री का हमला

- **राज्यपाल का अपमान अस्वीकार्य–** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्यपाल संवैधानिक प्रमुख हैं, उनके प्रति अभद्र व्यवहार लोकतंत्र और संविधान दोनों का अपमान है।
- **राष्ट्रीय प्रतीकों पर दोहरा रवैया–** सपा व कांग्रेस पर आरोप लगाया कि एक ओर संविधान की बात करते हैं, दूसरी ओर राष्ट्रगीत वंदे मातरम् और राष्ट्रीय प्रतीकों का विरोध कराते हैं।
- **समाज को बांटने की राजनीति–** आरोप लगाया कि सपा नेता जातीय संघर्ष भड़काने और समाज में विद्वेष फैलाने वाले बयान देते हैं।
- **संवैधानिक संस्थाओं पर हमला–** मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बीएलओ और कर्मियों से दुर्व्यवहार कर विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं का अपमान कर रहा है।
- **कांग्रेस से सबक लेने की नसीहत–** योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस विधान परिषद से बाहर हो चुकी है, सपा भी अगर अनर्गल बयानबाजी और महापुरुषों का अपमान जारी रखेगी तो उसका भविष्य भी वैसा हो सकता है।

टेक्नोलॉजी, ट्रस्ट और ट्रांसफॉर्मेशन की त्रिवेणी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश बीते साढ़े आठ–नौ वर्षों में एक ऐतिहासिक परिवर्तन की यात्रा से गुजरा है। अब प्रदेश रेवेन्यू सरप्लस और उत्सव प्रदेश के रूप में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश को टेक्नोलॉजी, ट्रस्ट और ट्रांसफॉर्मेशन की त्रिवेणी के रूप में देखा जा रहा है। यह केवल नारा नहीं, बल्कि शासन की कार्यशैली और विकास की दिशा का प्रतीक बन चुका है। यह नई त्रिवेणी प्रदेश की प्रगति, पारदर्शिता और जनविश्वास की आधारशिला बनी है। बिना अतिरिक्त टैक्स लगाए टैक्स चोरी पर रोक लगाकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया गया।

अखिलेश-राहुल ने चुपके से लगवाई थी वैक्सीन

दावे पर सपा सदस्यों ने विरोध जताया तो नेता सदन ने साक्ष्य प्रस्तुत करने की बात कही

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विधान परिषद

- बजट सत्र में उप मुख्यमंत्री ने गिनाईं उपलब्धियां
- कहा- सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ यूपी में सशक्त हो रहा स्वास्थ्य ढांचा

अमृत विचार : विधान परिषद में उप मुख्यमंत्री व विधान परिषद में नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने बजट सत्र के दौरान दावा किया कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस के राहुल गांधी ने कोरोना बचाव में चुपके-चुपके वैक्सीन लगवायी थी, सपा सदस्यों ने विरोध जताया तो नेता सदन ने साक्ष्य स्वरूप फोटो प्रस्तुत करने की बात कही।

बजट सत्र के दौरान सोमवार को प्रश्नकाल के बाद शाहनवाज खान समेत सपा सदस्यों ने नियम-105 अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं के गिरते स्तर मुद्दा उठाया। मुकुल यादव ने कहा कि मरीजों को अपेक्षित इलाज नहीं मिल रहा है, सरकारी अस्पतालों में 38 प्रतिशत चिकित्सक व 46 प्रतिशत नर्सेस की कमी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 45 फीसदी मरीजों को वार्ड में भर्ती करने की सुविधा नहीं है। जवाब में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कि प्रदेश सरकार "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास" के मूलमंत्र के साथ स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत कर रही है। प्रदेश में चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की संख्या बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है। मेडिकल कॉलेजों में विलय हुए जिला अस्पतालों सहित पीएचसी और सीएचसी में सुविधाएं पहले से बेहतर हुई हैं। जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी है, वहां निजी क्षेत्र की भागीदारी से एमआरआई और सीटी स्कैन जैसी जांच सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इसके पूर्व प्रश्न काल में शिक्षक नेता ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा वर्ष 2023-24 में बिजनेस प्लान के अन्तर्गत आवंटित रुपये से पूर्व में हुए कार्यों को लेकर सवाल पूछे। ऊर्जा मंत्री के जवाब से असंतुष्ट होने पर सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने पूर्ण कार्य की जांच कराकर सूची सदन के पटल पर रखवाने के निर्देश दिये। इसके अलावा ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कोरोना महामारी को देखते हुए सेवानिवृत्त सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों एवं राजकीय विद्यालयों के शिक्षकों को छोड़ करके काटे गये राहत भत्तों का सवाल किया था, सत्ता पक्ष के जवाब में संतुष्ट न होने पर सभापति ने इसे दिखवा लेने के सरकार को निर्देश दिये।

शून्यकाल में निर्दलीय सदस्य राजबहादुर सिंह चंदेल एवं डॉ. आकाश अग्रवाल ने उन्नाव के परिषदीय विद्यालयों से सेवानिवृत्त शिक्षक, कर्मचारियों को पेंशन गणना में एक नोशनल वेतनवृद्धि का लाभ दिलाये जाने की सूचना दी, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के जवाब के बाद सभापति ने सरकार को आवश्यक कार्यवाही के लिए भेज दिया।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

बजट पर नेता विरोधी दल ने सरकार को घेरा

अमृत विचार : परिषद में बजट पर चर्चा के दौरान नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव ने कहा कि सरकार बजट का 50 प्रतिशत भी खर्च नहीं कर पाई है और विकास के बड़े-बड़े दावे कर रही है। उन्होंने बजट को जनविरोधी बताते हुए ठोस कार्ययोजना पेश करने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसानों की फसल की लागत लगातार बढ़ रही है, लेकिन उनकी आय में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हुई है। सरकार किसानों की आय दोगुनी करने का दावा करती है, जबकि जमीनी हकीकत इससे अलग है।

पर्यटन विकास की 111 परियोजनाएं पूरीं

अमृत विचार : विधानसभा में शून्यकाल के दौरान विधायकों ने सड़क, स्वास्थ्य सेवाओं और किसानों से जुड़े मुद्दे सदन में उठाए। सरकार ने आश्वासन दिया कि सभी मामलों की जांच कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। विधानसभा में पर्यटन विभाग को लेकर सवाल उठे। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 2022 से 2025-26 के बीच विभिन्न श्रेणियों में कुल 111 परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं और कोई परियोजना लंबित नहीं है।

'पॉलिटिकल रायता' पर नोकझोंक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रश्नकाल में कानून-व्यवस्था और विकास योजनाओं पर गरमाई बहस
- शून्यकाल में समस्याओं के सवाल गूंजे, आशा-आंगनबाड़ी मानदेय का मुद्दा भी उठा

अमृत विचार: विधानसभा में प्रश्नकाल और शून्यकाल के दौरान विपक्ष ने तमाम मुद्दे उठाकर मंत्रियों को घेरा। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की 'पॉलिटिकल रायता' वाले बयान पर सदन में नोकझोंक हुई। बाद में अध्यक्ष के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ। प्रश्नकाल में कानून-व्यवस्था और विकास योजनाओं पर बहस देखने को मिली तो शून्यकाल में स्थानीय समस्याओं की गूंज और आशा-आंगनबाड़ी मानदेय पर सवाल हुए।

विधानसभा में उस समय तीखी नोकझोंक देखने को मिली जब सपा विधायक आरके वर्मा के बोलने के दौरान डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक खड़े हो गए। उन्होंने कहा कि सीधे सवाल होंगे तो सीधे जवाब देंगे, लेकिन राजनीतिक सवाल किए गए तो 'राजनीतिक रायता' फैलाया जाएगा। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने टिप्पणी करते हुए कहा कि मंत्री सही बात कह रहे हैं। बाद में सपा विधायक कमाल अख्तर ने भी हस्तक्षेप करते हुए मंत्री से सवाल किया कि उनके विभाग में 'रायता' कहां बन रहा है। इस पर सदन में हल्की मुस्कान और टिप्पणी का माहौल रहा।

विधानसभा में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर चर्चा के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सरकार ने निजी अस्पतालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि 281 अस्पतालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई, 533 अस्पताल सीज किए गए और 1541 को नोटिस जारी किया गया। इसके अलावा 426 डायग्नोस्टिक सेंटरों को नोटिस और 57 के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई, जबकि 91 को सीज किया गया। आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय का मुद्दा उठा। प्रयागराज से सपा विधायक संदीप पटेल ने आशा बहुओं के योगदान का उल्लेख करते हुए स्थायीकरण और मानदेय बढ़ाने की मांग की। प्रतापगढ़ के विधायक आरके वर्मा ने भी पूछा कि आंगनबाड़ी कर्मियों का वेतन बढ़ाया जाएगा या नहीं। स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने जवाब में कहा कि भाजपा सरकार आने के बाद आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय दोगुना किया गया है।

कुपोषण के मुद्दे पर मंत्री से स्पीकर ने मांगा जवाब

विधानसभा में सपा विधायक रागिनी सोनकर ने महिलाओं और बच्चों में कुपोषण व एनीमिया का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट में कटौती के कारण महोबा में बच्चों को दूध में पानी मिलाकर दिया गया। महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य जब लिखित जवाब पढ़ने लगीं तो विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उन्हें टोका और कहा कि सिस्टम में पहले से उपलब्ध जवाब न पढ़ें, बल्कि अपने स्तर से स्पष्ट उत्तर दें। इसके बाद मंत्री ने कहा कि सरकार साल में 300 दिन बच्चों को भोजन उपलब्ध करा रही है और कुपोषण के मामलों में सुधार हो रहा है।

विधानसभा में बजट पर चर्चा जारी

विधानसभा में सोमवार को बजट पर चर्चा की भी शुरुआत हुई। सत्ता पक्ष और उसके सहयोगी दलों के सदस्यों ने बजट को सर्वतोन्मुखी और विकासोन्मुखी बताते हुए सरकार की उपलब्धियां गिनाईं, जबकि विपक्ष ने इसे झूठ का पुलिंदा करार दिया। भाजपा, निषाद पार्टी, अपना दल (एस) और रालोद के सदस्यों ने जहां क्षेत्रीय मांगें और विकास योजनाएं रखीं, वहीं सपा सदस्यों ने स्वास्थ्य, सड़क और शिक्षा व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए। बजट पर चर्चा मंगलवार को भी जारी रहेगी।

विधानसभा में गूंजा जल जीवन मिशन में घपले का मुद्दा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अध्यक्ष ने विधानसभा की जांच समिति गठन की मांग ठुकराई

अमृत विचार: विधानसभा में सपा ने जल जीवन मिशन में कथित घपले का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। सपा सदस्यों ने विधानसभा की समिति बनाकर जांच कराने की मांग की। सपा का आरोप था कि प्रदेश के कई जिलों में टंकियां गिर रही हैं, नलों से पानी नहीं आ रहा और पाइपलाइन डालने के बाद गांवों की सड़कें भी दुरुस्त नहीं की जा रहीं। हालांकि अध्यक्ष सतीश महाना ने विधानसभा की जांच समिति गठन की मांग ठुकरा दी।

सपा के कमाल अख्तर और प्रभु नारायण सिंह ने नियम-56 के तहत कार्यस्थगन प्रस्ताव लाकर कहा कि योजना की अंतिम तिथि बार-बार बढ़ाई जा रही है और अब इसे 2028 तक कर दिया गया है। उन्होंने लखीमपुर और सीतापुर में टंकियां गिरने, कुछ स्थानों पर ट्यूबवेल से कम प्रेशर में जलापूर्ति होने और पाइपलाइन की गुणवत्ता खराब होने का आरोप लगाया। सपा सदस्यों ने दावा किया कि देश भर में दर्ज 17 हजार शिकायतों में से 85 प्रतिशत उत्तर प्रदेश से संबंधित हैं। साथ ही कहा कि गांवों की गलियां खोद दी गईं, लेकिन मरम्मत नहीं हो रही और हैंडपंप योजना भी बंद कर दी गई है। मामले में अध्यक्ष ने सदन में दायर याचिकाओं का छह माह में निस्तारण करने के निर्देश दिए, जिस पर संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने आश्वासन दिया कि समयसीमा में निस्तारण सुनिश्चित कराया जाएगा।

जलशक्ति मंत्री बोले आरोप बेबुनियाद

इस पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि सपा के सदस्यों की बातें आधारहीन हैं और वे अपने क्षेत्र की वास्तविक स्थिति से परिचित नहीं हैं। मंत्री ने कहा कि जहां भी गड़बड़ियां सामने आईं, वहां सख्त कार्रवाई की गई है।

उप्र. शहरी पुनर्विकास नीति-2026 लागू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 25 वर्ष से अधिक पुराने भवनों को मिलेगा नया जीवन, स्ट्रक्चरल ऑडिट होगा अनिवार्य
- पीपीपी मॉडल, ट्रांजिट आवास और तीन वर्ष की समय सीमा के साथ शहरी पुनर्विकास

अमृत विचार: तेजी से बढ़ते शहरीकरण और जर्जर हो चुके पुराने आवासीय परिसरों की चुनौती से निपटने के लिए योगी सरकार ने 'उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति-2026' लागू कर दी है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद शहरी एवं नियोजन विभाग ने इसका शासनादेश जारी कर दिया है।

इस नीति का उद्देश्य 25 वर्ष या उससे अधिक पुराने ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट्स को सुरक्षित, आधुनिक और सुविधायुक्त स्वरूप में पुनर्विकसित करना है, ताकि नागरिकों को बेहतर और सुरक्षित आवास उपलब्ध हो सके। सरकार का मानना है कि इस पहल से न केवल पुराने भवनों को नया जीवन मिलेगा, बल्कि निर्माण, रियल एस्टेट और संबद्ध क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। प्रदेश के कई शहरों में पुरानी अपार्टमेंट और ग्रुप हाउसिंग परियोजनाएं संरचनात्मक रूप से कमजोर हो चुकी हैं। नई नीति के तहत वही सार्वजनिक और निजी परियोजनाएं पुनर्विकास के लिए पात्र होंगी, जो कम से कम 25 वर्ष पुरानी हों या स्ट्रक्चरल ऑडिट में असुरक्षित पाई गई हों। हाउसिंग सोसायटी या अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन के मामलों में पुनर्विकास प्रक्रिया शुरू करने के लिए दो-तिहाई सदस्यों की सहमति अनिवार्य होगी। हालांकि, 1500 वर्गमीटर से कम क्षेत्रफल की भूमि, एकल मकान, नजूल भूमि, लीज की भूमि और इंप्रूवमेंट ट्रस्ट की भूमि को इस नीति से बाहर रखा गया है।

तीन मॉडल से होगा पुनर्विकास

सरकार ने पुनर्विकास के लिए तीन विकल्प तय किए हैं, जिसमें शासकीय एजेंसी द्वारा सीधे पुनर्विकास, पीपीपी मॉडल के तहत निजी डेवलपर की भागीदारी और सोसायटी या एसोसिएशन द्वारा स्वयं पुनर्विकास शामिल है। पीपीपी मॉडल में शासकीय एजेंसी, डेवलपर और सोसायटी के बीच त्रिपक्षीय समझौता होगा, जिसमें सभी की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से तय होंगी। हर परियोजना के लिए डीपीआर तैयार करना अनिवार्य होगा, जिसमें कॉरपेट एरिया, पार्किंग, कॉमन एरिया, ट्रांजिट आवास या किराया व्यवस्था और वित्तीय प्रबंधन शामिल रहेगा।

तीन वर्ष में पूरी होगी परियोजना

पुनर्विकास परियोजनाओं को सामान्यत: तीन वर्ष में पूरा करना अनिवार्य होगा। विशेष परिस्थितियों में अधिकतम दो वर्ष का अतिरिक्त समय दिया जा सकेगा। नियोजन मानकों में व्यावहारिक लचीलापन रखते हुए बोर्ड की मंजूरी से कुछ शर्तों में केस-टू-केस आधार पर छूट दी जाएगी। साथ ही, आपस में जुड़े एक से अधिक भूखंडों को मिलाकर पुनर्विकास की अनुमति भी दी गई है, जिससे समेकित और बेहतर शहरी विकास संभव हो सके।

सक्रियता | प्रदेश भर में सुरक्षा एजेंसियों को किया गया अलर्ट

होली और रमजान एक साथ, पुलिस के लिए बड़ी चुनौती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पूर्व में उपद्रव करने के लिए बदनाम लोगों को लिया जा रहा रडार पर

अमृत विचार: होली और रमजान एक साथ पड़ रहे हैं तो पुलिस के लिए कानून व्यवस्था को लेकर बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। दोनों समुदायों के पर्व शांति और सौहार्द से मनाए जाएं, इसके लिए पुलिस के साथ ही खुफिया टीमों को अलर्ट कर दिया गया है। प्रदेश के अति संवेदनशील जिले लखनऊ, अयोध्या, मथुरा, बरेली, आजमगढ़, अलीगढ़, बरेली, कानपुर, मुरादाबाद, मेरठ, रामपुर, सहारनपुर समेत प्रदेश भर में चौकसी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। उधर पुलिस ने पूर्व के उपद्रवों में शामिल रहे असामाजिक तत्वों को भी रडार पर ले लिया है।

होली का मुख्य पर्व 3 और 4 मार्च को है, लेकिन होलिका से संबंधित कार्यक्रम महा शिवरात्रि से ही शुरू हो जाते हैं। इसके तहत ब्रज क्षेत्र में तो लगातार फाग खेले जाने के आयोजन होना शुरू हो चुके हैं। दूसरी ओर 18 या 19 फरवरी से रमजान शुरू हो सकते हैं, जो कि एक महीने तक जारी रहेंगे। ऐसे में होली और रमजान का महीना साथ-साथ होंगे। इस चुनौती से निपटने के लिए पुलिस मुख्यालय से सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। प्रदेश के सभी एडीजी, पुलिस कमिश्नर और आईजी-डीआईजी से कहा गया है कि वह फोर्स को अलर्ट मोड पर रखें। खास कर मिश्रित आबादी वाले इलाकों पर विशेष नजर रखी जाए। रमजान से पहले क्षेत्र की मस्जिदों समेत सभी धार्मिक स्थलों का निरीक्षण कर लिया जाए।

पीस कमेटी की बैठक शुरू करें

पुलिस और प्रशासन के अफसरों से कहा गया है कि वह अपने-अपने क्षेत्र में पीस कमेटियों की बैठक करना शुरू कर दें। सख्त हिदायत दी गई है कि पीस कमेटी की बैठकें महज रस्म अदायगी न हों, बल्कि उनमें दोनों समुदायों के कद्दावर और बड़े धार्मिक लोग शिरकत करें। उनसे खुले मन से बात की जाए। साथ ही रमजान और होलिका दहन के मौके पर आने वाली दिक्कतों के बारे में जरूर पता लगाया जाए।

होलिका दहन स्थलों का करें सत्यापन

पुलिस को हिदायत दी गई है कि होलिका दहन स्थलों का भी पुलिस अधिकारी सत्यापन करें। यदि यदि किसी जिले में होली से पहले या फिर बाद में जुलूस की परंपरा हो तो देख लिया जाए कि पूर्व उसका रूट क्या था। कोई भी नया रूट या फिर नई परंपरा न पड़ने दी जाए। पुलिस अधिकारी रूट को पैदल गश्त करके उसका निरीक्षण कर लें। होलिका दहन भी नए स्थान पर नहीं कराया जाए। यदि विवाद की स्थिति आती है तो उसे दोनों पक्षों को बुलाकर प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाए।

फार्म-7 के दुरुपयोग को लेकर सपा विधायक चुनाव आयोग को देंगे ज्ञापन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर अज्ञात नामों से फार्म-7 भरवाए गए हैं। कन्नौज, बलिया, अयोध्या सहित कई जिलों के उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि शिकायतों के बावजूद निवार्चन आयोग की ओर से कार्रवाई नहीं हो रही।

सपा प्रमुख ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भाजपा 2027 का विधानसभा चुनाव हारने जा रही है, इसलिए मतदाता सूची के एसआईआर में फार्म-7 के जरिए बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सपा के सभी विधायक फार्म-7 के दुरुपयोग और अन्य विसंगतियों को लेकर चुनाव आयोग को ज्ञापन देंगे और विधानसभा में भी यह मुद्दा उठाएंगे। उन्होंने मांग की कि नाम हटाने की प्रक्रिया केवल सरकारी बीएलओ के माध्यम से हो तथा किस बूथ पर किसके नाम से फार्म-7 जमा हुआ, इसका पूरा डेटा सार्वजनिक किया जाए। अखिलेश यादव ने मेरठ का एक वीडियो दिखाते हुए कहा कि विधायक मनोज पारस के क्षेत्र में 37 हजार और डॉ. मुकेश वर्मा के क्षेत्र में 75 हजार लोगों को नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि बलिया में हमारे विधायक मो. रिजवी की पत्नी का वोट भी काट दिया गया।

प्रेस कांफ्रेंस में अखिलेश यादव।

कांग्रेस के पूर्व विधायक सपा में शामिल

कांग्रेस नेता तथा पूर्व विधायक केके शर्मा ने अपने दर्जनों समर्थकों के साथ सोमवार को सपा की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का भी संकल्प लिया।

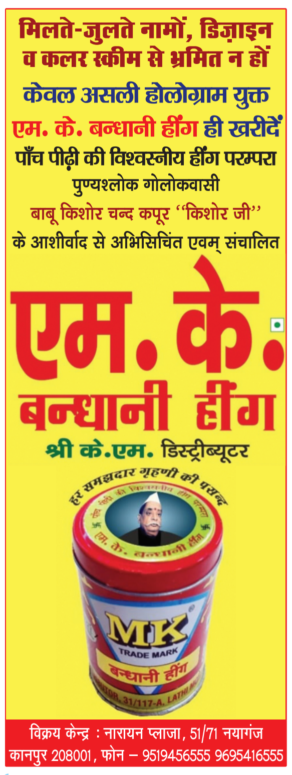

बाइक पर पलटा डाला, दंपति व बच्ची घायल

बंथरा के बनी- मोहान रोड स्थित लतीफ नगर के पास हुआ हादसा

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचारः बंथरा के बनी - मोहान रोड स्थित लतीफ नगर के पास सोमवार दोपहर को बेकाबू डाला बाइक सवार दंपति पर पलट गया। हादसे में दंपति व उनकी दस वर्षीया बच्ची डाले के नीचे दबकर गंभीर रुप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। चालक को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

उन्नाव के हसनगंज स्थित समदपुर जसमड़ा निवासी डीसीएम चालक मोहर्रम अली, पत्नी किस्मतुन्निशा और 10 वर्षीया बेटी सुमायरा के साथ बाइक से सोमवार को वापस घर लौट रहे थे। दोपहर करीब भी 1 बजे बंथरा के बनी - मोहान रोड स्थित लतीफ नगर के पास सामने से आ रहा तेज रफ्तार गेहूँ की बोरियों से लदा टेंपो डाला अनियंत्रित होकर अचानक उनकी बाइक पर पलट गया। हादसे में बाइक सवार मोहर्रम अली, उनकी पत्नी किस्मतुन्निशा व बच्ची सुमायरा उसके नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद सड़क पर लगी लोगों की भीड़ और मौजूद पुलिस।

हादसे में घायल महिला।

हादसे में क्षतिग्रस्त बाइक।

प्रधान ने अपनी कार से पहुंचाया अस्पताल

- डाले के नीचे दबे तीनों की चीखपुकार सुनकर राहगीर व स्थानीय लोग जुट गये। डाला सीधा कर तीनों को बाहर निकाला। घायलों को ले जाने के लिए 108 एंबुलेंस व पुलिस को सूचना दी। एंबुलेंस को पहुंचने में देरी होने और घायलों की स्थित बिगड़ती देख लतीफनगर के प्रधान प्रतिनिधि तरुण शुक्ला ने तीनों को अपनी कार से निजी अस्पताल पहुंचाया। जहां उनका इलाज शुरू हो सका। घटना के बाद लोगों ने डाला चालक बंथरा के ही रहीमनगर पड़ियाना निवासी प्रमोद साहू को पकड़ कर डाला सहित पुलिस के हवाले कर दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि डाला चालक की लापरवाही से यह घटना हुई है। पुलिस ने डाला और उसके चालक को अपने कब्जे में ले लिया और आगे की कार्रवाई कर रही है।

मजदूर ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

- बंथरा के हमीरपुर में हुई घटना, पुलिस कर रही जांच

संवाददाता सरोजनीनगर

सुजीत गौतम

अमृत विचारः बंथरा के हमीरपुर निवासी सुजीत गौतम (35) ने जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हमीरपुर निवासी सुजीत गौतम सरोजनी नगर के नादरगंज स्थित एक निजी कंपनी में काम करता था। रविवार को छुट्टी होने के कारण वह घर पर था। तभी दोपहर को उसके अचानक उल्टियां होने लगी। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले गए। जहां उसकी जेब में सल्फास की पुड़िया निकली। परिजनों ने जब उससे पूछा तो सुजीत ने बताया कि उसने पानी में घोलकर सल्फास पी लिया है। अस्पताल में हालत अधिक गंभीर देख सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेफर कर दिया गया। इसके बाद वहां से लोक बंधु अस्पताल और इसके बाद ट्रामा सेंटर भेज दिया गया। जहां इलाज के दौरान सोमवार दोपहर सुजीत की मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सुजीत ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। परिवार में पत्नी रेनू, बेटी आराध्या, सराध्या व डेढ़ वर्ष का बेटा आदि है। इंस्पेक्टर राणा राजेश सिंह ने बताया कि ऐसी कोई सूचना नहीं मिली है।

न्यूज ब्रीफ

शैलेन्द्र बने बसपा के नए जिलाध्यक्ष, केपी पटेल महासचिव

अमृत विचार, लखनऊः बहुजन समाज पार्टी की सोमवार को हुई बैठक में प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने लखनऊ कार्यकारिणी घोषित की। इसमें जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार गौतम, उपाध्यक्ष राकेश जायसवाल, महासचिव केवी सिंह पटेल, सचिव पारस अम्बेडकर बाल्मीकि, कोषाध्यक्ष कायम रजा और शेरा रावत, पुत्तीलाल वर्मा को कार्यकारिणी के सदस्य बनाया गया। प्यारे लाल को बीवीएफ व आरके बर्मन को और बामसेफ का जिला संयोजक मनोनीत किया गया। मुख्य मंडल प्रभारी लखनऊ सूरज सिंह जाटव भी मौजूद रहे।

समारोह में आज होगा 100 जोड़ों का विवाह

अमृत विचार, लखनऊ : जिले में मंगलवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में 100 गरीब जोड़ों का विवाह कराया जाएगा। आयोजन मलिहाबाद के रजवाड़ा मैरिज लॉन में होगा। ब्लॉक व नगर स्तरीय इस आयोजन में बीकेटी ब्लॉक से 64 जोड़े, काकोरी ब्लॉक से 19, चिनहट ब्लॉक से 6, नगर पंचायत महोना से 3 व नगर पंचायत बीकेटी से 8 जोड़े चयनित किए गए हैं। जिला समाज कल्याण अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि सभी जोड़ों का सत्यापन कराने के साथ विवाह की तैयारी पूर्ण कर ली है। 18 फरवरी को गोसाईगंज के विशाल लॉन में 86 जोड़े और मलिहाबाद के रजवाड़ा मैरिज लॉन में 100 जोड़े का विवाह कराएंगे।

मौत का कारण स्पष्ट नहीं हार्ट व विसरा सुरक्षित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः मोहनलालगंज के एक होटल में तैनात गार्ड हरिश्चंद्र उर्फ रिंकू की रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका। हार्ट व विसरा जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है। पुलिस के मुताबिक विसरा रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

सोमवार को पुलिस मृतक गार्ड के परिजनो को लेकर होटल पहुंची और वहां लगे सीसी कैमरों की रिकार्डिंग दिखाई। होटल प्रबंधन ने परिजनों से मिलकर समझौता करने का प्रयास किया। मोहनलालगंज कस्बे के एक होटल में तैनात सिक्योरिटी गार्ड हरिश्चन्द्र उर्फ रिंकू की रविवार की भोर होटल पर ड्यूटी के समय संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। परिजन ने बताया कि तीन घंटे उपचार के अभाव में गार्ड होटल में पड़ा रहा लेकिन उसे अस्पताल नहीं ले जाया गया। परिवारीजन जब होटल पंहुचे तो अस्पताल ले गए, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने होटल प्रबंधन व कर्मचारियों पर लापरवाही बरतने व हत्या की आशंका जताते हुए शिकायती पत्र दिया था। पुलिस ने परिजनों से बताया कि जिस जगह गार्ड पड़ा हुआ था वहां कोई सीसी कैमरा नहीं लगा हुआ था। इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। विसरा व हार्ट सुरक्षित रखा गया है। होटल प्रबंधन व गार्ड के परिजनों के बीच समझौते को लेकर बातचीत भी चल रही है।

किशोरी से छेड़छाड़, अपहरण का प्रयास

अमृत विचार, मलिहाबाद : इलाके के एक गांव में किशोरी से छेड़छाड़ व उसके अपहरण की घटना सामने आई है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाले व्यक्ति ने तहरीर दी। जिसके अनुसार रविवार रात किशोरी घर के बाहर बने शौचालय में गई थी। इसी दौरान गांव का ही एक युवक वहां पहुंच गया। उसे पकड़कर जबरन अपने साथ ले जाने का प्रयास करने लगा। किशोरी के शोर मचाने पर परिजन मौके पर पहुंच गए, जिन्हें देखकर आरोपी भाग निकला। घटना की सूचना डायल 112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

नौ संगठनों ने एक साथ ली व्यापार मंडल की शपथ

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दिलाई पदाधिकारियों को शपथ, महापौर व विधायक भी रहे मौजूद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : खदरा लखनऊ व्यापार मण्डल परिक्षेत्र के 9 संगठनों का गठन कर सोमवार को सीतापुर रोड खदरा चुंगी पर शपथ ग्रहण किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रहे।

विशिष्ट अतिथि विधायक नीरज बोरा और महापौर सुषमा खर्कवाल की उपस्थिति रही। डिप्टी सीएम ने शपथ दिलाई और कहा कि प्रदेश सरकार व्यापारियों की सुरक्षा, सम्मान एवं सुविधाओं के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने नवगठित व्यापार मंडल को शुभकामनाएं दीं। कहा कि यह बड़ी टीम है। व्यापारी आपसी एकता बनाकर व्यवसायिक वातावरण और अधिक सुदृढ़ और सुरक्षित बनाएं। विधायक नीरज बोरा ने व्यापारियों से एकजुट होकर क्षेत्र के विकास में सहयोग करने का आह्वान किया। संगठन प्रमुख अमरनाथ मिश्र ने विश्वास दिलाया कि उनके हर उचित कार्य में व्यापार मंडल उनके साथ है। लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल जी ने ख़दरा व्यापार मंडल की नवगठित 9 इकाइयों के पदाधिकारियों को बधाई दी।

अध्यक्षता लखनऊ व्यापार मण्डल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने की और शपथ दिलाई। उन्होंने मुसव्विर अली मंशू (पार्षद) को लखनऊ व्यापार मंडल के टीजी क्षेत्र का महामंत्री घोषित किया। मंचासीन उमेश शर्मा, नितिन जैन, शोएब जिलानी, मनीष गुप्ता रहे।

व्यापारी संगठन के पदाधिकारियों के साथ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और अन्य। अमृत विचार

बड़ी पकरिया रोड

- अध्यक्ष : इस्माईल वरिष्ठ उपाध्यक्ष : दीपू जायसवाल उपाध्यक्ष : इस्तिखार वरिष्ठ महामंत्री : अजीम, महामंत्री : आशीष वर्मा मंत्री : नासिर, कोषाध्यक्ष : शकील बेग सचिव : मो. नसीम, इकबाल, राशिद प्रचार मंत्री : मो. आरिफ संरक्षक : आमहीन बेग

कर्बला रोड

- अध्यक्ष : अंजुम वरिष्ठ उपाध्यक्ष : शोएब सिद्दीकी उपाध्यक्ष : बिलाल वरिष्ठ महामंत्री : फुरकान महामंत्री : सलमान मंत्री : मोईन कोषाध्यक्ष : सरवन गुप्ता सचिव : उस्मान, अहमद गाजी, गफूरे गाजी, रेहान संगठन मंत्री : हारून प्रचार मंत्री : मन्नु

अवध वाटिका रोड

- अध्यक्ष : यूसुफ अंसारी वरिष्ठ उपाध्यक्ष : शकील उपाध्यक्ष : मो. शज्जू वरिष्ठ महामंत्री : मो. आसिफ महामंत्री : सादान मंत्री : मुईन बेग, जीमल कोषाध्यक्ष : मो. अजीम उर्फ शेरू सचिव : जलील अहमद, फरहान अहमद, दिनेश अवस्थी

सीतापुर रोड खदरा (पश्चिम)

- लखनऊ व्यापार मण्डल में अध्यक्ष : आशीष वरिष्ठ उपाध्यक्ष : रिजवान कुरैशी उपाध्यक्ष : मो. आमिर वरिष्ठ महामंत्री : राहुल महामंत्री : शहनवाज आलम मंत्री : परवेज कोषाध्यक्ष : नियाज सचिव : विकास गुप्ता संगठन मंत्री : शोएब प्रचार मंत्री : हरिश्चन्द्र संरक्षक : जहीर, धर्मेन्द्र गुप्ता।

रामलीला ग्राउंड रोड

- व्यापार मण्डल में अध्यक्ष : आशीष जायसवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष : इश्तियाक खान उपाध्यक्ष : ध्रुव मिश्रा वरिष्ठ महामंत्री : मो. इदरीस महामंत्री : शहाबुद्दीन मंत्री : मो. शाकिर कोषाध्यक्ष : कमलाकान्त पाण्डेय सचिव : अरविन्द गुप्ता प्रचार मंत्री : शहनवाज।

सीतापुर रोड खदरा (पूरब)

- लखनऊ व्यापार मण्डल में अध्यक्ष : राकेश कुमार गुप्ता वरिष्ठ उपाध्यक्ष : जीलानी उपाध्यक्ष : जीमल अहमद वरिष्ठ महामंत्री : मुमताज महामंत्री : सलमान मंत्री : मो. अशरफ, मो. शकील सचिव : जीमल अहमद, मो. शावेज संगठन मंत्री : हंजला सिद्दीकी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

खदरा परिक्षेत्र

- लखनऊ व्यापार मण्डल के संरक्षक मुसव्विर अली उर्फ मंशू (पार्षद), मो. सगीर खान, विधिक सलाहकार विजय तिवारी, हामिद रज्जाक एवं प्रवक्ता मो. असलम।

दीनदयाल नगर

- दीनदयाल नगर खदरा लखनऊ व्यापार मण्डल में अध्यक्ष : विशाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष : मो. तारिक उपाध्यक्ष : मजहर वरिष्ठ महामंत्री : अनवार अली महामंत्री : शकील मंत्री : संजय जैन सचिव : अहमद कोषाध्यक्ष : मो. अस्फाक प्रचार मंत्री : उमेश अग्रवाल संरक्षक : सरोज, सतीश को शामिल किया गया।

छोटी पकरिया रोड

- अध्यक्ष : फैजान वरिष्ठ उपाध्यक्ष : मुस्तकीम उपाध्यक्ष : मुदस्सिर वरिष्ठ महामंत्री : शहजाद महामंत्री : शारिक गाजी मंत्री : मो. अरसलान सचिव : निजाम कोषाध्यक्ष : मो. हारून, दीपू गुप्ता प्रचार मंत्री : शानू

शिवनगर रोड

- अध्यक्ष : डॉ. शफीक अंसारी वरिष्ठ उपाध्यक्ष : अनस उपाध्यक्ष : शमशुल अंसारी वरिष्ठ महामंत्री : अरविन्द कुमार महामंत्री : बुद्धिसागर मिश्र, मंत्री : अनीस कोषाध्यक्ष : नवाब अहमद महासचिव : अहमद सचिव : महफूज अली, शहाब प्रचार मंत्री : नसीम

गांव-गांव उर्वरकों की निगरानी करेगी समिति

- प्रधान की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत स्तर पर गठित कमेटी

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचारः भारत सरकार का 'धरती माता बचाओ' अभियान खेतों में रासायनिक उर्वरकों का अंधाधुंध व अत्यधिक प्रयोग किसानों में जागरूकता लाकर रोकेगा। इसी अभियान के तहत ''ग्राम स्तरीय धरती माता बचाओ निगरानी समिति'' उर्वरकों की बिक्री, कालाबाजारी, तस्करी और ओवररेटिंग पर गांव-गांव नजर रखकर लगाम लगाएगी। अभियान की शुरुआत 100 ग्रामों से होगी, जहां सबसे अधिक रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल किसान करते हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय, तहसीलों पर एसडीए और ग्राम पंचायतों पर प्रधान की अध्यक्षता में निगरानी कमेटी गठित कर दी गई हैं। ग्राम निगरानी समिति फसल से पहले बैठकें करके किसानों को संतुलित एवं वैकल्पिक उर्वरकों जैसे जैव व जैविक के प्रयोग की जानकारी देगी। रासायनिक उर्वरक की मात्रा व मृदा स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव बताएगी और परीक्षण के आधार पर मिट्टी को उपचारित करके फसल कराएगी।

इससे मृदा स्वास्थ्य में अनुकूल परिवर्तन आएगा। इसके अलावा उर्वरकों के गैर-कृषि उपयोग या सीमा पार तस्करी के लिए डायवर्जन के मामले में जिला व तहसील स्तरीय अधिकारियों को सूचना देगी। समिति एक तरह से निगरानी तंत्र की तरह उर्वरकों का अवैध डायवर्जन, मिलावटी, कालाबाजारी, ओवररेटिंग, भंडारण समेत हर गतिविधि पर नजर रखेगी। ऐसी स्थिति में जिलाधिकारी, एसडीएम और जिला कृषि अधिकारी स्तर से विक्रेता के पकड़ने जाने पर लाइसेंस निलंबन, निरस्त और एफआईआर तक कराई जाएगी। अन्य कोई भी लिप्त मिला तो उस पर भी एफआईआर कराई जाएगी।

जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर कमेटी गठित कर दी है, जो सभी ग्राम पंचायतों पर नजर रखेंगी। 100 ग्राम पंचायतों का चयन कर रहे, जहां सबसे अधिक रासायनिक उर्वरक का प्रयोग होता है।

बीमारी में ब्याज समेत क्लेम देगी एलआईसी

- **अमृत विचार, लखनऊ :** संभल में एक महिला को पॉलिसी के अनुसार एलआईसी सात फीसद ब्याज के साथ क्लेम अदा करेगी। राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने जिला उपभोक्ता आयोग के आदेश के खिलाफ की गई अपील में एलआईसी को दो फीसद ब्याज माफ करते हुए शेष भुगतान के आदेश दिए हैं। कैथल गेट चंदौसी, जिला संभल निवासी साधना गुप्ता पत्नी नरेंद्र कुमार ने लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया शाखा कार्यालय आवास विकास कॉलोनी से पांच लाख रुपये का बीमा कराया था। जीवन पॉलिसी में बीमारी पर क्लेम भी देय था। वह वर्ष 2024 में बीमार हो गई और उपचार में खर्च 3,23,238 रुपये का क्लेम किया। इस पर एलआईसी ने 1,57,600 रुपये भुगतान किए और 1,65,638 रुपये काट लिए। इसके खिलाफ उन्होंने जिला उपभोक्ता आयोग में शिकायत की तो शेष धनराशि सात फीसद ब्याज के साथ, 10 हजार रुपये मानसिक कष्ट और पांच हजार रुपये व्यय देने के आदेश दिए। इस आदेश के खिलाफ एलआईसी ने राज्य उपभोक्ता आयोग में अपील की, लेकिनखास राहत नहीं मिली। आयोग ने नौ की बजाय सात फीसद ब्याज के साथ भुगतान के आदेश दिए हैं।

15 ग्राम पंचायतों ने दिए एफएसटीपी के प्रस्ताव

- पहले चरण में बनेंगे चार फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट
- वित्तीय वर्ष 2026-27 में एसबीएम-ग्रामीण के तहत होगा निर्माण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : नगरों की तरह ग्राम पंचायतों पर स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (एफएसटीपी) बनेंगे। पहले चरण में चार ग्राम पंचायतों पर निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 15 ग्राम पंचायतों ने स्थल चिह्नित करके निर्माण के लिए प्रस्ताव दिए हैं।

ग्रामीण इलाकों में सीवर की समस्या दूर करने के लिए ग्राम पंचायतें में फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाएंगे। पंचायती राज विभाग ने वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना में चार फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण का प्रस्ताव बनाया है। दो करोड़ रुपये एक प्लांट की लागत है। निर्माण के लिए केंद्र व राज्य सरकार ने बजट भी जारी किया है। माल, मलिहाबाद, सरोजनी नगर, गोसाईगंज, मोहनलालगंज व बीकेटी ब्लॉक की 15 ग्राम पंचायतों ने जमीन चिह्नित करते हुए निर्माण के लिए प्रस्ताव पंचायती राज विभाग को दिया है। इस आधार पर जमीन का सर्वे व अन्य प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। मानकों पर खरा उतरने पर चार पंचायतें चयनित की जाएंगी। इस प्लांट में घरेलू और व्यावसायिक क्षेत्रों से निकलने वाला गंदा पानी (सीवेज) एकत्र करके उपचारित करके साफ किया जाएगा। कृषि व अन्य कार्य में इस्तेमाल लाया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

बिना पंजीकरण चल रहे त्रियुगी अस्पताल के संचालन पर रोक

अमृत विचार, लखनऊ : बीकेटी स्थित रामसागर मिश्र संयुक्त चिकित्सालय में तैनात डॉक्टर डॉ. अनिल कुमार अग्रहरि पर इटौंजा क्षेत्र में निजी अस्पताल संचालित करने का आरोप लगा था। भाकियू के जिला अध्यक्ष आलोक वर्मा और तहसील अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह पवांर की ओर से भेजे गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि डॉ. अग्रहरि इटौंजा कुर्सी रोड पर त्रियुगी हॉस्पिटल नाम से निजी अस्पताल संचालित कर रहे हैं। पत्र में यह भी आरोप है कि डॉक्टर सरकारी अस्पताल से दवाएं लाकर अपने निजी अस्पताल में बेचते हैं। साथ ही आयुष्मान कार्ड धारकों को मुफ्त इलाज का झांसा देकर आर्थिक शोषण करने की बात भी कही गई है। नर्सिंग होम के नोडल अफसर डॉ. एपी सिंह ने बताया कि इटौंजा सीएचसी अधीक्षक को जांच सौंपी गई थी। जांच में अस्पताल का पंजीकरण न होना पाया गया। जिसके बाद अस्पताल के संचालन पर रोक लगा दी गई है। इस सम्बन्ध में सीएचसी अधीक्षक को निर्देशित किया गया है।

महापौर से मिला व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल लखनऊ इकाई के अध्यक्ष अमरनाथ अग्रवाल, महामंत्री योगेन्द्र सिंह एवं प्रदेश संगठन मंत्री श्याम मिश्रा के नेतृत्व में तालकटोरा रोड आलमबाग के दुकानदारों का एक प्रतिनिधि ने महापौर सुषमा खर्कवाल से उनके कार्यालय में मिला। किराए में व्याप्त विसंगतियों का मुद्दा उठाया। पदाधिकारियों ने कहा कि दुकानों को सील कर दिया गया है। इससे स्थानीय दुकानदारों में डर का वातावरण व्याप्त है। महापौर सुषमा खर्कवाल ने दुकानदारों की समस्या को सुनने के बाद कहा कि विसंगतियों को दूर करने का प्रयास किया जाएगा तब तक दुकानदारों पर सीलिंग की कार्यवाही नहीं की जाएगी। प्रतिनिधि मंडल में उपाध्यक्ष मंगलेश मिश्रा, चरण सिंह, पंकज मेहंदी रत्ता, कमलिया, सुनील गुलवानी, शमसुद्दीन सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। महापौर को व्यापारियों ने ज्ञापन दिया।

ग्रामीण युवाओं के कौशल पर मंथन

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) की ओर से आयोजित दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला–सह–प्री–ईसी कार्यशाला का उद्घाटन प्रमुख सचिव व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता डॉ. हरिओम ने किया। निजी होटल में केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के निर्देशन में सोमवार को शुरू हुई दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला–सह–प्री–ईसी में प्रमुख सचिव ने बताया कि केंद्र सरकार ने डीडीयू–जीकेवाई 2.0 में स्वरोजगार घटक जोड़ने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। बैठक में उत्तर प्रदेश सहित सात राज्यों, बिहार, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख, उत्तराखंड, पंजाब और झारखंड के कौशल विशेषज्ञों ने ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए साझा रणनीति पर सहमति जताई।

वर्किंग ग्रुप को लेकर जताई आपत्ति

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्रीय विद्युत मंत्रालय की ओर से विद्युत संशोधन बिल पर अंतिम रिपोर्ट तैयार करने के लिए गठित वर्किंग ग्रुप को लेकर बिजली अभियंताओं ने आपत्ति जताई है। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने बताया कि इस ग्रुप में कर्मचारियों और अभियंताओं को शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने वर्किंग ग्रुप को असंवैधानिक बताया और आरोप लगाया कि संशोधन बिल के माध्यम से निजीकरण को बढ़ावा देने की साजिश की जा रही है।

जिला केंद्रों पर ही समस्याओं का निस्तारण करें अधिकारी: मुख्यमंत्री

कहा - जनता दर्शन में लखनऊ आने से पहले जिला व मंडल स्तर पर करें शिकायत, निवेशकों की समस्याओं में देरी बर्दाश्त नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में 'जनता दर्शन' कार्यक्रम के दौरान फरियादियों से सीधे संवाद किया और एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि आमजन की समस्याओं का निस्तारण हर हाल में जिला स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि लखनऊ आने से पहले अपनी शिकायतों को जिला और मंडल स्तर पर अवश्य रखें। वहां तैनात अधिकारी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

यदि किसी कारणवश समाधान न हो पाए, तभी लखनऊ आना आवश्यक है। उन्होंने दो टूक कहा कि हर पीड़ित को राहत देना सरकार की प्राथमिकता है। जनता दर्शन में अभिभावकों के साथ आए बच्चों से मुख्यमंत्री ने आत्मीय संवाद किया। बच्चों से उनकी कक्षा पूछी, पढ़ाई-लिखाई का हाल जाना और मुस्कुराते हुए कहा कि मन लगाकर पढ़ो, खूब खेलो और खेलकर खिलते रहो। मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जनता दर्शन के दौरान उद्यमियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेष रूप से यूपीसीडा और जिला प्रशासन को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए मजबूत इकोसिस्टम और सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया गया है। निवेशकों को किसी भी स्तर पर परेशानी नहीं होनी चाहिए।

स्कूलों में शारीरिक शिक्षा पर आश्वासन

जनता दर्शन में एक नागरिक ने बेसिक शिक्षा परिषद के प्राथमिक विद्यालयों में फिजिकल एजुकेशन अनिवार्य किए जाने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल और शारीरिक गतिविधियां भी जरूरी हैं। साथ ही अवैध कब्जे और पुलिस से जुड़े मामलों में निष्पक्ष और पारदर्शी कार्रवाई के निर्देश दिए।

बौद्ध विमर्श 17 से, आठ देशों के विद्वान लेंगे हिस्सा

अमृत विचार, लखनऊ : काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के पालि एवं बौद्ध अध्ययन विभाग की ओर से 17 से 19 फरवरी तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग और तोयो विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में होगा। सम्मेलन में म्यांमार, कोरिया, श्रीलंका, नेपाल, कंबोडिया, जापान, थाईलैंड और वियतनाम सहित आठ देशों के विद्वान भाग लेंगे। तीन दिनों में कुल 80 चयनित शोध-पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। तकनीकी सत्रों में पालि त्रिपिटक, अट्ठकथा परंपरा, बौद्ध तर्कशास्त्र, थेरवाद और महायान दर्शन, तुलनात्मक बौद्ध अध्ययन तथा अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संवाद जैसे विषयों पर गहन चर्चा होगी।

महिला मरीज की मौत पर हम स्तब्ध : हाईकोर्ट

बेड खाली नहीं कहकर केजीएमयू ने महिला को लौटा दिया था

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : गंभीर अवस्था में लाई गई जिस महिला को किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में बेड न खाली होने की बात कह लौटा दिया गया, उसकी इलाज न मिलने के कारण मृत्यु हो गई। महिला की मृत्यु से संबंधित आपराधिक मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच की जानकारी में यह तथ्य आया। इस पर कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य की राजधानी स्थित प्रमुख चिकित्सा संस्थान द्वारा आपातकालीन स्थिति में मरीज को लौटाया जाना स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर स्थिति को दर्शाता है, हम स्तब्ध हैं। कोर्ट ने मामले पर मुख्य सचिव को रिपोर्ट देने के आदेश दिए हैं। अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन व न्यायमूर्ति बबीता रानी की खंडपीठ ने बहराइच जनपद की उर्मिला की याचिका पर दिया।

सिर्फ पत्नी के आरोप पर मुकदमा स्थानांतरित नहीं किया जा सकता, याचिका खारिज

विधि संवाददाता, लखनऊ: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने वैवाहिक विवाद से संबंधित मुकदमे के स्थानांतरण संबंधी एक याचिका पर स्पष्ट किया है कि पत्नी द्वारा पति व उसके परिवार पर धमकियों के आरोप लगा देने भर से स्थानांतरण की प्रार्थना को स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह आदेश न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन रिजवी की एकल पीठ ने पत्नी की याचिका पर दिया। याचिका में हिन्दू विवाह अधिनियम की धारा 13 के तहत प्रतापगढ़ में विचाराधीन तलाक के मुकदमे को रायबरेली स्थानांतरित किए जाने की मांग की गई थी। याचिका का विरोध करते हुए, पति के अधिवक्ता चन्दन श्रीवास्तव ने दलील दी कि पति व उसके परिवार पर धमकियों के जो भी आरोप लगाए गए हैं, वे अस्पष्ट और झूठे हैं, कथित धमकियों की शिकायत भी कहीं नहीं की गयी है। पत्नी की ओर से यह भी कहा गया था कि वह एम्स रायबरेली में डॉक्टर है, ऐसे में मुकदमे की तारीखों पर उसका प्रतापगढ़ जाना अक्सर संभव नहीं हो पाता। जिसके जवाब में पति की ओर से कहा गया कि प्रश्नगत मुकदमा फाइनल स्टेज में है तथा पति की ओर से अंतिम बहस भी की जा चुकी है, ऐसे में मुकदमे का स्थानांतरण करने से उसके निस्तारण में देरी होगी। कहा गया कि पत्नी द्वारा मुकदमे के स्टेज संबंधी तथ्य को छिपाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद पारित अपने विस्तृत आदेश में कोर्ट ने कहा कि सिर्फ आरोप के आधार पर किसी मुकदमे का स्थानांतरण नहीं किया जा सकता। इन टिप्पणियों के साथ कोर्ट ने पत्नी की याचिका को खारिज कर दिया।

2022 के एमडीएस चिकित्सकों को कॉलेजों में मिलेगी नियुक्ति

अमृत विचार, लखनऊ : साल 2022 में नीट एमडीएस कांउसिलिंग के माध्यम से सरकारी डेंटल कॉलेजों में दाखिला लेकर दंत विशेषज्ञ बनने वाले चिकित्सकों को अनिवार्य सेवा बांड के तहत दो साल सरकारी मेडिकल व डेंटल कॉलेजों में सेवाएं देनी होंगी। इसके लिए उन्हें बतौर सीनियर रेजीडेंट नियुक्त किया जाएगा, कॉलेज आवंटन के लिए काउंसिलिंग सोमवार से शुरू हो चुकी है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक ने बताया कि मंगलवार और बुधवार को पंजीकरण कराने वाले अभ्यर्थियों को मनपसंद कॉलेजों की प्राथमिकताएं देनी होंगी। तत्पश्चात 18 फरवरी को सीट आवंटन परिणाम घोषित होंगे, फिर 19 से 25 फरवरी तक अभ्यर्थियों को संबन्धित मेडिकल कॉलेजों में ज्वाइनिंग देनी होगी।

25 हजार रुपये के लिए 13 साल बाद अपील

हाईकोर्ट ने सरकार पर 50 हजार का हर्जाना लगा कर खारिज की अपील

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने 25 हजार रुपये से भी कम रकम के लिए राज्य सरकार द्वारा 13 साल से भी अधिक समय के बाद अपील दाखिल करने पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने उक्त अपील को खारिज करने के साथ-साथ सरकार पर 50 हजार रुपये का हर्जाना लगाया है। साथ ही यह भी कहा है कि हर्जाने की उक्त रकम को सरकार जिम्मेदार अधिकारियों से वसूल सकती है।

यह निर्णय न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की एकल पीठ ने राज्य सरकार की ओर से जिलाधिकारी खीरी व 2 अन्य द्वारा दाखिल द्वितीय अपील पर पारित किया। मामले में प्रतिवादी पक्ष से सरकार ने वर्ष 1992 में ईंटों की खरीद की थी। उक्त खरीद के एवज में कुल भुगतान में से 24,966.50 रुपये का भुगतान प्रतिवादी को नहीं किया गया था, जिस पर उसने सिविल कोर्ट में मुकदमा दाखिल किया। उक्त मुकदमा वर्ष 2000 में प्रतिवादी के पक्ष में निर्णीत हुआ। इसके विरुद्ध सरकार की ओर से 16 महीने बाद अपर जिला जज के समक्ष अपील दाखिल की गई जो वर्ष 2003 में खारिज हो गई। तत्पश्चात नौ महीने की देरी से सिविल रिवीजन दाखिल किया गया, जोकि वर्ष 2015 में खारिज हुआ। इसके पश्चात फरवरी 2017 में सरकार ने 24,966.50 रुपये के भुगतान के वर्ष 2000 व 2003 के आदेशों के विरुद्ध द्वितीय अपील हाईकोर्ट में दाखिल की।

- कहा, जिम्मेदार अधिकारियों से वसूलें हर्जाने की रकम

हाईकोर्ट की टिप्पणी

"वर्तमान मामला एक विशिष्ट उदाहरण है, जिसमें 25 हजार रुपये से कम की एक छोटी धनराशि की डिक्री के विरुद्ध राज्य ने डिक्री की गई धनराशि से अधिक व्यय किया है और न्यायालय का बहुमूल्य समय भी खर्च कराया। भारत सरकार द्वारा तुच्छ व अल्प महत्व के मामलों में अपील न दाखिल करने का एक नीतिगत निर्णय लिया गया है लेकिन राज्य सरकार अब भी निष्क्रिय बनी हुई है। अब तक कोई ठोस एवं प्रभावी वाद–नीति बनाकर उसका अनुपालन भी नहीं किया जा रहा है। इस प्रकार के तुच्छ एवं निरर्थक वाद कोर्ट का समय जाया कर, न्याय के प्रवाह में बाधा उत्पन्न करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप वास्तविक एवं वाजिब वादकारियों को सुनवाई का अवसर नहीं मिल पाता।" इसके साथ कोर्ट ने हर्जाने की राशि सीआरपीएफ फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन को अदा करने के आदेश दिए हैं।

जनगणना के लिए मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण आज से

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने जनगणना-2027 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके तहत मंगलवार को राज्य स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम होगा। चरण में 27 जिलों के मास्टर ट्रेनरों को चार दिवसीय विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण लखनऊ स्थित राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में आयोजित होगा। चार दिनों में कुल 285 मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जाएगा। यही मास्टर ट्रेनर आगे चलकर अपने-अपने जिलों में अन्य कर्मचारियों को प्रशिक्षण देंगे। दूसरे चरण में बाकी जिलों के मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण 24 से 27 फरवरी के बीच कराया जाएगा। जिन 27 जिलों के मास्टर ट्रेनरों को पहले चरण में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, उनमें आगरा, अलीगढ़, अमरोहा, बागपत, गाजियाबाद, बलिया, बिजनौर, बुलंदशहर, चंदौली, देवरिया, गौतमबुद्धनगर, गाजीपुर, हापुड़, हाथरस, झांसी, ललितपुर, मथुरा, मऊ, मेरठ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, रामपुर, सहारनपुर, संभल, शामली, सोनभद्र और वाराणसी शामिल हैं।

भर्ती रैली में अग्निवीर बनने को दौड़े 933 अभ्यर्थी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : भर्ती कार्यालय लखनऊ की ओर से छावनी स्थित एएमसी स्टेडियम में सोमवार को औरैया और बाराबंकी के अभ्यर्थियों के बीच भर्ती रैली कराई गई। अग्निवीर बनने के लिए 933 अभ्यर्थियों ने दमखम दिखाया। अग्निवीर जनरल ड्यूटी श्रेणी के लिए 1273 अभ्यर्थियों को बुलावा पत्र भेजा गया था। इसमें औरैया जिले की सदर, बिधूना और अजीतमल तहसील और बाराबंकी जिले की फतेहपुर, रामनगर, नवाबगंज, सिरसाउली, गौसपुर, रामासनेहीघाट और हैदरगढ़ तहसील के 933 अभ्यर्थी शामिल हुए। इस दौरान लंबी कूद, दौड़ समेत अन्य परीक्षाएं दी। यह भर्ती रैली आर्मी रिक्रूटिंग ऑफिस लखनऊ के तहत औरैया, चित्रकूट, कन्नौज, बांदा, महोबा, हमीरपुर, बाराबंकी, गोंडा, कानपुर देहात, उन्नाव, कानपुर नगर, फतेहपुर और लखनऊ के अभ्यर्थियों के लिए कराई जा रही है। पूर्व में लगभग 13 हजार अभ्यर्थी शॉर्टलिस्ट किए गए थे।

वहीं 18 फरवरी को रिक्रूटिंग जोन उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड, रिक्रूटिंग ऑफिस (हेडक्वार्टर) लखनऊ के तहत सभी जिलों की अग्निवीर महिला मिलिट्री पुलिस भर्ती कराई जाएगी। इस रैली में शॉर्ट लिस्टेड एक हजार अभ्यर्थी दमखम दिखाएंगे। प्रक्रिया लखनऊ छावनी स्थित एएमसी सेंटर और एएमसी स्टेडियम में होगी।

रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग करने वाले सात गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: बालीवुड में दहशत फैलाने के इरादे से फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित बंगले पर की गई फायरिंग के मामले में एसटीएफ ने बड़ी सफलता प्राप्त की है। यूपी एसटीएफ ने मुंबई क्राइम ब्रांच और हरियाणा एसटीएफ को साथ लेकर मुख्य शूटर समेत गैंग के सात अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। सभी गिरफ्तार शूटर यूपी के आगरा, नोएडा और इटावा के रहने वाले हैं। एसटीएफ प्रवक्ता के मुताबिक, मुंबई क्राइम ब्रांच को सुराग लगा कि फायरिंग करने वाले शूटर शुभम लोनकर गैंग से जुड़े हैं। शुभम के तार लारेंस बिशनोई गैंग से भी जुड़े हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम लखनऊ आई और एसटीएफ से मदद मांगी। एसटीएफ ने हरियाणा के झज्जर में दबिश देकर आगरा के बाह थाना क्षेत्र के गांव बिजौली निवासी मुख्य शूटर दीपक, सनी, सोनू व रितिक (भाई), विष्णु कुशवाहा को गिरफ्तार कर लिया। दूसरी टीम ने गाजियाबाद के साहिबाबाद से जतिन भारद्वाज और विशाल को गिरफ्तार कर लिया।

एसटीएफ के मुताबिक, अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि विष्णु कुशवाहा के संबंध कुख्यात शुभम लोनकर गैंग के गोलू पंडित से हैं। सभी ने मुंबई में दहशत फैलाकर रंगदारी लेने के इरादे से रोहित शेट्टी के बंगले पर फायरिंग की थी।

उप मुख्यमंत्री ने सैकड़ों फरियादियों की सुनी समस्याएं

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भूमि कब्जे और उत्पीड़न के मामलों को गंभीरता से लेते हुए कठोर कार्रवाई पर जोर दिया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि कब्जे की शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न हो तथा आवश्यकतानुसार संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जांच की जाए। उप मुख्यमंत्री ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सैकड़ों लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित, प्रभावी एवं संतुष्टिपरक निस्तारण के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने फरियादियों को आश्वस्त किया कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा और कोई भी पीड़ित निराश नहीं लौटेगा।

ट्रेड डील किसानों के साथ धोखा : सुनील

लोकदल ने 17 किसान संगठनों के साथ प्रदेशभर में जताया विरोध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: लोकदल ने 17 किसान संगठनों के साथ अमेरिका के साथ की गई कृषि डील के विरोध में सोमवार को प्रदेश भर के जिला मुख्यालयों पर केंद्र सरकार को संबोधित ज्ञापन सौंपे। इस लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी चौधरी सुनील सिंह ने कहा कि भारत-अमेरिका कृषि डील कोई ट्रेड डील नहीं, बल्कि पेड डील है, जो देश के किसानों के साथ खुला धोखा है। इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सुनील सिंह ने कहा कि समझौता किसानों के हितों को दरकिनार कर देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने और भारत को आर्थिक रूप से गिरवी रखने की साजिश है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस किसान-विरोधी डील को तत्काल निरस्त नहीं किया गया तो आंदोलन की आग और अधिक भयावह रूप लेगी। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के अध्यक्ष वीएम सिंह तथा किसान नेता ऋषिपाल अम्बावता सहित 17 किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से कहा कि यह डील भारतीय कृषि व्यवस्था को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हवाले करने का प्रयास है।

जिलाधिकारी कार्यालय पर ज्ञापन सौंपने पहुंचे किसान संगठनों के सदस्य। अमृत विचार

केजीएमयू में मजार विवाद ने पकड़ा तूल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) परिसर में स्थित मजारों को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। ऑल इंडिया मोहम्मदी मिशन के महासचिव सैयद बाबर अशरफ के आरोपों के बाद केजीएमयू प्रशासन ने उन्हें कानूनी नोटिस भेजा है।

केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने आरोपों को साजिश करार देते हुए कहा कि मिशन की ओर से लिखे जा रहे पत्रों से समाज में भ्रम फैलाया जा रहा है। उनका कहना है कि मजारों से अतिक्रमण हटाने और नोटिस चस्पा करने का निर्णय किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि गठित कमेटी का सामूहिक फैसला है। उन्होंने आशंका जताई कि उनके खिलाफ नकारात्मक माहौल बनाकर व्यक्तिगत नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। इधर, ऑल इंडिया मोहम्मदी मिशन की ओर से विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। सैयद बाबर अशरफ के पुत्र सैयद बाबर इस्लाम ने चौक कोतवाली में तहरीर देकर कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद और प्रवक्ता डॉ. केके सिंह के खिलाफ मजार को नुकसान पहुंचाने के आरोप में मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

बैठक | प्राधिकरणों की समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने दिए निर्देश

लैंड बैंक मजबूत कर उद्योगों को दें रफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के मुख्य सचिव एसपी गोयल ने कहा कि प्रदेश में बढ़ते निवेश रुझान को देखते हुए भूमि अधिग्रहण, विकास और आवंटन की प्रक्रिया समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित की जाए। औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क, बिजली, जलापूर्ति और लॉजिस्टिक्स जैसी आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए।

मुख्य सचिव सोमवार को विभिन्न औद्योगिक विकास प्राधिकरणों और आवास विकास परिषद द्वारा अर्जित, विकसित एवं आवंटित भूमि की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उन्होंने औद्योगिक निवेश को गति देने और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को सशक्त बनाने के लिए लैंड बैंक को सुदृढ़ एवं विस्तारित करने पर जोर दिया। मुख्य सचिव ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में 78 हजार एकड़ भूमि आवंटन का लक्ष्य निर्धारित है। साथ ही अगले वित्तीय वर्ष की आवश्यकताओं का आकलन कर विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करने को कहा गया। बैठक में प्राधिकरणों के अधिकारियों को भूमि आवंटन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तकनीक आधारित और निवेशक अनुकूल बनाने के निर्देश दिए गए।

औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते मुख्य सचिव एसपी गोयल। अमृत विचार

मुफ्त बिजली योजना से पांच लाख किसान अब भी बाहर

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार की निजी नलकूप कनेक्शन धारकों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने की योजना अब तक पूरी तरह से लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाई है। लगभग दो साल से चल रही इस योजना से प्रदेश के पांच लाख किसान अभी भी वंचित हैं।

जानकारी के अनुसार, योजना शुरू होने से पहले पूरे प्रदेश में निजी नलकूप कनेक्शनधारकों की संख्या 15.64 लाख थी। वहीं, इस मुफ्त बिजली योजना में अब तक केवल 10.58 लाख किसान ही पंजीकृत हैं और योजना का लाभ उठा रहे हैं। इससे साफ है कि करीब 5.10 लाख किसान अब भी इस योजना से बाहर हैं। योजना के तहत, एक अप्रैल 2023 से निजी नलकूप (कृषि) उपभोक्ताओं को 140 यूनिट प्रति किलोवॉट प्रतिमाह निशुल्क बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। योजना का लाभ पाने के लिए आवश्यक शर्तों में 31 मार्च 23 तक के बिजली बिलों का पूर्ण भुगतान और मीटर की स्थापना शामिल थी। 31 जनवरी-26 तक के आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में निजी नलकूपों की कुल संख्या 15.64 लाख है, लेकिन केवल 10.58 लाख किसान ही पंजीकृत होकर मुफ्त बिजली का लाभ ले पा रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, योजना के प्रचार-प्रसार व पंजीकरण प्रक्रिया को और प्रभावी बनाकर योजना से वंचित किसानों तक लाभ पहुंचाया जा सकता है।

सुलतानपुर में पत्नी को थप्पड़ मारने पर गुस्साये प्रेमी ने रेत दिया गला

पुलिस ने पत्नी को हिरासत में लिया, मुख्य आरोपी की तलाश में पुलिस दे रही दबिश

लंभुआ, सुलतानपुर

अमृत विचार: महाशिवरात्रि के अवसर पर लगा मेला एक परिवार के लिए खौफनाक घटना में बदल गया। मामूली विवाद में पत्नी को थप्पड़ मारने की घटना ने खूनी साजिश का रूप ले लिया और प्रेमी ने पति की गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने मृतक की पत्नी को हिरासत में ले लिया है, जबकि मुख्य आरोपी प्रेमी फरार है।

लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के मदनपुर पनियार (सरैया) गांव निवासी अमित सिंह ने 13 वर्ष पूर्व शिल्पी से प्रेम विवाह किया था। दंपति के तीन बच्चे शिवा (12), महक (9) और यश (9) हैं। अमित मुंबई में ट्रक चालक था और करीब छह माह पहले उसकी दोस्ती सुलतानपुर के कामतागंज निवासी दीपक सिंह से हुई थी, जो वहीं ट्रक चलाता था। इसी दौरान दीपक का अमित के घर आना-जाना शुरू हुआ और शिल्पी से उसकी नजदीकियां बढ़ गईं। दोनों के बीच संबंधों की जानकारी होने पर पति-पत्नी में विवाद हुआ, जिसे परिजनों ने शांत करा दिया था। बताया जाता है कि नवंबर 2025 में अमित ने पत्नी और बच्चों को सुलतानपुर भेज दिया था। इसी बीच दीपक भी नौकरी छोड़कर सुलतानपुर आ गया और शिल्पी से संपर्क में रहा। महाशिवरात्रि पर 13 फरवरी को अमित घर आया था। रविवार को पूरा परिवार जनवारी नाथ धाम में दर्शन और मेला घूमने गया। इसी दौरान किसी बात को लेकर पति-पत्नी में कहासुनी हो गई और अमित ने शिल्पी को थप्पड़ मार दिया। यह दृश्य कथित प्रेमी दीपक ने देख लिया। रात में परिवार घर लौट आया। लेकिन सोमवार तड़के करीब पांच बजे दीपक घर में घुस गया और अलग कमरे में सो रहे अमित का चाकू से गला रेत दिया। घटना के बाद वह फरार हो गया। शिल्पी बच्चों को लेकर मायके चली गई और बहन को घटना की जानकारी दी। बाद में उसने मुंबई में रह रहे देवर को फोन कर सूचना दी। देवर की सूचना पर पुलिस गांव पहुंची और खून से लथपथ शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले में पत्नी शिल्पी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं मुख्य आरोपी दीपक की तलाश में दबिश दी जा रही है।

> प्रथम दृष्टया दीपक द्वारा हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। मामले में पत्नी की भूमिका की भी जांच की जा रही है और जल्द ही फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। प्राथमिक जांच में दीपक से मृतक के पत्नी के प्रेम संबंध भी सामने आया है।
>
> – चारू निगम, एसपी

होटल के पास मिला युवक का शव

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : दरियाबाद कस्बा के एक मोहल्ला स्थित होटल के पास अज्ञात युवक का शव पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कोशिश की पर मृतक की पहचान नहीं की जा सकी। जिस पर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक पेशे से श्रमिक बताया जा रहा।

जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहल्ला जेठौती राजपूतान चौराहा पर स्थित होटल से होकर सोमवार की सुबह ग्रामीण गुजरे तो युवक का शव पड़ा देख कर हैरान रह गए। खबर फैलते ही कुछ देर में वहां पर भीड़ जुट गई। लोगों ने शव मिलने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक युवक की आयु करीब 35 वर्ष बताई जा रही लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस शव की शिनाख्त की कोशिश में जुटी है।

हत्या के तीन दोषियों को उम्रकैद

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : 19 साल पहले गोली मारकर हत्या के प्रकरण में न्यायालय ने तीन अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही 25-25 हजार रुपये अर्थदण्ड अदा करने का आदेश दिया है।

थाना देवा पर हत्या की घटना के सम्बन्ध में पंजीकृत मुकदमे के अभियुक्त यदुनन्दन उर्फ जग्गू पुत्र शंकर निवासी नई बस्ती मजरे सालेहनगर, संतोष सिंह पुत्र रामायण सिंह निवासी विनोवा मजरे मलूकपुर थाना देवा व रमेश पाल पुत्र संतराम निवासी कंचनपुर मटियारी चौराहा थाना चिनहट लखनऊ को हत्या आदि धाराओं में न्यायालय अपर जिला सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या- 8 ने दोषसिद्ध करार दिया और तीनों को आजीवन कारावास की सजा व अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

इन सभी को गैंगस्टर एक्ट से दोषमुक्त किया गया। 9 मई 2007 को थाना क्षेत्रान्तर्गत वादी छोटेलाल सिंह निवासी जगदीशपुर थाना देवा द्वारा संगठित गिरोह बनाकर अवैध असलहे से उसके भाई की हत्या कर देने के सम्बन्ध में तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर थाना देवा पर हत्या व गैंगस्टर एक्ट पंजीकृत किया गया। तत्कालीन विवेचक निरीक्षक आशुतोष शर्मा द्वारा साक्ष्य संकलन कर विवेचना पूर्ण कर अभियुक्तों के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया गया।

एलआईसी शाखा डकैती कांड में 8 दोषियों को सजा

सुलतानपुर, अमृत विचार : कादीपुर स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) शाखा में 17 वर्ष पूर्व हुई 13 .15 लाख रुपये की सनसनीखेज डकैती कांड मे एडीजे प्रथम संध्या चौधरी की अदालत ने सोमवार को फैसला सुनाते हुए आठ दोषियों को एक वर्ष की सजा तथा प्रत्येक पर 5 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया। एडीजीसी पवन कुमार दूबे ने बताया कि कोर्ट ने आरोपियों को डकैती का रुपया बरामद होने तथा घटना की साजिश का दोषी पाया। एलआईसी शाखा के तत्कालीन प्रबंधक ईश्वरदेव सिंह की तहरीर पर एक सितंबर 2008 को मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7 लाख 2 हजार 120 रुपये की बरामदगी दिखाई और कुल 10 आरोपियों के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल की। मुकदमे की लंबी सुनवाई के दौरान आरोपित अजीत यादव (धौरहरा) और दुर्गेश सिंह (कुदारन गलिबहा) की मृत्यु हो गई। गुरुवार को अदालत ने कूरेभार थानाक्षेत्र के सेउर चमुरखा निवासी वीरेंद्र कुमार, परसपुर हैदरगंज (अयोध्या) निवासी शैलेंद्र तिवारी, सत्य प्रकाश, कौड़ियांवा कूरेभार निवासी बृजेश यादव, सेउर चमुरखा निवासी राजेश पाल व मनोज सिंह, चंदीपुर कूरेभार निवासी ऋषिदेव दूबे तथा हरखीपुर पदुमरा निवासी सोनू सिंह को दोषी ठहराया था।

बदमाशों ने की गृहस्वामी की हत्या

जमुनहा/मल्हीपुर, श्रावस्ती

वारदात

- श्रावस्ती में लूट के दौरान वारदात को दिया अंजाम
- धारदार हथियार से हमला कर पुत्र को भी किया घायल

अमृत विचार: हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र में रविवार रात घर में घुसे हथियारबंद बदमाशों ने गृह स्वामी की हत्या कर दी। वहीं गृह स्वामी के बेटे को जख्मी कर बंधक बना लिया। साथ ही नकदी व जेवर समेट कर मौके से फरार हो गए।

हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत उल्लहवा के मजरा भजोरेपुरवा में रविवार रात बदमाशों ने हत्या व लूट की वारदात को अंजाम दिया। भजोरेपुरवा निवासी नेमराज पाठक (52) पुत्र अयोध्या प्रसाद घर के बरामदे में सो रहे थे। जबकि उनका पुत्र सुनील पाठक (25) व बहू लक्ष्मी पाठक (23) अपने कमरे में सोए हुए थे। रात करीब डेढ़ बजे चार बदमाश घर के परिसर में दाखिल हुए और बरामदे में पहुंचे।

इस दौरान अचानक नेमराज की आंख खुल गई। इस पर बदमाशों ने उनका मुंह और गला दबा लिया। काबू में न आता देख बदमाशों ने चाकू वार कर हत्या कर दी। पिता दबी आवाज की आहट पाकर बेटा सुनील व बहू लक्ष्मी भी जग गए।

जैसे ही सुनील ने दरवाजा खोला तो बाहर खड़े बदमाशों ने उसके सिर पर कपड़ा फेंका और उसे अपने कब्जे में ले लिया। जिसे देख इसके बाद किसी हथियार से उसके सिर व हाथ पर वार कर दिया। जिससे उसका हाथ टूट गया और सिर में चोट आई। बदमशों ने रस्सी से सुनील को बंधक बना लिया और घर में रखे दो हजार रुपये नकदी, सोने के जेवर व अन्य सामान समेट लिया।

बाराबंकी में वकीलों ने घेरा एसपी कार्यालय

शुएब हत्याकांड

बाराबंकी, अमृत विचार : शुएब हत्याकांड को लेकर सोमवार को वकीलों का 48 घंटे का अल्टीमेटम पूरा हो गया। सुबह से ही छावनी बनी कचहरी से वकील कामकाज ठप कर निकले लेकिन भारी संख्या में पुलिस पीएसी के आगे उनका प्रदर्शन उग्र नहीं हो सका। एसपी कार्यालय का घेराव व नारेबाजी के बाद वकीलों के प्रतिनिधिमंडल की भेंट एसपी से हुई, जहां शीघ्र खुलासे के आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त हो गया। मुख्तार अंसारी गैंग के सदस्य रहे शुएब किदवई उर्फ बॉबी हत्याकांड को लेकर अधिवक्ता संघ ने घटना के दिन एसपी से मिलकर 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था जिसकी मियाद सोमवार को पूरी हो गई। करीब एक बजे वकील प्रदर्शन व नारेबाजी करते हुए एसपी कार्यालय पहुंच गए, यहां पर घेराव के बाद अधिवक्ताओं के प्रतिनिधमंडल ने एसपी से मुलाकात की। इस मुलाकात के बारे में अध्यक्ष नरेन्द्र वर्मा ने बताया कि पुलिस को खुलासे के लिए दो दिन का और समय दिया गया है।

लंबित फाइलों का जल्द करें निस्तारण

बाराबंकी, अमृत विचार : जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने सोमवार को तहसील नवाबगंज के विभिन्न अभिलेखागारों और कार्यालयों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने लंबित फाइलों के जल्द निस्तारण के निर्देश दिये। इस दौरान एडीएम निरंकार सिंह, एसडीएम नवाबगंज आनंद तिवारी और तहसीलदार भूपेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। डीएम ने लगभग एक घंटे से अधिक समय तक रिकॉर्ड की स्थिति, पत्रावलियों के रखरखाव और लंबित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने सेवा पुस्तिका, आवास आवंटन, सहित अन्य अभिलेखों की जांच की।

लव जिहाद मामले में प्रबंधक समेत 4 गिरफ्तार

कटरा बाजार, गोंडा, अमृत विचार : कौड़िया थाना क्षेत्र के सहरिया चौराहे पर संचालित केजीएन पब्लिक स्कूल में मतांतरण और लव जिहाद के आरोपों के बीच बड़ा खुलासा हुआ है।

सोमवार को शिक्षा विभाग और पुलिस की संयुक्त जांच में सामने आया कि विद्यालय की मान्यता केवल जूनियर स्तर (कक्षा आठ तक) की है, जबकि यहां अवैध रूप से इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई कराई जा रही थी। लव जिहाद और मतांतरण मामले में पुलिस ने स्कूल प्रबंधक समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। लव जिहाद और मतांतरण मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद दुबहा बाजार चौकी प्रभारी गोलू तिवारी सोमवार को पुलिस टीम के साथ पीड़ित छात्रा के घर पहुंचे और परिजनों के बयान दर्ज किए। विद्यालय पर आरोप है कि प्रबंधतंत्र और स्टाफ द्वारा छात्रों का ब्रेनवॉश कर मतांतरण के लिए प्रेरित किया जा रहा था। रविवार को स्कूल प्रबंधक वारिस खान समेत परवेज खान, सलाहुद्दीन हाफिज और इस्राइल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। सोमवार को सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

राम मंदिर हस्तांतरित करने पहुंचे अध्यक्ष

अयोध्या कार्यालय।

- आज से होगी मंदिर निर्माण समिति की बैठक

अमृत विचार: राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा में आधुनिक सुरक्षायुक्त बाउंड्री वॉल के निर्माण कार्य चल रहा है। वहीं परिसर में संपूर्ण निर्माण का कार्य पूर्ण होने के बाद उसे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को हस्तांतरित करने के लिए मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र सोमवार को अयोध्या पहुंचे। बताया जा रहा हैं कि जल्द ही हस्तांतरित करने की प्रक्रिया को पूर्ण कर लिया जाएगा।

मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय मंगलवार से शुरू हो रही है। इसके पूर्व सोमवार समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने निर्माणाधीन बाउंड्री वॉल, ट्रस्ट भवन और ऑडिटोरियम का निरीक्षण किया। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि बैठक के पहले दिन अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र अपने निर्माण संस्था एलएंडटी व टाटा कंपनी के साथ परिसर के विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया गया हैं। जो भी निर्माण का कार्य है उनकी गुणवत्ता और मानक की जानकारी ली है। निश्चित रूप से भव्य और सुंदर मंदिर के साथ पूरे परिसर की सुंदरता और सुरक्षा का भी ख्याल रखते हुए सभी कार्य पूर्ण हो रहे है। अधिकतर कार्य पूरे भी चुके हैं।

राम जन्मभूमि परिसर में विभिन्न मंदिरों में दर्शन और श्रद्धालुओं की सुविधा के कार्यों के पूरा होने पर उन्हें श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को आधिकारिक तौर पर हस्तांतरित करने के लिए पत्रावली को तैयार कर लिया गया है। जिसमें राम मंदिर और आठ एकड़ के 800 की परिधि में कॉरिडोर का निर्माण किया गया है। जिसमे छह पंचायतन मंदिर भगवान गणेश, हनुमान जी, भगवान सूर्य, मां भगवती, माता अन्नपूर्णा देवी और भगवान शंकर का हैं। इसके अलावा शेषावतार मंदिर, सप्त ऋषियों में महर्षि बाल्मीकि, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वशिष्ठ, अहिल्या देवी, शबरी और निषादराज का मंदिर बना हुआ है। कहा कि 19 मार्च को भव्य आयोजन के साथ राम मंदिर में श्री राम महायंत्र स्थापित होगा।

युवक व रिश्तेदार पर तमंचे की बट से हमला

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : मेला घूमने आए युवक और उसके रिश्तेदार पर दबंगों ने तमंचे की बट व ईंटों से हमला कर दिया। जिससे दोनों घायल हो गए। पीड़ित की तहरीर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। लखनऊ के थाना बीकेटी क्षेत्र के ग्राम सैरपुर निवासी अमित कुमार के अनुसार वह 10 फरवरी को अपने मामा के लड़के बबलू के साथ सायपुर में लगे मेले में गया था। आरोप है कि दोपहर करीब एक बजे देसी गनौरा थाना जहांगीराबाद निवासी जीतू यादव अपने 10–11 साथियों के साथ वहां मौजूद था। बताया गया कि बातचीत के दौरान दबंगई दिखाते हुए विपक्षी गाली–गलौज करने लगे। विरोध पर आरोपितों ने अमित और बबलू को अद्धा गुम्मा व तमंचे की बट से टना शुरू कर दिया। हमले में दोनों को सिर और शरीर में गंभीर चोटें आईं। शोर–शराबा सुनकर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई, जिन्होंने बीच–बचाव कर किसी तरह दोनों की जान बचाई।

टूलकिट एवं प्रमाण पत्र के साथ सफल अभ्यर्थी। ● अमृत विचार

युवाओं को दिया गया असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन का प्रशिक्षण

लखनऊ, अमृत विचार : आदिज्योति सेवा समिति एवं सत साईं विकास सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में पॉलीकैब कंपनी के सहयोग से दो दिवसीय रिकग्निशन आफ प्रॉयर लर्निंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत सफल अभ्यर्थियों को टूल किट एवं प्रमाण पत्र दिये गये। कार्यक्रम में आदिज्योति सेवा समिति के सचिव सैयद ज़ीशान हुसैन, यूनिटी आईटीआई कॉलेज से शिक्षक बशर खान एवं सत साईं विकास सेवा संस्थान से प्रदीप कुमार सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

किशोरी के साथ छेड़छाड़

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार : कस्बे के एक मोहल्ला निवासी महिला ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उसकी 15 वर्षीय नाबालिग पुत्री के साथ घर के पास स्थित एक बगीचे में पडोस के ही एक युवक ने छेड़छाड़ की। तहरीर मिलने पर पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सूचना

सर्वसाधारण सूचित करता हूं कि मैं साबिया बानो पत्नी श्री मो. मतीन मेरे पासपोर्ट संख्या AA793403 में मेरे पूरे पते में HARCHANDPUR की सही स्पेलिंग की जगह HARCHDNPUR गलत स्पेलिंग प्रिन्ट हो कर लिखा है जो कि गलत है जबकि मेरे आधार संख्या 797148398125 मे सही पता **283/411 HARCHANDPUR GARHI KANAURA MANAK NAGAR LUCKNOW** है और इसे ही सही माना जाए एवं पढ़ा जाए।

कुर्की नोटिस सूचना

मु0अ0सं0 299/2024 धारा 406/419/420/467/468/471/504/506 भादवि थाना लालगंज जनपद रायबरेली से सम्बन्धित फरार व वांछित अभियुक्त 1. हिमाशु पुत्र श्री कृष्ण निवासी राणा बेनी माधव मार्ग, निकट रेलवे स्टेशन, थाना लालगंज, जनपद रायबरेली के विरुद्ध मान0 न्यायालय से दिनांक 29.07.2025 को मान0 न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने के लिए धारा 82 दं0प्र0सं0 की आदेशिका जारी की गयी है जिसके सम्बन्ध में पूर्व में भी नोटिस चस्पा कर मुनादी कराई गयी है। किन्तु अभियुक्त हिमांशु चौधरी उपरोक्त अभी तक न तो गिरफ्तार हो सका है और न ही न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर आत्म समर्पण किया है इस प्रकार अभियुक्त हिमांशु चौधरी उपरोक्त के द्वारा मान0 न्यायालय के आदेश की अवहेलना की जा रही है यदि अभियुक्त उपस्थित नही होता है अथवा मान0 न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण नही करता है तो शीघ्र ही मान0 न्यायालय के आदेश से अभियुक्त की चल अचल सम्पत्ति की कुर्की की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। द्वारा सूचना कर्ता उप निरीक्षक/विवेचक नितिन मलिक, थाना कोतवाली लालगंज रायबरेली।

सूचना

मैं कामिनी सिंह पत्नी बी.पी. सिंह, निवासी –94, वैशाली इन्क्लेव, सेक्टर–9, इन्दिरा नगर, लखनऊ की निवासी हूँ। हमारे घर के पेपर एडवोकेट मनोज कुमार ने आवश्यक कार्य हेतु मुझसे लिये थे। जो की मेरे वापस मांगने पर वापस करने से मना कर रहे है। अगर मेरे घर के पेपर का कोई दुरूपयोग करता है तो वह अवैध माना जायेगा।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–लखनऊ

पता :–ए ब्लाक सर्वोदयनगर, इन्दिरानगर लखनऊ।

मैन्यूवल निविदा की प्रेस सूचना

पत्रांक–2482/ग्रा0अ0वि0/निविदा पत्राली/पत्रावलीसं0–1/अनु0सहायक/2025–26/दिनांक 13.02.2026

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड लखनऊ के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए,बी,सी,डी एवं ई श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से *मैन्यूवल विधि* के माध्यम से प्रतिशतदर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जातीहै। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

1. कार्य से सम्बंधित विवरण निम्नवत् हैः–
2.

क्र0सं0	जनपद का नाम	योजना का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	बिडसिकुरिटि (इ0एम0डी0) (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य स्टेशनरी एवंजी0एस0टी0 सहित (रू0में)	कार्यपूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित	कार्यदायी अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	जिलाधिकारी का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	लखनऊ	विधायक निधि	हनुमंत नगर फेज–1 में डा0 चन्द्रशेखर के मकान से दिलीप वर्मा के मकान तक सड़क व नाली निर्माण कार्य।	2.54	0.13	770	03 माह	कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रा0अ0वि0 प्रखण्ड लखनऊ	कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रा0अ0वि0 परिमण्डल लखनऊ	कलेक्ट्रेट, लखनऊ
2.	लखनऊ	विधायक निधि	हनुमन्त नगर फेज–1 में मकान नं0 633/12 से दलवीर सिंह के मकान से मकान नं0 98 तक सड़क व नाली निर्माण कार्य।	3.20	0.16	770	03 माह			
3.	लखनऊ	विधायक निधि	फैजुल्लागंज चतुर्थ वार्ड रायपुर में गिरीश गुप्ता के मकान से राम कुमार के मकान तक सड़क का निर्माण कार्य।	4.88	0.25	770	03 माह			
4.	लखनऊ	विधायक निधि	संतपुरम में नवीन सिंह के घर से मुख्य मार्ग तक सड़क व नाली निर्माण कार्य।	5.65	0.29	860	03 माह			
5.	लखनऊ	विधायक निधि	ग्राम हरदा में बब्लू मास्टर के घर से मोल्हे के घर तक श्री प्रकाश द्विवेदी के मकान तक सड़क व नाली निर्माण कार्य।	7.70	0.39	860	03 माह			
6.	लखनऊ	विधायक निधि	हनुमंत नगर फेज–1 में प्रवीन मदेद्धशिया के घर से सदानन्द राय के घर तक सड़क व नाली निर्माण कार्य।	7.85	0.40	860	03 माह			
7.	लखनऊ	विधायक निधि	खरगापुर अवधपुरी में अमित टण्डन के घर से नीरज महतो के घर तक सड़क व नाली का निर्माण कार्य।	8.00	0.40	860	03 माह			

3. निविदा सूचना में अंकित कार्यालयों में बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथिः–20.02.2026
4. निविदा प्राप्ति के लिए अंतिम तिथि, समय व स्थानः–12.03.2026 प्रखण्ड लखनऊ को दोपहर 4.00 बजे तक कार्यालय अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड लखनऊ, अधीक्षण अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग परिमण्डल.लखनऊ, एवं जिलाधिकारी जनपद.लखनऊ।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समयः–13.03.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे।

अधिक जानकारी के लिए कृपया नियोक्ता कार्यालय अर्थात अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड–लखनऊ में सम्पर्क करें।

UP-246322 दिनांक 16.02.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड लखनऊ। मो0 9455771557

सम्मन तनकीह

न्यायालय श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक सदर महोदय रायबरेली

ता0पेशी–25.02.2026

महेश कुमार ..वादी

बनाम

सुरेन्द्र नाथ आदि

1. सुरेन्द्र नाथ,2. दिनेश कुमार पुत्रगण सदाशिव, 3– कमलेश कुमार 4–अरविन्द कुमार 5– अखिलेश कुमार पुत्रगण जर्नादन प्रसाद समस्त निवासीगण ग्राम खागीपुर सड़वा परगना व तहसील सदर जिला रायबरेली

– प्रतिवादी

हरगाह वादी/ महेश कुमार धारा 116 उ0प्र0रा0 2006 ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 25.02.2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालत या मार्फत वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकिफ दिय गया और कुल उमूरात अहम मुकदमा मुतालिया का जवाब दे सके। हाजिर हो और जवाबदेही दावा की करे और आपको लाजिम है कि उसकी रोज जुमला दस्तावेज पेश करे जिस पर आप ताईव अपनी जवाबदेही के हस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होगें तो मुकदमा और हाजिरी आपके मजहुम और फैसला होगा। पेशी बयान तहसीले

आज्ञा से
उपजिलाधिकारी

कार्यालय सेनानायक द्वितीय वाहिनी पीएसी सीतापुर

पत्र संख्याः क्यूएम–20/2026 निविदा सूचना दिनांकः 13/02/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि द्वितीय वाहिनी पीएसी, सीतापुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मानक मद–29 अनुरक्षण (वार्षिक मरम्मत) के अन्तर्गत वाहिनी के आवासीय /अनावासीय परिसरों में निम्नलिखित रंगाई–पुताई एवं मरम्मत (मय खिडकी, दरवाजे) आदि के कार्य आगणन के अनुसार कराया जाना है।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	कराये जाने वाले कार्य की धनराशि (आगणन के अनुसार)
1	जिम के अन्दर–बाहर रंगाई–पुताई का कार्य।	48691.33
2	बैटमिंटन हाल के टीन शेड की मरम्मत कार्य।	105183.48
3	बैटमिंटन हाल के अन्दर–बाहर की रंगाई–पुताई व मरम्मत कार्य।	199683.85
4	वाहिनी परिसर स्थित हौज के ऊपर टीन सेट डालने का कार्य।	148984.26
5	भोजनायल के डायनिंग टेबल के ऊपर टीन सेट डालने का कार्य।	148984.26
6	नेहरू कालोनी स्थित ब्लाक संख्या 11 के दक्षिण की तरफ 25.70 मी0 तार का कार्य।	44827.80
7	मंदिर कालोनी में रोड से ब्लाक संख्या 18 तक 55.5 मी0 तार लगाने जाने का कार्य।	84308.73
8	वाहिनी परिसर स्थित पुराना प्रशासनिक भवन की छत मरम्मत का कार्य।	182197.67
9	वाहिनी परिसर स्थित पुराना प्रशासनिक भवन की अंन्दर वाहर की रंगाई–पुताई क्षुंद्र मरम्मत का कार्य।	137036.47
10	वाहिनी परिसर स्थित पुराने प्रशासनिक भवन के प्रधान लिपिक कार्यालय की छत मरम्मत का कार्य।	135379.98
	कुल योग	12,35,277.83 (बारह लाख पैंतीस हजार दो सौ सतहत्तर रूपये तिरासी पैसे मात्र)

अतः उपरोक्त कार्यो को कराये जाने हेतु निविदा दिनांकः 20/02/2026 को समय 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो तद्‌दिनांक को ही अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्राधिकृत किये गये राजपत्रित अधिकारी द्वारा समय 1300 बजे खोली जाएगी, इच्छुक ठेकेदार नियत तिथि के पूर्व किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर टेण्डर फार्म प्राप्त कर सकते है।

सेनानायक
द्वितीय वाहिनी पीएसी सीतापुर

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

पहले मेरा नाम ZABIYA KHATOON था अब मैने बदलकर अपना नाम JABIYA KHATOON रख लिया है भविष्य में मुझे JABIYA KHATOON के नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O- ABDUL AZIZ R/O- 119/VILL AND POST KAHLA MALIHABAD RAHIMABAD, LUCKNOW

सूचना

मेरा पुत्र वरूण कुमार पाण्डेय एवं वरुण पाण्डेय (पुत्र स्व अरुण कुमार पाण्डेय),दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है। **श्रीमती बीना पाण्डेय पत्नी स्व अरुण कुमार पाण्डेय पता 323, आदर्श नगर जे0 के0 कालोनी कालोनी कानपुर नगर**

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम AMIT JAISWAL था से बदलकर AMIT KUMAR JAISWAL रख लिया है। अब मुझे AMIT KUMAR JAISWAL के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-AMAR KUMAR JAISWAL ADD-954/397E-13, MEERAPUR VTC ALLAHABAD DIST-PRAYAGRAJ-211003

सूचना

मेरी पुत्री विधी मिश्रा के पासपोर्ट सं0–V0254030 में त्रुटिवश मेरा नाम PREET MISHRA अंकित हो गया है। इसे संशोधित कर मेरा सही नाम PREETI MISHRA लिखा व पढ़ा जाये। **प्रीति मिश्रा पत्नी राजेश कुमार मिश्र, नि0–54, मानस विहार कालोनी, सर्वोदय नगर, इंदिरा नगर, लखनऊ। पिन कोड–226016**

सूचना

मैं **क़ाज़ी मसीउद्दीन पुत्र मोहम्मद युनुस निवासी–ग्राम भगवाभीट थाना पूराकलन्दर तहसील सदर जिला अयोध्या,** मेरा पूर्व में नाम क़ाज़ी मसीउद्दीन सिद्दीकी था। जबकि मेरा नाम आधार कार्ड में क़ाज़ी मसीउद्दीन है, जो सही है। अतः मुझे मेरे संशोधित नाम क़ाज़ी मसीउद्दीन के नाम से जाना, पहचाना व पढ़ा जाय।

सूचना

मैं **ज्वाला सिंह पुत्र स्व0 अमर नाथ सिंह, ग्राम व पोस्ट–हल्दी, तहसील व जिला–बलिया, उ0प्र0–277001**,मेरी पत्नी रेखा सिंह का स्वर्गवास दिनांक 15/03/2024 को, निवास स्थान – महाराव भीमसिंह चिकित्सालय, जिला–कोटा, राजस्थान में हो गया था। मै ज्वाला सिंह पुत्र स्व0 अमर नाथ सिंह, धर्मेश कुमार सिंह एवं दुर्गेश कुमार सिंह पुत्रगण ज्वाला सिंह उत्तराधिकारी हैं, इसके अलावा कोई अन्य सदस्य उत्तराधिकारी नहीं है।

सूचना

मैं अपनी विवाहित पुत्रियों क्रमशः सरिता देवी, रेनू, प्रियंका व प्रिया जिनका चाल चलन आचरण ठीक नहीं है, उनसे अपना समस्त रिश्ता व आवागमन बंद करने के साथ ही चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। उनके द्वारा किये गए कार्यो की वह स्वयं जिम्मेदार होंगी। मेरा व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों का उनके कृत्यों से कोई सरोकार नहीं रहेगा। **प्रार्थी सतगुरुसरन पुत्र फली निवासी ग्राम पूरेचुरई मजरे कोटवासड़क थाना व तहसील रामसनेहीघाट जिला बाराबंकी। मो0न0 8953362029**

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरे पुत्र MOHAMMAD FAHEEM के पासपोर्ट संख्या– पी 8619200 में त्रुटि वश मेरा नाम HAFIZ MOHAMMAD KALEEM अंकित हो गया है। इसे संशोधित कर मेरा सही नाम MOHAMMAD KALEEM लिखा व पढ़ा जाए। MOHAMMAD KALEEM पुत्र ABDUL KALEEM निवासी– 401/80, अब्दुल अजीज रोड, लखनऊ।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम आधार कार्ड में विवाह के पहले मोनी रस्तोगी पुत्री फूलचन्द्र रस्तोगी अंकित है, परन्तु अब विवाहोपरान्त मैने अपना नाम मीना कुमारी पत्नी दीपेश कुमार सोनी कर लिया है। **मोनी रस्तोगी पत्नी दीपेश कुमार सोनी निवासी-टेढ़ी बाजार, पर0 तह0 व जिला गोण्डा**

सूचना

अब्दुल रईस पुत्र अब्दुल सकूर तथा मो0 रहीस पुत्र मो0 सकूर, निवासी 86 चौराहा पूर्वी नई कालोनी, कछौना हरदोई दोनों नाम मेरे है दोनों नाम से मुझे जाना एवं पहचाना जाता है मेरी पत्नी रहीसा का बीमा पालसी संख्या 223327529 है।

सूचना

मैं **धोबी रेनूबेन धर्मपाल पत्नी धर्मपाल मूल निवासी ग्राम बदैयनखेड़ा पोस्ट पहुँतेरा तहसील बिलग्राम व जिला हरदोई अस्थाई निवासी जमुनादास नौ चाली नियर शुभलक्ष्मी फ्लैट, बापूनगर अहमदाबाद गुजरात।** मेरे पति की पालिसी जिसका नम्बर 223664109 है में मेरा नाम जनता देवी अंकित है जबकि मेरे आधार कार्ड पर मेरा वास्तविक नाम धोबी रेनूबेन धर्मपाल अंकित है। यहकि जनता देवी व धोबी रेनूबेन धर्मपाल दोनों मेरे ही नाम है। मुझे इन दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है। इस नाम व बलदियत की कोई भी महिला मेरे पड़ोस में निवास नहीं करती है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम आदिल खान पुत्र मो0 एजाज खान निवासी– म0न0– डीपी/0346, देवा रोड, अस्करी नगर, दुर्गापुरी, नवाबगंज, बाराबंकी, जो मेरे शैक्षणिक अभिलेखों में अंकित है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड सं0–9169 8732 9673 में मेरा नाम ख्वाजा अल्तमश एजाज खान हो गया है। जो कि गलत है। **भविष्य में मेरा सही नाम आदिल खान पुत्र मो0 एजाज खान के नाम से जाना व पहचाना जाये।**

Public Notice

I, Syed Mumtaz Alam, S/o Late Shahzade Ishrat,Resident of 358/33, Biharipur, Raja Ji Puram, Lucknow – 226017,hereby declare that the name of my minor son has been wrongly recorded as “Mohd Ali” in his Birth Certificate and Aadhaar Card.However, his correct and full name is “Mohd Ali Alam”.Henceforth, he shall be known and called by the name Mohd Ali Alam s/o Syed Mumtaz Alam for all purposes including official records, educational records and other documents.

सेवानिवृत्ति राशि से प्रोत्साहन व त्योहार अग्रिम की कटौती अवैध : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी कल्याण निगम के कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति देय राशि से "प्रोत्साहन अग्रिम", "त्यौहार अग्रिम" और जीएसटी की कटौती पर कड़ी आपत्ति जताते हुए स्पष्ट किया कि ऐसी कटौती का कोई वैधानिक प्रावधान नहीं है। निगम के कर्मचारी की सेवानिवृत्ति राशि से इस प्रकार की कटौती करना नियमविरुद्ध है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकलपीठ ने सतीश कुमार वर्मा सहित अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया।

सेवानिवृत्ति बकाया से इन मदों में कटौती किए जाने की बात पर न्यायालय आश्चर्यचकित है। बता दें कि वर्तमान याचिका न्यायालय के उस आदेश के अनुपालन न होने पर अवमानना याचिका दाखिल की थी, जिसमें सेवानिवृत्ति देय राशि और वेतन बकाया के भुगतान का निर्देश दिया गया था। निगम की ओर से तर्क दिया गया कि सेवानिवृत्ति देय राशि का भुगतान कर दिया गया है, लेकिन वित्तीय संकट के कारण वेतन बकाया नहीं दिया जा सका। हालांकि कोर्ट ने निगम द्वारा दाखिल हलफनामों का अवलोकन करते हुए पाया कि भुगतान की गई वास्तविक राशि और वेतन बकाया का स्पष्ट उल्लेख नहीं है, बल्कि केवल "प्रोत्साहन अग्रिम", "त्योहार अग्रिम" और जीएसटी के रूप में की गई कटौतियों का जिक्र है। कोर्ट ने निगम के कार्यकारी निदेशक को अंतिम अवसर देते हुए निर्देश दिया कि सभी कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति बकाया का भुगतान उपर्युक्त अवैध कटौतियों के बिना सुनिश्चित किया जाए, साथ ही टिप्पणी की कि अधिकारी कर्मचारियों को उनका वैधानिक हक न देकर केवल समय व्यतीत कर रहे हैं और न्यायालय को गुमराह कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त कोर्ट ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रधान सचिव को संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई की जांच कर हलफनामा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

न्यायिक निर्णयों का हवाला देते समय जजों के नाम न उद्धृत किए जाएं

विधि संवाददाता,प्रयागराज। अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कर चोरी के आरोप में गिरफ्तार एक चीनी नागरिक को जमानत देते हुए न्यायिक निर्णयों का हवाला देते समय सुप्रीम कोर्ट के माननीय न्यायाधीशों के नामों के उल्लेख पर कड़ी आपत्ति जताई है। कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का संदर्भ देते समय न्यायाधीशों के नाम लेना "पूरी तरह अनावश्यक" है। भविष्य में केवल पक्षकारों के नाम, निर्णय की तिथि, केस/उद्धरण विवरण तथा प्रासंगिक अंश ही उद्धृत किए जाएं। कोर्ट ने जवाबी हलफनामे में सहायक आयुक्त, सीजीएसटी, गौतम बुद्ध नगर और अपर सत्र न्यायाधीश, मेरठ को, जिन्होंने पहली जमानत याचिका को खारिज करने के आदेश में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के नामों का उल्लेख किया था, भविष्य में सतर्क रहने का

- **इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कर चोरी के आरोप में गिरफ्तार एक चीनी नागरिक को जमानत देते हुए दिया निर्देश**

निर्देश दिया। कोर्ट ने नोट किया कि लगभग दो सप्ताह के भीतर यह दूसरी घटना है, जिसमें अधीनस्थ न्यायालय के अधिकारियों द्वारा पूर्व निर्णयों पर भरोसा करते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के नामों का उल्लेख किया गया है। कोर्ट ने इस प्रथा को रोकने की आवश्यकता पर जोर दिया। उक्त आदेश न्यायमूर्ति समित गोपाल की एकलपीठ ने सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज प्रकरण में अगस्त 2025 से गिरफ्तार चीनी महिला एलिस ली उर्फ ली तेंगली को सशर्त जमानत देते हुए पारित किया। दरअसल महिला पर आरोप है कि वह मेसर्स टेंटेक एलईडी डिस्प्ले प्राइवेट लिमिटेड से संबद्ध थीं, जो कथित रूप से "विजुअल डिस्प्ले यूनिट्स" का गुप्त निर्माण कर रही थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने माना कि जांच पूर्ण हो चुकी है। कर देयता का आकलन किया जा चुका है और शिकायत दाखिल की जा चुकी है। याची के महिला होने और उनके साथ नाबालिग बच्चे की उपस्थिति, साक्ष्यों से छेड़छाड़ की आशंका संबंधी ठोस सामग्री के अभाव तथा प्रकरण की समग्र परिस्थितियों को देखते हुए उन्हें सशर्त जमानत दे दी गई। कोर्ट ने याची को निर्देश दिया कि वह प्रत्येक तारीख पर उपस्थित रहेंगी। उन्हें बिना अनुमति देश छोड़ने से रोका गया है तथा हर दो माह में अपने निवास और आवागमन की जानकारी चीनी दूतावास के माध्यम से कोर्ट को देनी होगी।

न्यूज ब्रीफ

टीएलएम पर प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। आकांक्षी ब्लॉक परिवर्तन कार्यक्रम के अन्तर्गत विकास खण्ड खेसरहा के प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों/शिक्षिकाओं, एकेडमिक संसाधन व्यक्ति एवं राज्य संसाधन समूह हेतु शिक्षण अधिगम सामग्री (टीएलएम) पर सोमवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी, रोचक एवं बाल-केंद्रित बनाना रहा। विशेषज्ञों द्वारा गतिविधि आधारित शिक्षण, स्थानीय संसाधनों से टीएलएम निर्माण, भाषा एवं गणित विषय में नवाचार तथा विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने के तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागी शिक्षकों को समूहों में विभाजित कर स्वयं टीएलएम तैयार करने का अभ्यास कराया गया। इस दौरान शिक्षकों ने चार्ट, फ्लैश कार्ड, मॉडल आदि बनाकर अपने रचनात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। प्रशिक्षण कार्यशाला शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

सामूहिक विवाह की मिलकर करें तैयारियां

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के संबंध में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन की अध्यक्षता में सिद्धार्थ सभागार में बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सामूहिक विवाह के दौरान दी जाने वाले सामानों की सूची का बैनर लगवाएं। सभी को सामान मिलना चाहिए। वर-वधू के परिजनों के बैठने, वाहनों पार्किंग, साफ-सफाई आदि की व्यवस्था दुरुस्त होनी चाहिए। सभी मिलकर कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराये। रतनसेन डिग्री कालेज बांसी में 22 फरवरी 2026 को 382 जोड़ो का सामूहिक विवाह कराया जाना प्रस्तावित है। प्रत्येक जोड़े के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से 60000 दिया जाता है तथा 25000 का सामान तथा 15000 बारात के स्वागत पर व्यय किया होगा। बैठक में उपजिलाधिकारी बांसी निखिल चक्रवर्ती सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

निजी वाहनों से हो रही बोर्ड परीक्षा के पेपर की ढुलाई

बोर्ड परीक्षा के गोपनीयता व सुरक्षा भंग, पारदर्शिता पर खड़े हुए सवाल

उपेन्द्र तिवारी, कुशीनगर

प्राइवेट वाहन में बोर्ड परीक्षा का मिला प्रश्न पत्र।

- **वीडियो में कैद 'पेपर मूवमेंट, बिना पुलिस अभिरक्षा के निकले प्रश्नपत्र पर संदेह बढ़ा**

अमृत विचारः माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा हाईस्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा प्रारम्भ होने के की ठीक पहले ही उसकी गोपनीयता व पारदर्शिता पर सवालों का साया पड़ गया है। जिस प्रश्नपत्र को पुलिस अभिरक्षा में कड़ी सुरक्षा के बीच परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया जाना चाहिए था, वह निजी वाहनों से ढोया जा रहा था। यह दृश्य'सुरक्षित और पारदर्शी परीक्षा' के सरकारी दावों की बुनियाद हिला दी है। मजे की बात यह है कि नियम और परीक्षा प्रोटोकॉल को ताक पर रखकर विभाग के जिम्मेदार अधिकारी व्यवस्था के नाम पर परीक्षा की गोपनीयता की धज्जियां उड़ाते दिखे।

बोर्ड परीक्षा के प्रति जिम्मेदारो की सार्वजनिक हुई यह गैरजिम्मेदाराना कार्य यह संकेत दे रहा है कि निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल को दरकिनार कर प्रश्नपत्रों को पुलिस सुरक्षा के बिना निजी गाड़ियों से भेजा गया जिसका वीडियो साक्ष्य के तौर पर मौजूद हैं, जो परीक्षा तंत्र की विश्वसनीयता पर सीधा प्रहार है। इधर अफसरशाही की खामोशी पूरे मामले को गंभीर बना दिया है।

गौरतलब है कि बोर्ड परीक्षा से संबंधित प्रश्नपत्रों को बिना पुलिस सुरक्षा के निजी वाहनों में चालक और संबंधित प्रधानाचार्य के भरोसे केंद्रों तक रवाना किया गया है। ऐसे मे यह न केवल बोर्ड परीक्षा नियमों की खुली अवहेलना है बल्कि परीक्षा की गोपनीयता को जोखिम में डालने जैसा कृत्य भी है। अब सवाल यह है कि क्या प्रश्नपत्रो के परिवहन से पूर्व पुलिस विभाग को सूचना दी गई थी? क्या अधिकृत वाहनों को सूचीबद्ध कर रूट प्लान स्वीकृत किया गया था? क्या वितरण रजिस्टर और सुरक्षा अभिलेख पूर्ण हैं?यदि इन प्रश्नों के उत्तर नकारात्मक हैं, तो यह सीधे तौर पर जिला विद्यालय निरीक्षक श्रवण कुमार गुप्त व परीक्षा लिपिक सुभाष प्रसाद यादव की घोर लापरवाही को दर्शाता है।

क्या कहते है बोर्ड के नियम

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित बोर्ड परीक्षाओं के संचालन नियमावली में प्रश्नपत्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। गाइडलाइन पर गौर करे तो प्रश्नपत्रो सुरक्षित कोठार के स्ट्रांग रूम में सीलबंद रखने का नियम है। वितरण के समय अधिकृत अधिकारी की अनिवार्य रुप से उपस्थिति में प्रश्नपत्रों का परिवहन पुलिस अभिरक्षा में करने का प्राविधान है। इसके अलावा विभाग द्वारा अधिकृत वाहन अथवा बस मे प्रश्नपत्रो को सुरक्षित रखकर पुलिस अभिरक्षा में केन्द्र तक प्रश्नपत्रो को सकुशल व सुरक्षित भेजवाने का नियम है जिसका विधिवत अभिलेखीकरण व वीडियोग्राफी कराना अनिवार्य है। इन प्रावधानों का उद्देश्य स्पष्ट है कि गोपनीयता अक्षुण्ण रहे और परीक्षा की निष्पक्षता पर कोई आंच न आए। उद्देश्य यह भी है कि किसी भी प्रकार की पेपर लीक, छेड़छाड़, अथवा अनधिकृत हस्तक्षेप की आशंका न हो।

डीआईओएस कार्यालय की मनबढ़ई

जिले में चर्चा है कि नियम विरुद्ध यह कृत्य जिला विद्यालय निरीक्षक श्रवण कुमार गुप्त व परीक्षा लिपिक सुभाष प्रसाद यादव की जानकारी और निगरानी में हुआ। यदि ऐसा है, तो यह साधारण चूक नहीं, उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम के विरुद्ध है। जानकारों का कहना है कि बोर्ड की सख्त गाइडलाइन के बावजूद अगर निजी वाहनों से प्रश्नपत्र भेजा गया है ,वह भी बिना पुलिस अभिरक्षा के, तो व्यवस्था की गंभीर चूक को दर्शाता है। मजे की बात यह है कि जिला विद्यालय निरीक्षक व परीक्षा लिपिक द्वारा बिना सुरक्षा व्यवस्था के निजी वाहनो से बेपरवाह तरीके से भेजे जा रहे प्रश्न पत्रों को मीडिया ने साक्ष्य के तौर पर कैमरे मे कैद कर लिया है। जब डीआईओएस और परीक्षा लिपिक ने इस मामले मे अपनी चुप्पी नही तोडी तो मीडिया ने प्रभारी जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी वंदिता श्रीवास्तव को इसकी जानकारी दी। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या प्रभारी जिलाधिकारी तथ्यात्मक जांच कर कार्यवाई करेगें या फिर मामला फाइलों में दबकर रह जाएगा। जानकारों का कहना है कि बोर्ड परीक्षा लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी संवेदनशील प्रक्रिया है। इसकी पवित्रता पर जरा-सी भी आंच पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता को प्रभावित कर सकती है।

पहले भी उठ चुके हैं सवाल

बता दें कि जनपद में यह पहला अवसर नहीं है जब परीक्षा संचालन पर सवाल उठे है। पिछले वर्ष विद्यालय निरीक्षक श्रवण कुमार गुप्त के कार्यकाल में ही बोर्ड परीक्षा के दौरान गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया था। उस समय अशोक विद्यापीठ इंटर कॉलेज में नियमित प्रश्नपत्र के स्थान पर रिजर्व पेपर से परीक्षा कराए जाने का मामला सुर्खियों में रहा। उस घटना ने परीक्षा प्रबंधन की सतर्कता और निगरानी व्यवस्था पर गहरे सवाल खड़े किए थे।

सात जोड़ों में कराया गया सुलह-समझौता

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। महिला थाना प्रभारी निरीक्षक भाग्यवती पाण्डेय द्वारा सोमवार को 07 जोड़ों में आपसी मनमुटाव को दूर कर एक साथ रहने को राजी किया गया। इन परिवारों को बिखरने से बचाने में प्रभारी निरीक्षक भाग्यवती पाण्डेय व काउंसलिंग टीम में महिला हेड कांस्टेबल आशा गौड़, महिला हेड आरक्षी रीना रावत, महिला आरक्षी प्रियंबदा सिंह, महिला आरक्षी संगीता गौतम, महिला आरक्षी प्रगति राय का योगदान रहा। परिवारों में शाहीन पत्नी तौफीक साकिन नगमा छपिया थाना मिश्रौलिया, निरू पत्नी रामानन्द चौरसिया साकिन डड़वार दुबे थाना बांसी, रेहाना खातून पत्नी मोहम्मद जमा साकिन फसादीपुर थाना सिद्धार्थनगर, रूसो पत्नी महेश साकिन करीमपुर थाना सिद्धार्थनगर, सवारी पत्नी धर्मराज साकिन भावपुर थाना शोहरतगढ़, दीपा पत्नी तिलक राम सकीना बारदही थाना गोल्हौरा व सन्तोला पत्नी हरिश्चन्द्र साकिन कपिया थाना चिल्हियां निवासी बताया जाता है।

होली पर विशेष ट्रेनों का होगा संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेल प्रशासन द्वारा आगामी होली के त्योहार पर 04014/04013 आनन्द विहार टर्मिनस-लौकहा बाजार-आनन्द विहार टर्मिनस वाया गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन आनन्द विहार टर्मिनस से 27 फरवरी से 06 मार्च तक तथा लौकहा बाजार से 28 फरवरी से 07 मार्च तक 08 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02, शयनयान श्रेणी के 10, साधारण द्वितीय श्रेणी के 05 तथा एस.एल.आर.के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे। इसके अलावा 04514/04513 चण्डीगढ़-गोरखपुर-चण्डीगढ़ होली विशेष गाड़ी का संचलन चण्डीगढ़ से 26 फरवरी एवं 05 मार्च को तथा गोरखपुर से 27 फरवरी एवं 06 मार्च को 02 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में एस.एल.आर.डी. का 01, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02,वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी का 01 तथा जनरेटर सह लगेज यान के 01 कोच सहित कुल 21 कोच लगाये जायेंगे।

ट्रेन को 2 मिनट का प्रायोगिक ठहराव

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए 15715/15716 किशनगंज- अजमेर-किशनगंज एक्सप्रेस का प्रयोगिक आधार पर 02 मिनट का अतिरिक्त ठहराव उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल के बाँदीकुई स्टेशन पर प्रदान किया जा रहा है।

यात्रियों की सुरक्षा में तत्पर रेलवे सुरक्षा बल

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों की सुरक्षा और मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। 14 फरवरी को रेलवे सुरक्षा बल गोरखपुर को प्लेटफार्म संख्या-06 पर लगभग 20 वर्ष का एक मूकबधिर व्यक्ति मिला। जिसे उसके परिजन को सुपुर्द किया गया। इसके अलावा विभिन्न स्टेशनों पर रेलवे सुरक्षा बल गोरखपुर, रेलवे सुरक्षा बल बस्ती, रेलवे सुरक्षा बल बुढ़वल, रेलवे सुरक्षा बल औड़िहार, रेलवे सुरक्षा बल देवरिया सदर, रेलवे सुरक्षा बल रसड़ा द्वारा यात्रियों के छूटे बैग और पर्स आदि सामान बरामद कर उनके सुपुर्द किया गया।

80 वर्ष के ऊपर मिले अतिरिक्त पेंशन का लाभ

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर सेवा संस्थान जिला इकाई की बैठक में भुगतान प्रमाणपत्र के मामले में अनावश्यक परेशान न करने, 80 वर्ष के ऊपर अतिरिक्त पेंशन का लाभ देने, पारिवारिक पेंशन के मामले में गवाही आदि में परेशान न करने, विशेष रूप से राजस्व विभाग से जुड़े पेंशनर्स के चिकित्सा प्रतिपूर्ति भुगतान की पत्रावली लंबित न करते हुए अविलंब भुगतान कराने कराने की प्रमुख बिंदु शामिल रहे।

बैठक करते पदाधिकारी।

कोषागार कार्यालय में हुई बैठक में मंडल अध्यक्ष विजय कुमार वर्मा ने जीवित प्रमाणपत्र उपलबधता के एक सप्ताह भीतर भुगतान सुनिश्चित करने, जीवित प्रमाणपत्र भरते समय पारिवारिक पेंशन से अनावश्यक रूप से 10 रुपये के स्टांप विवाद आदि रहने का शपथ पत्र न मांगने, प्रत्येक माह पेंशनर्स की वरिष्ठ कोषाधिकारी के साथ बैठक करने, पुनरीक्षित पेंशन प्राधिकार पत्रों को अलग से रजिस्टर में पुस्तांकित करते हुए भुगतान का मुद्दा रखा। उन्होंने प्रांतीय निर्देशों के पालन पर बल देते हुए संगठन की एकजुटता बनाए रखने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष उमाकांत मिश्रा सहित कलेक्ट्रेट से सेवानिवृत्त राजाराम लोधी ने वेतन विसंगति के मुद्दे से संगठन को अवगत कराया। इस संबंध में कलेक्ट्रेट के पटल सहायक अनिरुद्ध मिश्रा से संपर्क किया गया। उन्होंने समस्या के निराकरण के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। निर्णय लिया गया कि एक सप्ताह पश्चात पुनः मिलकर समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा।

मुंबई जाने की बात कहकर निकला छात्र ननिहाल से सकुशल बरामद

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। खलीलाबाद शहर से चार दिन पहले लापता हुआ 14 वर्षीय छात्र मुंबई कमाने नहीं बल्कि अपनी मां से मिलने ननिहाल चला गया था। पुलिस ने ममेरी बहन के मोबाइल से किए गए एक कॉल के जरिए लोकेशन ट्रेस कर सोमवार देर शाम छात्र को रक्शा गांव से सकुशल बरामद कर लिया। बेटे के मिलने की खबर मिलते ही पिता के चेहरे पर फिर मुस्कान लौट आई।

महुली क्षेत्र के किशुनपुर गांव निवासी एलआईसी एजेंट वीरेंद्र कुमार उपाध्याय खलीलाबाद के गौसपुर में किराए के कमरे में अपने इकलौते बेटे अनमोल के साथ रहते हैं। अनमोल शहर के एक स्कूल में कक्षा नौ का छात्र है। 12 फरवरी को वह अचानक लापता हो गया था। कमरे में मिले एक पत्र में पढ़ाई में मन न लगने और कमाने के लिए मुंबई जाने की बात लिखी थी। पिता वीरेंद्र की सूचना पर कोतवाली पुलिस सक्रिय हुई। कोतवाल जय प्रकाश दूबे ने बताया कि सर्विलांस की मदद से जांच पड़ताल में पता चला कि छात्र अपने ननिहाल मेंहदावल क्षेत्र के रक्शा गांव गया है।

मण्डलीय खेल में जीत की ट्राफी बीएसए को सौंपी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। शहीद सत्यवान स्पोर्ट्स स्टेडियम बस्ती में 11 एवं 12 फरवरी को सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) बस्ती मण्डल, बस्ती द्वारा आयोजित 30वां मण्डलीय बेसिक बाल क्रीड़ा समारोह 2025-26 में जनपद बस्ती, संतकबीरनगर व सिद्धार्थनगर के बेसिक शिक्षा विभाग के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

सिद्धार्थनगर के 416 खिलाड़ी छात्र-छात्राओं एवं टीम प्रभारियों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन कर सिद्धार्थनगर जनपद को आल ओवर चैम्पियनशिप द्वितीय स्थान दिलाकर ट्राफी हासिल कर जनपद को गौरवान्वित किया। खेल समापन के वापसी पर सोमवार को जिला व्यायाम शिक्षक उपेन्द्रनाथ उपाध्याय के नेतृत्व में मण्डल से प्राप्त ट्राफी को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार को प्रदान कर समस्त टीमों की प्रतिभागिता व जीत के स्थिति से अवगत कराया। जिला व्यायाम शिक्षक ने बताया कि आगामी राज्य स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में वही बच्चे प्रतिभाग करेंगे, जो मण्डल में प्रथम स्थान प्राथमिक व जूनियर स्तर बालक, बालिका वर्ग में हासिल किये है। बीएसए ने खेल प्रदर्शन के इस उपलब्धि पर सभी को बधाई दिया तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले को अग्रिम शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला व्यायाम शिक्षक उपेन्द्रनाथ उपाध्याय, जिला समन्वयक रितेश श्रीवास्तव, अमित शुक्ला, करुणा पति त्रिपाठी, एसआरजी अपूर्व श्रीवास्तव, ब्लाक व्यायाम शिक्षक सत्येन्द्र कुमार गुप्त, अनिल कुमार, अरविन्द कुमार आदि मौजूद रहे।

बीएसए को ट्राफी सौंपते खिलाड़ी। अमृत विचार

नो-मैपिंग में सुस्ती पर डीएम सख्त, सुनवाई के दिए निर्देश

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। जिला निर्वाचन अधिकारी व डीएम आलोक कुमार ने सोमवार को मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में नो-मैपिंग और तार्किक विसंगतियों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने और तय समय सीमा में शत-प्रतिशत सुनवाई व डाटा अपलोड सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम वित्त एवं राजस्व जय प्रकाश ने बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 21 जनवरी 2026 से नोटिसों की सुनवाई का कार्य चल रहा है। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में अब तक नोटिस वितरण और सुनवाई की प्रगति 47.10 प्रतिशत रही है। डीएम ने कहा कि यह समयबद्ध और संवेदनशील कार्य है, सभी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पूरी जिम्मेदारी से बूथ स्तर पर जाकर शत-प्रतिशत सुनवाई सुनिश्चित करें।

अभियान | न्याय रथ को जिला जज ने दिखाई हरी झंडी

अब गांव-गांव पहुंचेगी कानूनी जागरूकता

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। न्याय चला निर्धन से मिलने की भावना को साकार करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने जनपदीय न्यायालय को 12 सीटर 'फोर्स' वाहन दिया है। यह वाहन गांव -गांव जाकर समाज के अंतिम छोर पर खड़े पीड़ित प्रत्येक को कानूनी सलाह देने का काम करेगी। इसी के निमित्त जिला जज रणधीर सिंह ने सोमवार को कोर्ट परिसर से वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जिले में न्याय रथ के आगमन पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और न्यायिक प्रतिष्ठान में उत्साह का माहौल रहा। बताया गया कि प्रदेश के सभी जिलों में न्याय रथ भेजे जा रहे हैं, ताकि दूरदराज और अंतिम छोर पर रहने वाले लोगों तक कानूनी सहायता और जागरूकता पहुंचाई जा सके। जनपद न्यायाधीश रणधीर सिंह ने कहा कि न्याय रथ का उद्देश्य जरूरतमंदों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सुलभ न्याय दिलाना है। इस मौके पर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय नासिर अहमद, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व न्यायिक अधिकारी सुनील कुमार सिंह, अपर जिला जज गजेंद्र सिंह, कृष्ण कुमार, न्यायिक अधिकारी अशोक कसौधन, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ अन्जय कुमार श्रीवास्तव, नाजिर बृजेश सिंह, रामभवन चौधरी, विनय, हरिशंकर चौधरी, जयशंकर यादव, मुलायम सिंह यादव, दीपक, राहुल यादव और बलदेव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

शहर के न्यायालय परिसर से राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से 12 सीटर वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते जिल जज रणधीर सिंह व अन्य लोग। अमृत विचार

शिविर लगाकर नोटिसों का किया गया सत्यापन

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विकास खण्ड बढ़नी के ग्राम पंचायत झरुवा में स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय परिसर में सोमवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के अन्तर्गत शिविर लगाकर नोटिसों का सत्यापन किया गया। यह कार्य पीठासीन अधिकारी और ग्राम प्रधान वीरेन्द्र प्रताप जायसवाल के सहयोग से सम्पन्न हुआ। एसआईआर शिविर कार्यक्रम के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए ग्राम प्रधान वीरेन्द्र प्रताप जायसवाल ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान एसआईआर के क्रम में गांव के तीनों टोले झरुवा, भेलौजी और खम्हरिया के कुल 160 ग्रामीण लोगों को नोटिस जारी किये गये थे।

जापान के गवर्नर ने किया लुम्बिनी का दौरा

ककरहवा, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जापान के वाकायामा प्रीफेक्चर के गवर्नर मियाजाकी इमुजी ने बुद्ध जन्मस्थल लुम्बिनी का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि विश्व शांति के लिए लुम्बिनी की भूमिका प्रेरणादायक और अनुकरणीय है, जिससे प्रभावित होकर वे यहां पहुंचे हैं। गवर्नर इमुजी ने बताया कि लुम्बिनी के विकास और संरक्षण में वाकायामा प्रीफेक्चर की ओर से किस प्रकार सहयोग किया जा सकता है, इस विषय में अध्ययन कर सहकार्य बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। लुम्बिनी विकास कोष और जापान के कोया टाउन नगरपालिकाके बीच भगिनी संबंध स्थापना के 10 वर्ष पूरे होने के अवसर पर गवर्नर इमुजी के नेतृत्व में 18 सदस्यीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल लुम्बिनी पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में वाकायामा के उपसभामुख फुमिनारी आकिजुकी तथा कोया टाउन के मेयर हिरानो योहिया सहित बौद्ध विहारों के प्रमुख भी शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मायादेवी मंदिर में पूजा-अर्चना की, अशोक स्तंभ का अवलोकन किया और पुष्करिणी पोखरी स्थित बोधि वृक्ष के पास दीप प्रज्वलित किए। इसके अलावा दल ने थाउजेन्ट टेम्पल तथा रॉयल थाई विहार का भी निरीक्षण किया। लुम्बिनी विकास कोष के अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए लुम्बिनी की गुरुयोजना, ऐतिहासिक-पुरातात्विक महत्व और संरक्षण कार्यों की जानकारी दी। दोनों पक्षों ने धार्मिक-सांस्कृतिक पर्यटन तथा सहयोग के नए अवसरों पर भी चर्चा की।

बुद्ध की जन्मस्थली लुम्बिनी पहुंचे जापान के वाकायामा प्रीफेक्चर के गवर्नर मियाजाकी इमुजी। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

रिश्वत लेते इनकम टैक्स इंस्पेक्टर गिरफ्तार

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम ने भ्रष्टाचार के एक मामले में कार्रवाई करते हुए इनकम टैक्स इंस्पेक्टर भारत भूषण के खिलाफ अदालत में चालान पेश किया है। यह चालान माननीय न्यायालय डॉ गगनगीत, एएसजे, गुरुग्राम की अदालत में दायर किया गया। आरोपी ने शिकायतकर्ता से उसका टैक्स नंबर स्वीकृत करने के बदले आठ हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत पर टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को आठ की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया।

हिमांशु भाऊ गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बाहरी दिल्ली में एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद हिमांशु भाऊ गिरोह के दो कथित सदस्यों को गिरफ्तार किया है और हथियारों, कारतूस और वाहनों को जब्त कर एक अवैध हथियार आपूर्ति गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोपियों की पहचान विक्की उर्फ मोगली और चंदर भान के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर हत्या, हत्या के प्रयास और जबरन वसूली के कई मामलों में शामिल थे।

अंबाला में ट्रक पलटा दो लोगों की गई जान

अंबाला। हरियाणा के अंबाला में सोमवार को टांगरी पुल राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ट्रक तीन वाहनों से टकराने के बाद पलट गया, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस को आशंका है कि यह दुर्घटना घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होने की वजह से हुई। इससे पहले यह माना जा रहा था कि इस हादसे में चार लोगों की मौत हुई है। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना शाहपुर में तब हुई, जब दिल्ली से चंडीगढ़ जा रहा ट्रक एक कार, एक मोटरसाइकिल और एक तिपहिया वाहन से टकरा गया और फिर उन वाहनों के ऊपर पलट गया।

अबू सलेम की याचिका पर सुनवाई से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर अबू सलेम की उस याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि उसे 10 महीने से अधिक समय से अवैध हिरासत में रखा गया है, जबकि वह 1993 के मुंबई विस्फोट मामले में उसे दी गई 25 साल की सजा पहले ही काट चुका है। वर्ष 1993 के मुंबई धमाकों के दोषी सलेम को लंबी कानूनी लड़ाई के बाद 11 नवंबर, 2005 को पुर्तगाल से प्रत्यर्पित किया गया था।

वांगचुक का भाषण तीन मिनट का तो उसका अनुवाद आठ मिनट का क्यों

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा सवाल, वास्तविक लिखित प्रतिलिपि पेश करने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के खिलाफ केंद्र की ओर से प्रस्तुत वीडियो के ट्रांसक्रिप्ट (लिखित प्रतिलिपि) को लेकर सवाल उठाए और कहा कि एआई के दौर में अनुवाद बिल्कुल सटीक होना चाहिए। दरअसल, वांगचुक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी थी कि अनुवाद में ऐसे शब्द भी जोड़ दिए गए हैं जो वांगचुक ने कहे ही नहीं थे। कोर्ट ने केंद्र को भाषण की वास्तविक ट्रांसक्रिप्ट पेश करने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज से कहा कि सरकार वांगचुक के बयानों की वास्तविक ट्रांसक्रिप्ट पेश करे। पीठ ने कहा, मिस्टर सॉलिसिटर, हमें भाषण की वास्तविक ट्रांसक्रिप्ट चाहिए। जिस पर उन्होंने भरोसा किया है और जो आप कह रहे हैं, वह अलग है। हम निर्णय करेंगे। उन्होंने जो कहा है, उसकी वास्तविक प्रतिलिपि होनी चाहिए। पीठ ने कहा, उन्होंने जो कहा, कम से कमउसका सही अनुवाद होना चाहिए। आपका अनुवाद सात से आठ मिनट तक चलता है, जबकि भाषण केवल तीन मिनट का है। हम एआई के युग में हैं, अनुवाद में कम से कम 98 प्रतिशत सटीकता होनी चाहिए। इस मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार को फिर से होगी।

जो बात कही नहीं, वह भी अदालत में : सिब्बल

- सिब्बल ने अनुवाद पर सवाल उठाते हुए कहा, वांगचुक ने अपना अनशन जारी रखा और नेपाल का संदर्भ देकर युवाओं को उकसाना भी जारी रखा यह पंक्ति कहां से आ रही है। यह एक बहुत ही अनोखा नजरबंदी आदेश है, आप ऐसी बात पर भरोसा कर रहे हैं जो मौजूद ही नहीं है और फिर कहते हैं कि यह व्यक्तिपरक संतुष्टि पर आधारित है।

वांगचुक स्वस्थ, रिहा नहीं कर सकते: केंद्र

- केंद्र ने इससे पहले शीर्ष अदालत को बताया था कि वांगचुक की हिरासत के बाद से 24 बार चिकित्सकीय जांच की गई है और वह स्वस्थ और ठीक हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से कहा कि जिन आधारों पर वांगचुक की नजरबंदी का आदेश जारी किया गया था, वे अब भी बने हुए हैं और स्वास्थ्य कारणों से उन्हें रिहा करना संभव नहीं होगा।

हिमंत के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई से इन्कार, हाईकोर्ट जाने को कहा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ कार्रवाई संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई से इन्कार कर दिया। इन याचिकाओं में उस वायरल वीडियो को लेकर कार्रवाई का आग्रह किया गया था, जिसमें शर्मा एक विशेष समुदाय के सदस्यों की ओर राइफल से निशाना साधते और गोली चलाते हुए दिखे थे। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने पक्षकारों के सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख करने की प्रवृत्ति पर कड़ी आपत्ति व्यक्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को अपनी शिकायत लेकर गुवाहाटी हाईकोर्ट के समक्ष जाने को कहा। शीर्ष अदालत ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से मामले की सुनवाई तेजी से करने को भी कहा। पीठ ने पक्षकारों से कहा, आप गुवाहाटी हाईकोर्ट क्यों नहीं गए। उसकी शक्ति को कम मत आंकिए।

'तार्किक विसंगति' श्रेणी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर में 'तार्किक विसंगति' श्रेणी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता के अनुच्छेद-32 के तहत शीर्ष अदालत का रुख करने पर सवाल भी उठाया। पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा, आप चाहते हैं कि हम अनुच्छेद-32 के तहत दायर याचिका पर विचार कर यह तय करें कि आपके पिता, आपकी माता और आपका भाई कौन है।

रोहित शेट्टी के घर गोलीबारी में शूटर समेत छह गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस ने फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के जुहू स्थित आवास पर गोलीबारी करने के आरोप में कथित शूटर समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि मुंबई पुलिस के जबरन वसूली रोधी प्रकोष्ठ ने रविवार रात हरियाणा और राजस्थान से कथित शूटर दीपक शर्मा और इस मामले में संलिप्त पांच अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आरोपियों को मुंबई लाया गया है। पुलिस के अनुसार 31 जनवरी और एक फरवरी दरमियानी रात बारह बज कर करीब 45 मिनट पर शेट्टी के नौ मंजिला आवासीय टावर पर पांच गोलियां चलाई गईं, जिनमें से एक गोली इमारत में स्थित एक जिम के शीशे पर जा लगी। इन हालिया गिरफ्तारियों के साथ पुलिस अब तक इस मामले में कुल 11 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

अपराध शाखा ने आदित्य गैकी, सिद्धार्थ येनपुरे, समर्थ पोमाजी, स्वप्निल सकट और आसाराम फासले को पहले गिरफ्तार किया था, जिन्होंने शूटर को स्कूटर, अन्य सामान और हथियार उपलब्ध कराए थे। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य शुभम लोनकर ने शेट्टी के घर पर गोलीबारी की जिम्मेदारी ली थी।

राहुल असफल वंशवादी, उन पर कांग्रेस को ही भरोसा नहीं

- भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, कांग्रेस के सहयोगी दल भी उन्हें गंभीरता से नहीं लेते

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह एक असफल वंशवादी हैं क्योंकि न तो उनकी अपनी पार्टी के नेताओं को और न ही उनके सहयोगियों को उन पर कोई भरोसा है। भाजपा ने यह हमला ऐसे वक्त किया है जब कांग्रेस की असम इकाई के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना इस्तीफा भेजते हुए आरोप लगाया कि पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें नज़रअंदाज़ किया जा रहा है और प्रदेश इकाई में उन्हें उचित स्थान नहीं दिया जा रहा है।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर लिखा, राहुल गांधी पर नहीं है भरोसा। पूनावाला ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस कहती है राहुल को हटाओ, ममता को लाओ, इंडी-गठबंधन को बचाओ। असम के कांग्रेस नेता भूपेन बोरा ने इस्तीफा दिया। मणि (शंकर) अय्यर कहते हैं कि कांग्रेस केरल हारेगी और विजयन जीतेंगे। भाजपा नेता ने सवाल किया कि क्या यह समझने के लिए और सबूतों की जरूरत है कि न तो गांधी की अपनी पार्टी के नेता और न ही उनके सहयोगी उन्हें गंभीरता से लेते हैं। पूनावाला ने कहा कहा कि राहुल के पास न तो जनमत है और न ही संगत... राहुल एक असफल विशेषाधिकार प्राप्त वंशवादी हैं।

रविवार को कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा था कि उन्हें विश्वास है कि केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन अपने पद पर बने रहेंगे। अय्यर की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रियाएं आईं। कांग्रेस ने उनकी टिप्पणियों से खुद को अलग करते हुए कहा कि अय्यर का पिछले कुछ वर्षों से पार्टी से कोई संबंध नहीं है और वह पूरी तरह से निजी रूप से बोलते और लिखते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर लिखा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा राहुल गांधी को पूरी तरह से खारिज कर दिया गया है। राहुल गांधी को कांग्रेस के कट्टर वफादार मणिशंकर अय्यर ने खुलेआम नकार दिया। भंडारी ने कहा कि अय्यर हों या तृणमूल कांग्रेस या भूपेन बोरा सब जानते हैं। राहुल गांधी राजनीतिक पप्पू हैं। कांग्रेस में अपना पूरा जीवन बिताने वाले वफादार अब खुलेआम राहुल गांधी के खिलाफ बोल रहे हैं।

लालू, राबड़ी देवी के खिलाफ आरोप तय

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद और उनकी पत्नी राबड़ी देवी के खिलाफ जमीन के बदले नौकरी घोटाले के सिलसिले में सोमवार को औपचारिक रूप से आरोप तय किए। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि आरोपी लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के खिलाफ आरोप तय किए जाते हैं, हालांकि उन्होंने खुद को निर्दोष बताया है और मुकदमे का सामना करने की बात कही है। मामले की आगे की कार्यवाही के लिए 27 फरवरी की तारीख तय की गई है। न्यायाधीश ने 29 जनवरी को लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव तथा कुछ अन्य को औपचारिक रूप से आरोप तय करने को 1 से 28 फरवरी के बीच व्यक्तिगत उपस्थिति की छूट दी थी।

पुलिस पर हमला कर गैंगस्टर समेत दो पाकिस्तानी बंदी भागे

- जम्मू के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित बाल सुधार गृह की घटना

जम्मू, एजेंसी

जम्मू के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित एक बाल सुधार गृह से दो पाकिस्तानी नागरिकों समेत तीन बंदी सोमवार को ड्यूटी पर तैनात दो पुलिसकर्मियों पर कथित रूप से हमला कर फरार हो गए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना शाम करीब 5.15 बजे आर.एस. पुरा स्थित बाल सुधार गृह में हुई। पुलिस ने बताया कि फरार बंदियों की पहचान आर एस पुरा में डबलेहार निवासी कराजीत सिंह उर्फ गुग्गा तथा पाकिस्तानी नागरिक मोहम्मद सुना-उल्लाह और एहसान अनवर के रूप में हुई है।

तीनों ने कथित तौर पर पुलिसकर्मियों पर हमला किया और इसके बाद परिसर से भाग निकले। अधिकारियों ने बताया कि एसपीओ विनय और मुख्य आरक्षक प्रवीण नामक दो पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। खौफ गिरोह से जुड़े बताए जा रहे एक गैंगस्टर का बाल सुधारगृह के अंदर कुछ गोलियां चलाते हुए एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे लोगों में चिंता पैदा हो गई। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि स्थानीय स्तर पर निर्मित पिस्तौल कैदी तक कैसे पहुंची। फरार बंदियों को पकड़ने के लिए विशेष टीम गठित की गई हैं और विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की जा रही है।

प्रधानमंत्री ने भारत के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबू बक्र से बातचीत की

नई दिल्ली। भारत के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबू बक्र अहमद ने सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और दोनों ने कई मुद्दों पर चर्चा की। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मेरी भारत के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबू बक्र अहमद साहब के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने कई मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने कहा, सामाजिक सद्भाव, भाईचारा बढ़ाने और शिक्षा में सुधार लाने के उनके प्रयास सराहनीय हैं। प्रधानमंत्री ने मुलाकात की तस्वीरें भी साझा कीं। शेख अबू बक्र अहमद भारत के 10वें ग्रैंड मुफ्ती हैं, जिन्हें फरवरी 2019 में नियुक्त किया गया था। केरल के एक प्रमुख सुन्नी विद्वान के रूप में, वह अखिल भारतीय सुन्नी जमीयतुल उलमा का नेतृत्व करते हैं।

जहाज का जलावतरण...

चेन्नई के कट्टुपल्ली स्थित एल एंड टी शिपबिल्डिंग में तीन कैडेट प्रशिक्षण जहाजों में से पहले आईएनएस कृष्णा का जलावतरण किया गया। इस दौरान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान भी मौजूद रहे। • एजेंसी

फरीदाबाद में फैक्टरी में लगी भीषण आग, 35 लोग झुलसे

- झुलसे लोगों में दो पुलिसकर्मी, बाकी फैक्टरी के मजदूर
- सौ मीटर के दायरे में खड़ीं कारें और दोपहिया वाहन खाक

फरीदाबाद, एजेंसी

फरीदाबाद के सेक्टर 24 में एक फैक्टरी में सोमवार शाम भीषण आग लग जाने के बाद 35 से अधिक झुलसे लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि झुलसे लोगों में से दो पुलिस कर्मी हैं, जो आग बुझाने का कार्य कर रहे थे जबकि अन्य सभी यहां कार्य करने वाले मजदूर हैं।

शाम करीब चार बजे रसायनों से भरे एक ड्रम पर चिंगारी गिरने से आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि तेजी से फैली आग ने पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि लगभग 20-25 ड्रम थे, जो एक के बाद एक फटते रहे। विस्फोटों से करीब 100 मीटर के दायरे में खड़े दोपहिया वाहन और कारें जलकर राख हो गईं। दमकल कर्मियों की कई टुकड़ियों को मौके पर भेजा गया और खबर लिखे जाने तक आग पर काबू पा लिया गया था। घायलों में से 12 लोगों को बादशाह खान सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया और अन्य लोग निजी अस्पतालों में भर्ती हैं। इसी बीच, पुलिस ने जांच शुरू करने के साथ ही फैक्टरी मालिक से पूछताछ की।

आग पर काबू पाने का प्रयास करतीं दमकल की गाड़ियां • एजेंसी

एसआईआर में लापरवाही पर प. बंगाल के 7 अधिकारी सस्पेंड

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने चुनाव संबंधी विधिक प्रावधान के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए पश्चिम बंगाल में सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के रूप में कार्यरत सात अधिकारियों को गंभीर कदाचार, कर्तव्य में लापरवाही व मतदाता सूची के एसआईआर से जुड़े वैधानिक अधिकारों के दुरुपयोग के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बूथ अधिकारी, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी व सहायक राज्य सरकार के कर्मचारी होते हैं, जो मतदाता सूची अद्यतन करने और चुनाव कराने में सहायता के लिए प्रतिनियुक्ति पर काम करते हैं। ईसी ने राज्य की मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि संबंधित अधिकारी अपने विभाग के जरिए इन अधिकारियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई शुरू करें।

असम : राहुल से बात करने के बाद भूपेन बोरा ने इस्तीफा वापस लिया

- पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी में उपेक्षा का आरोप लगाकर इस्तीफा दिया था

गुवाहाटी, एजेंसी

असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा ने सोमवार सुबह पार्टी में उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना इस्तीफा भेज दिया लेकिन राहुल गांधी और कुछ अन्य वरिष्ठ नेताओं से बातचीत के बाद उसे वापस ले लिया।

बोरा के त्यागपत्र की जानकारी मिलते ही कांग्रेस के असम प्रभारी जितेंद्र सिंह, पार्टी की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने बोरा से उनके आवास पर मुलाकात की। इसके बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी उनसे फोन पर बात की। जितेंद्र सिंह ने कहा कि बोरा ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। उन्होंने कहा, भूपेन जी हमारे बहुत ही वरिष्ठ नेता हैं। परिवार के अंदर कभी-कभी मनमुटाव हो जाता है लेकिन यह हमारा आंतरिक मामला है। भूपेन जी ने असम की जनता के लिए लड़ाई लड़ी है और कांग्रेस में लंबा राजनीतिक जीवन बिताया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने उनसे इस्तीफा वापस लेने का आग्रह किया, उनकी राहुल गांधी जी और केसी वेणुगोपाल जी से बात हुई।

इस बीच बोरा ने कहा कि उन्होंने अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए कांग्रेस आलाकमान से समय मांगा है। गोगोई ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बोरा से बात की है और उनका इस्तीफा आलाकमान ने स्वीकार नहीं किया है। गोगोई ने कहा, अगर पार्टी में कुछ मुद्दों के कारण भूपेन बोरा को ठेस पहुंची है तो हम उनसे माफी मांगते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष को भेजे अपने त्यागपत्र में बोरा ने दावा किया था कि पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें उपेक्षित किया जा रहा है और राज्य इकाई में उन्हें उनका हक नहीं दिया जा रहा है। बोरा 2021 से 2025 तक असम कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष थे।

हिमंत ने बोरा को भाजपा में दिया न्योता, नहीं बनी बात

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा के पार्टी से इस्तीफा देने के बाद भाजपा के दरवाजे उनके लिए खुले हैं। अगर वह भाजपा में शामिल होते हैं तो वह उन्हें किसी सुरक्षित सीट से चुनाव जितवाने की कोशिश करेंगे। हिमंत ने कहा, उनके इस्तीफे से यह प्रतीकात्मक संदेश मिलता है कि कांग्रेस में किसी सामान्य परिवार का व्यक्ति तरक्की नहीं कर सकता। वह कल शाम बोरा के आवास पर जाएंगे और उनकी भविष्य की योजनाओं पर बातचीत करेंगे। हालांकि बोरा की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। राहुल गांधी से बातचीत के बाद उनका इस्तीफा वापस लिए जाने की घोषणा कर दी गई।

प्रश्नपत्र लीक होने की अफवाहों पर ध्यान न दें विद्यार्थी : सीबीएसई

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने विद्यार्थियों से मंगलवार से शुरू होने वाली कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में प्रश्न पत्र लीक होने की अफवाहों से गुमराह न होने का आग्रह किया है। सीबीएसई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, जैसा कि पहले भी देखा गया है, कुछ अनैतिक तत्व परीक्षाओं के दौरान विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर फर्जी खबरें फैलाकर छात्रों और अभिभावकों को गुमराह करने का प्रयास करते हैं। इस तरह की गलत सूचनाओं में अक्सर प्रश्नपत्र लीक होने और बोर्ड की कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं के कथित प्रश्नपत्रों के प्रसार के झूठे दावे शामिल होते हैं। अधिकारी ने कहा, इसलिए, सीबीएसई अभिभावकों, विद्यार्थियों, विद्यालयों और सभी संबंधित हितधारकों से आग्रह करता है कि वे सतर्क रहें और अपुष्ट समाचारों, अफवाहों या फर्जी खबरों से गुमराह न हों। इस तरह की निराधार सामग्री पर भरोसा करना, उससे जुड़ना या उसे आगे बढ़ाना अनावश्यक चिंता और भ्रम पैदा कर सकता है और तैयारियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

शिंदे गुट के मुस्लिम विधायक के आने के बाद भाजपा ने मंदिर में गोमूत्र छिड़का

छत्रपति संभाजीनगर। शिवसेना शिंदे गुट के मुस्लिम विधायक एवं पूर्व मंत्री अब्दुल सत्तार के छत्रपति संभाजीनगर के सिल्लोड में एक मंदिर में दर्शन करने के बाद भाजपा के कार्यकर्ताओं ने गोमूत्र से मंदिर का शुद्धिकरण किया। महाशिवरात्रि पर विधानसभा क्षेत्र सिल्लोड के रहीमाबाद स्थित शिव मंदिर में मुस्लिम विधायक के जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसपर भाजपा और अन्य संगठनों ने विरोध जताया है। भाजपा की सिल्लोड इकाई के प्रमुख मनोज मोरेलू ने दावा किया, सत्तार गोमांस खाते हैं और उन्होंने मंदिर में प्रवेश कर उसकी पवित्रता को भंग किया है। इसलिए हमने मंदिर को शुद्ध करने के लिए गोमूत्र छिड़का। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तार हाल में हज पर गए थे और अब मंदिर जा रहे हैं।

अवसर | प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाकात के दौरान बोलीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

जनविश्वास के संरक्षक और प्रहरी होते हैं अधिकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि अधिकारी जनविश्वास के संरक्षक और वित्तीय अनुशासन के प्रहरी होते हैं। भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा सेवा , भारतीय व्यापार सेवा और रक्षा वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन सेवा के अधिकारी प्रशिक्षुओं ने यहां राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से भेंट की।

अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि प्रतिष्ठित सेवाओं में उनका चयन उन्हें राष्ट्र सेवा का अवसर प्रदान करता है और जब अधिकारी देश के विकास और प्रत्येक नागरिक के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करते हैं, तब राष्ट्र और अधिक सशक्त, सक्षम तथा वैश्विक मंच पर सम्मानित बनता है।

उन्होंने कहा कि कार्य के प्रति उनका उत्साह और समर्पण आने वाले भारत को बदलने की शक्ति रखता है। भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि वे जनविश्वास के संरक्षक और वित्तीय अनुशासन के प्रहरी हैं। कहा कि जब कार्यपालिका और लेखा परीक्षा संस्थानों के बीच समन्वय होता है, तब शासन प्रणाली में जवाबदेही की रूपरेखा का प्रभाव और मूल्यवर्धन होता है। लेखा परीक्षा और कार्यपालिका के बीच प्रभावी साझेदारी से सार्वजनिक व्यय की दक्षता बढ़ती है और वांछित परिणामों में सहायता मिलती है। उन्होंने अधिकारियों से संविधान और सेवा की परंपराओं को सदैव बनाए रखने का आग्रह किया। भारतीय व्यापार सेवा के अधिकारियों से राष्ट्रपति ने कहा कि वे निवेश आकर्षित करने, रोजगार सृजित करने तथा भारतीय व्यवसायों को नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने में योगदान देंगे।

ओलचिकी लिपि को संरक्षित करने की जरूरत

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि संथाली भाषा की लिपि ओलचिकी को संरक्षित करने और उसको बढ़ावा देने की कोशिश की जानी चाहिए। ओलचिकी लिपि के सौ साल पूरे होने के मौके पर एक सभा को संबोधित करते हुए, मुर्मू ने इस बात पर खुशी जताई कि यह लिपि डिजिटल माध्यम में बढ़ रही है। पंडित रघुनाथ मुर्मू ने 1925 में ओलचिकी लिपि तैयार की थी। तब से, यह संथाल पहचान का एक मज़बूत प्रतीक बन गई है। इसे 2003 में संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था। अपने भाषण में, मुर्मू ने भारत को कई भाषाओं का बगीचा बताया, और बातचीत में अपनी मातृभाषा का इस्तेमाल करने की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि ओलचिकी लिपि को संरक्षित करने और बढ़ावा देने की कोशिश की जानी चाहिए। इससे पहले, डॉ. आंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के भीम हॉल में एक सैन्य बैंड ने राष्ट्रपति मुर्मू का स्वागत किया। बैंड ने सबसे पहले राष्ट्रगीत वंदे मातरम की धुन बजाई।

पहलगाम हमले के मृतक की बेटी को 10 महीने बाद भी नहीं मिली सरकारी नौकरी

- महाराष्ट्र सरकार ने किया था वादा, तंगी से जूझ रहा है परिवार

पुणे/मुंबई। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पिता की मौत के दस महीने बाद भी असावरी जगदाले महाराष्ट्र सरकार के सरकारी नौकरी के वादे के पूरा होने का इंतजार कर रही हैं।

असावरी के पिता संतोष जगदाले उन 26 लोगों में एक थे जिनकी मौत पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों की गोलीबारी में हुई थी। राज्य सरकार ने महाराष्ट्र के छह पीड़ित परिवारों को 50 लाख रुपये और परिजनों को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की थी। असावरी ने कहा, वादा किए हुए 10 महीने हो गए हैं, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ है। राज्यसभा सदस्य मेधा कुलकर्णी ने गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राज्य सरकार के आश्वासनों से अवगत कराया है। असावरी ने एकनाथ शिंदे और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालयों से संपर्क किया है।

ईडी ने न्यूजक्लिक, प्रबीर पुरकायस्थ पर 184 करोड़ का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। ईडी) ने समाचार पोर्टल 'न्यूजक्लिक' और उसके प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ पर फेमा के तहत 184 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक आदेश में स्पष्ट किया गया है कि पोर्टल के स्वामित्व वाली कंपनी पीपीके न्यूजक्लिक स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड पर 120 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जबकि पुरकायस्थ पर कथित उल्लंघनों के लिए 64 करोड़ रुपये का जुर्माना किया गया है। इन्हें विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए पाया गया है, मुख्य रूप से एक तो प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) निधियों का गलत विवरण देने और दूसरे सेवाओं और निर्यात की गलत घोषणा। इस घटनाक्रम पर 'न्यूजक्लिक' से अभी प्रतिक्रिया नहीं मिली है। ईडी ने सबसे पहले सितंबर 2021 में राष्ट्रीय राजधानी के सैदुलजाब इलाके में स्थित न्यूजक्लिक परिसर में धनशोधन के आरोपों में छापेमारी की थी। एजेंसी ने इस मामले में पुरकायस्थ समेत 25 से अधिक लोगों के बयान दर्ज किए हैं। भाजपा ने 2023 में 'न्यूयॉर्क टाइम्स' अखबार के एक समाचार का हवाला देते हुए पोर्टल और उसके प्रवर्तकों पर कदाचार का आरोप लगाया था।

अमृत विचार

मंगलवार, 17 फरवरी 2026

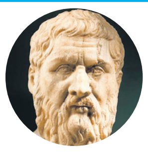

पहली और सबसे बड़ी जीत स्वयं पर विजय प्राप्त करना है।
-प्लेटो, दार्शनिक

रहमान को कमान

आज तारिक रहमान के शपथ ग्रहण के साथ बांग्लादेश की सत्ता चुनी हुई सरकार के हाथों में होगी। इस बदलाव का सीधा असर हसीना के समय विकसित भारत–बांग्लादेश संबंधों पर पड़ेगा। शेख हसीना के दौर में सुरक्षा, कनेक्टिविटी और ऊर्जा सहयोग में प्रगति दक्षिण एशिया में सहयोग का मॉडल मानी गई। अब नई व्यवस्था भारत के लिए अवसर बनेगी या चुनौती यह भविष्य बताएगा। सकारात्मक पक्ष यह है कि तारिक रहमान और उनके सलाहकार सार्वजनिक रूप से 'रचनात्मक सहयोग' और 'नए सिरे से संबंध' की बात कर रहे हैं। इसका अर्थ पुराने ढांचे को तोड़े बिना राजनीतिक परिवर्तनों के अनुरूप समीकरणों का पुनर्संतुलन है।

नई सरकार की संतुलित संबंधों की बात को हमें असुरक्षा के बजाय परिपक्व कूटनीति के संकेत के रूप में लेना चाहिए। एक आत्मविश्वासी भारत अपने पड़ोसी की बहुध्रुवीय कूटनीति से विचलित नहीं होता, हालांकि नकारात्मक आयाम भी कम नहीं। बीएनपी की वैचारिक पृष्ठभूमि और जमात-ए-इस्लामी जैसे दलों का संभावित प्रभाव भारत के लिए चिंता का विषय है। जमात का ऐतिहासिक झुकाव पाकिस्तान की ओर रहा है और भारत-विरोधी बयानबाजी उसकी राजनीति का हिस्सा रही है। तारिक रहमान को घरेलू दबावों के बीच 'भारत के प्रति नरम' न दिखने की मजबूरी हो सकती है, जिससे सार्वजनिक रुख कठोर और व्यावहारिक सहयोग सीमित हो सकता है। 'नए सिरे से संबंध' की अभिव्यक्ति का तात्पर्य है कि ढाका द्विपक्षीय संबंधों में अधिक समता, पारदर्शिता और पारस्परिकता चाहता है। भारत को इसे व्यापार असंतुलन कम करने, निवेश को द्विदिश बनाने और लोगों-से-लोगों के संपर्क बढ़ाने के अवसर की तरह देखना चाहिए। तीस्ता नदी जल-बंटवारा समझौते का जटिल मुद्दा नई सरकार के साथ और कठिन हो सकता है, क्योंकि तारिक को घरेलू राष्ट्रवादी दबाव झेलने होंगे। इसी तरह, कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स—रेल, सड़क, बंदरगाह और ऊर्जा ग्रिड पर भी जमात का वैचारिक विरोध बाधा बन सकता है। सुरक्षा समन्वय, विशेषकर आतंकवाद-रोधी सहयोग और सीमा प्रबंधन, हसीना काल की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। यदि नई सरकार इस सहयोग को कमजोर करती है, तो पूर्वोत्तर भारत की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है, परंतु बांग्लादेश स्वयं भी उग्रवाद की पुनरावृत्ति नहीं चाहेगा; इसलिए सुरक्षा सहयोग की बुनियाद पूरी तरह ढहने की संभावना कम है। ढाका का बीजिंग या इस्लामाबाद की ओर झुकाव तभी सीमित होगा, जब नई दिल्ली भरोसे, संवेदनशीलता और व्यावहारिक लाभों पर आधारित संबंधों का नया अध्याय लिख सके। शेख हसीना की भारत में मौजूदगी और संभावित प्रत्यर्पण का प्रश्न राजनीतिक रूप से विस्फोटक है। प्रत्यर्पण विधिक प्रक्रिया और द्विपक्षीय संधियों पर निर्भर करेगा। यदि इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई के रूप में देखा गया, तो यह तारिक सरकार के लिए अंतर्राष्ट्रीय आलोचना का कारण बन सकता है। अल्पसंख्यक, विशेषकर हिंदू समुदाय की सुरक्षा नई सरकार की परीक्षा होगी।

यदि बीएनपी धर्मनिरपेक्षता के बजाय 'समानता' की भाषा अपनाती है, तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि समानता का अर्थ बहुसंख्यक वर्चस्व न बन जाए। हिंसा से दूरी का सार्वजनिक संदेश अंतर्राष्ट्रीय छवि सुधारने का प्रयास भी हो सकता है।

प्रसंगवश

ब्रह्मांड की सरकार और धरती की राजनीति

आने वाली 19 मार्च से विक्रम संवत 2083 शुरू हो रहा है। ज्योतिषियों ने बताया है कि इस बार वर्ष के राजा देवगुरु बृहस्पति होंगे। सब लोग न ज्योतिषी हैं और न खगोल के जानकार। ग्रहों की गणना समझ से बाहर हो सकती है, लेकिन हर साल यह बात पढ़कर लोग ठहर जाते हैं। वर्ष के राजा के विचार में एक प्रतीक छिपा है, वह ध्यान खींचता है। इस विचार में सत्ता को लेकर एक ऐसी सोच छिपी है, जो हमारी रोजमर्रा की राजनीति से बिल्कुल अलग है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार हर नव संवत्सर के साथ सृष्टि की सत्ता बदलती है। एक ग्रह वर्ष का राजा बनता है, कोई मंत्री, कोई सेनापति, कोई वर्षा का अधिपति।

यह पूरी व्यवस्था प्रतीकात्मक है, लेकिन कल्पना कीजिए कि ऊपर कहीं तो यह मान लिया गया है कि सत्ता स्थायी नहीं होती। वह हर साल बदलती है। उत्तदायित्व परिवर्तित होते रहते हैं। कोई एक हमेशा के लिए नहीं बैठा रहता। यह विचार अपने आप में सुंदर है, क्योंकि हमारी धरती पर सत्ता अक्सर स्थायित्व चाहती है। यहां कुर्सी को पकड़ कर रखने की प्रवृत्ति स्वाभाविक मानी जाती है। हमारी परंपराओं में बदलाव स्वाभाविक ही नहीं है, बल्कि आवश्यक है। फिर भी बदलाव को जोखिम समझा जाता है। ज्योतिषीय मान्यताएं कहती हैं कि अगर बृहस्पति वर्ष के राजा हों तो ज्ञान, संतुलन और नैतिकता के संकेत माने जाते हैं।

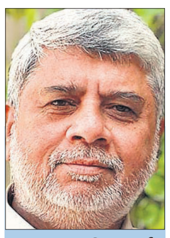

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

अगर शनि हों तो अनुशासन और कठोर परिश्रम के संकेत। मंगल राजा हों तो ऊर्जा और संघर्ष होना तय है। इन मान्यताओं को कोई आस्था कहता है, कोई इन्हें सांस्कृतिक कल्पना के दायरे में रखता है, तो किसी की नजर में यह प्रतीकात्मक भाषा है। तमाम दृष्टियों के बावजूद एक बात तय है कि हर साल का स्वभाव अलग हो सकता है। हर समय एक जैसा नहीं होता।

धरती पर सत्ता का लोभ इस कदर हावी है कि हम अक्सर यह मान लेते हैं कि जो व्यवस्था आज है, वही अंतिम है। जो सोच अभी प्रबल है, वही स्थायी है, लेकिन कैलेंडर हर साल बदलकर यह स्मरण करवा देता है कि समय स्थिर नहीं है। अगर ग्रहों की कल्पित सत्ता बदल सकती है, तो मनुष्य की सत्ता क्यों नहीं? अगर ब्रह्मांड को हर साल नई दिशा दी जा सकती है, तो समाज में नई सोच क्यों नहीं आ सकती?

कई लोग तर्क-वितर्क करते हैं। ज्योतिष की सत्यता या असत्यता में उलझ जाते हैं, लेकिन बात उस प्रतीक की है, जो हमारी परंपराओं ने हमें दिए हैं। परंपराएं भूमिकाओं को अस्थायी करार देती हैं। यानी, आज जो राजा है, कल वह आम आदमी होगा। आज जो मंत्री बन उद्बोधन देता है, वह कल श्रोताओं की कतार में होगा। आज जो नीति नियंता है, निर्णय लेने में समक्ष है, कल उससे सवाल पूछे जाना अवश्यंभावी हैं, दरअसल जीवन भी कुछ ऐसा ही है। बचपन में पिता सवाल पूछते हैं, बड़ा होकर बेटा पूछने लगता है। कभी शिक्षक मंच पर होता है तो कभी शिष्य मंचासीन हो जाते हैं। कभी हम निर्णय लेते हैं, तो कभी निर्णय मानने के लिए बाध्य हो जाते हैं।

नव संवत्सर का विचार सकारात्मकता का भाव लेकर आता है। चाहे पिछले वर्ष में कितनी ही उलझनें रही हों, कितनी मुश्किलें आई हों, पर नव संवत्सर कहता है कि पुनः शुरुआत संभव है। विज्ञान कहता है कि अगर हर चक्र के उपरांत नया चक्र आने के प्रति कुदरत आश्वस्त रहती है, तो हममें यह आश्वासन का भाव क्यों नहीं होना चाहिए? लोग अक्सर बड़े सिद्धांतों में उलझ जाते हैं। सोशल मीडिया के दौर में यह सब अधिक हो गया है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

गिग-इकोनॉमी में सहकारिता की दस्तक

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

भारत टैक्सी को लेकर इस समय चर्चा आम है। कोई इसे ओला-उबर जैसी सेवाओं का सरकारी विकल्प बता रहा है, कोई गिग-इकोनॉमी में सरकार का एक प्रयास, तो कोई इसे टैक्सी बाज़ार में अनावश्यक सरकारी दखल कहकर खारिज कर देना चाहता है। इस शोर के बीच सबसे ज़रूरी बात यह है कि इस पहल को भावनात्मक या राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि उसके संस्थागत ढांचे, आर्थिक तर्क और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर समझा जाना चाहिए।

सहकारिता मंत्रालय के अधीन गठित सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा संचालित 'भारत टैक्सी' किसी निजी स्टार्ट-अप का विस्तार नहीं, बल्कि सहकारिता ढांचे में ऐप-आधारित राइड-हेलिंग का एक संस्थागत प्रयोग है। यह संस्था जून 2025 में मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटीज़ एक्ट, 2002 के तहत पंजीकृत हुई और कई बड़े सहकारी संगठनों की भागीदारी से इसका गठन हुआ। दिसंबर 2025 से यह दिल्ली-एनसीआर और गुजरात के कुछ शहरों में पायलट रूप में चल रही थी, जहां मंत्रालय के अनुसार रोज़ाना दस हज़ार से अधिक राइड पूरी हो रही थीं।

भारत टैक्सी के व्यावसायिक मॉडल का मूल अंतर उसके स्वामित्व ढांचे में है। निजी टैक्सी प्लेटफॉर्मों जैसे कि ओला-ऊबर में स्वामित्व निवेशकों के पास होता है और ड्राइवर स्वतंत्र कॉन्ट्रैक्टर के रूप में काम करते हैं। भारत टैक्सी में पंजीकृत ड्राइवरों, जिन्हें 'सारथी' कहा गया है, को सहकारी संस्था के सदस्य और शेयरधारक का दर्जा दिया जाने की बात कही गई है। न्यूनतम शेयर पूंजी के साथ वे संस्था में भागीदारी प्राप्त करते हैं और प्रतिनिधियों के चुनाव में हिस्सा लेते हैं। इसका अर्थ यह है कि प्लेटफॉर्म के स्वामित्व और लाभ के ढांचे में ड्राइवर को संस्थागत हिस्सेदारी देने का प्रयास किया गया है।

> सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा संचालित 'भारत टैक्सी' किसी निजी स्टार्ट-अप का विस्तार नहीं, बल्कि सहकारिता ढांचे में ऐप-आधारित राइड-हेलिंग का एक संस्थागत प्रयोग है।

निजी प्लेटफॉर्म आम तौर पर प्रति राइड कमीशन पर आधारित होते हैं, जो कई बार 15 से 30 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। भारत टैक्सी का घोषित ढांचा कमीशन-मुक्त है। कहा जा रहा है कि ड्राइवर से केवल सीमित सदस्यता शुल्क लिया जाएगा और किराये की पूरी राशि उसके खाते में जाएगी। सहकारी संस्था के पास जो अधिशेष रहेगा, वह भी अंततः सदस्यों की सामूहिक पूंजी का हिस्सा होगा। आय-वितरण के इस ढांचे का सीधा उद्देश्य ड्राइवर की शुद्ध आय बढ़ाना और प्लेटफॉर्म-लाभ में उसकी हिस्सेदारी सुनिश्चित करना है, हालांकि, केवल सदस्यता शुल्क से तकनीकी अवसंरचना का खर्च निकालना प्रबंधन के लिए एक चुनौती हो सकती है, जिसका उत्तर परिचालन के विस्तार में छिपा है।

यात्रियों के दृष्टिकोण से सबसे महत्वपूर्ण पहलू किराया-प्रणाली है। ऐप-आधारित सेवाओं की सबसे बड़ी आलोचना डायनेमिक या सर्ज प्राइसिंग को लेकर रही है, जिसमें मांग बढ़ने पर किराया कई गुना तक बढ़ जाता है। फिलहाल भारत टैक्सी में एल्गोरिद्मिक सर्ज प्राइसिंग नहीं रखने की नीति घोषित की गई है। इसके स्थान पर पारंपरिक मीटर-मॉडल की तरह सीमित कंजेशन सरचार्ज का प्रावधान है। उपलब्ध टैरिफ-संरचना के अनुसार न्यूनतम किराया, प्रति किलोमीटर दर, पिक-अप चार्ज और वेटिंग चार्ज पहले से निर्धारित हैं, जिससे किराये की पूर्वानुमेयता बढ़ती है।

प्रारंभिक आकलनों में यह अनुमान व्यक्त किया गया है कि कमीशन-मुक्त मॉडल के कारण किराये प्रतिस्पर्धी ऐप्स से कम हो सकते हैं, विशेषकर पीक आवर्स में। परंतु यह केवल अनुमानित तुलना है; किसी भी निष्कर्ष के लिए दीर्घकालिक परिचालन डेटा ही निर्णायक होगा। परिवहन-अर्थशास्त्र में वास्तविक लागत, राइड-वॉल्यूम और परिचालन दक्षता ही किराये के स्थायित्व को तय करते हैं।

ड्राइवर कल्याण के संदर्भ में भी कुछ ठोस प्रावधान सामने आए हैं। दुर्घटना और स्वास्थ्य बीमा कवर, ई-श्रम पंजीकरण तथा सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं से जुड़ाव जैसे कदम गिग-वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा का औपचारिक ढांचा तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण माने जा सकते हैं। भारत में गिग-इकोनॉमी का विस्तार तेज़ हुआ है, पर सामाजिक सुरक्षा उसी अनुपात में विकसित नहीं हो पाई। इस दृष्टि से यह मॉडल नीति-स्तर पर एक संरचनात्मक हस्तक्षेप का संकेत देता है।

इस सेवा की एक और उल्लेखनीय विशेषता इसका सार्वजनिक परिवहन तंत्र से संस्थागत एकीकरण का प्रयास भी शामिल है। मेट्रो स्टेशनों, एयरपोर्ट और अन्य परिवहन केंद्रों के साथ समझौतों के माध्यम से इसे फर्स्ट-माइल और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी का औपचारिक हिस्सा बनाने की योजना बनाई गई है, हालांकि प्रतिस्पर्धा का संदर्भ भी उतना ही स्पष्ट है। निजी प्लेटफॉर्म वर्षों का परिचालन अनुभव, विशाल पूंजी, डेटा-आधारित एल्गोरिद्म और व्यापक उपयोगकर्ता आधार लेकर इस क्षेत्र में स्थापित हैं। किसी भी नए प्लेटफॉर्म के लिए सेवा-गुणवत्ता, ऐप-स्थिरता, राइड-मैचिंग और ड्राइवर-उपलब्धता के समान स्तर तक पहुंचना एक कठिन प्रक्रिया होती है। सहकारी ढांचे की सफलता भी इस बात पर निर्भर करेगी कि निर्णय-प्रक्रिया कितनी पारदर्शी और सदस्य-केंद्रित रहती है।

तथ्यों के आधार पर भारत टैक्सी को न तो तात्कालिक क्रांति कहा जा सकता है और न ही इसे साधारण सरकारी हस्तक्षेप के रूप में खारिज किया जा सकता है। इस प्रयोग का वास्तविक मूल्यांकन कुछ ठोस मापदंडों पर होगा। ड्राइवर की वास्तविक आय और सामाजिक सुरक्षा में परिवर्तन, यात्रियों के लिए किराया-स्थिरता और सेवा-गुणवत्ता, तथा सार्वजनिक परिवहन तंत्र के साथ इसका व्यावहारिक एकीकरण। यही वे संकेतक हैं, जो आने वाले समय में तय करेंगे कि भारत टैक्सी भारतीय शहरी परिवहन में संरचनात्मक बदलाव लाती है या केवल विकल्पों की सूची में एक और ऐप जोड़ती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

आमने सामने

केरल भारत का एकमात्र राज्य है, जो गांधी जी के पदचिह्नों पर आगे बढ़ा है, जिसकी तरक्की हुई है। केरल असल में पंचायती राज वाला पहला राज्य है। वहीं कानून के मामले में देश का दूसरा सबसे अच्छा राज्य है। मुख्यमंत्री विजयन आगामी विधानसभा चुनाव में अपना पद बनाए रखेंगे।
-मणिशंकर अय्यर
कांग्रेस नेता

केरल के लोग ज्यादा जिम्मेदार और जवाबदेह शासन के लिए यूडीएफ को राज्य की सत्ता में वापस लाएंगे। इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए। वे यह भी जानते हैं कि एलडीएफ और बीजेपी गुप्त पार्टनर हैं।
-जयराम रमेश
कांग्रेस नेता

राज्यपाल का अभिभाषण व संवैधानिकता

डॉ. कैलाश चंद सैनी
पूर्व मुख्य अंकेक्षण एवं संदर्भ अधिकारी
राजस्थान विधानसभा

भारतीय संसदीय लोकतंत्र में राज्यपाल का पद केवल औपचारिकता का प्रतीक नहीं, बल्कि संघीय संतुलन और संवैधानिक निरंतरता का आधार स्तंभ है। संविधान निर्माताओं ने इस पद की परिकल्पना एक ऐसे तटस्थ अभिभावक के रूप में की थी, जो निर्वाचित सरकार और संघ के मध्य समन्वय का सेतु बने। इस पद की गरिमा निष्पक्षता और संवैधानिक मर्यादा में निहित है, किंतु वर्तमान में विभिन्न राज्यों, विशेषकर केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक के घटनाक्रमों ने इस भूमिका को पुनः विमर्श के केंद्र में ला दिया है।

कर्नाटक में राज्यपाल द्वारा संयुक्त सत्र के अभिभाषण की केवल दो पंक्तियां पढ़कर सदन से प्रस्थान करना, तमिलनाडु में मंत्रिपरिषद द्वारा अनुमोदित अभिभाषण के कुछ अंशों को छोड़ना और केरल में नीतिगत असहमति व्यक्त करना- ये प्रसंग स्थापित संवैधानिक परंपराओं से विचलन के स्पष्ट संकेत हैं। इन घटनाओं से यह आभास होता है कि राज्यपाल स्वयं को निर्वाचित सरकार के समानांतर एक शक्ति-केंद्र के रूप में देख रहे हैं। यह प्रवृत्ति न केवल संसदीय शिष्टाचार के प्रतिकूल है, बल्कि संघीय ढांचे के भी प्रतिकूल प्रतीत होती है।

संविधान का अनुच्छेद 176 अनिवार्य करता है कि राज्यपाल प्रत्येक वर्ष के प्रथम सत्र तथा आम चुनाव के बाद प्रथम बैठक में विधानमंडल को संबोधित करेंगे। यह अभिभाषण राज्य सरकार की उपलब्धियों और भावी कार्यक्रमों का नीति वक्तव्य होता है। अनुच्छेद 176 के अनुसार राज्यपाल अभिभाषण एक संवैधानिक दायित्व है, जो पूर्णतः मंत्रिपरिषद की सलाह पर आधारित होता है। राज्यपाल यहां राज्य सरकार के संवैधानिक संवाहक की भूमिका निभाते हैं।

> भारतीय संसदीय लोकतंत्र में राज्यपाल का पद संघीय संतुलन और संवैधानिक निरंतरता का आधार स्तंभ है।

इसके साथ ही, अनुच्छेद 159 के तहत राज्यपाल संविधान की रक्षा और संरक्षण की शपथ लेते हैं। संसदीय लोकतंत्र की मर्यादा यह है कि राज्यपाल सरकार के नीतिगत विजन से निजी तौर पर असहमत होने के बावजूद उसे पढ़ने के लिए बाध्य हैं, क्योंकि वह दस्तावेज उस जनादेश का प्रतिनिधित्व करता है, जो जनता ने सरकार को दिया है। जब राज्यपाल इसे परिवर्तित या संक्षिप्त करते हैं या पढ़ने से इनकार करते हैं, तो वे परोक्ष रूप से उस लोकतांत्रिक जनादेश का अनादर कर रहे होते हैं।

राज्यपाल की शक्तियों और सीमाओं पर न्यायपालिका ने अक्सर मार्गदर्शक रेखाएं खींची हैं। शमशेर सिंह बनाम पंजाब राज्य (1974) के ऐतिहासिक मामले में सात न्यायाधीशों की पीठ ने स्थापित किया था कि राज्यपाल, राष्ट्रपति की भांति ही अपनी शक्तियों का प्रयोग मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर ही करेंगे। इसी प्रकार, नबाम रेबिया प्रकरण (2016) में सर्वोच्च न्यायालय ने पुनः रेखांकित किया कि राज्यपाल अपनी व्यक्तिगत इच्छा या राजनीतिक पसंद के आधार पर निर्वाचित सरकार के नीतिगत कार्यों में हस्तक्षेप नहीं कर सकते। न्यायालय का मत रहा है कि अभिभाषण जैसे मामलों में राज्यपाल के पास कोई विवेकाधीन शक्ति नहीं होती; उन्हें मंत्रिपरिषद द्वारा तैयार मसौदे को ही पढ़ना होता है।

सरकारिया आयोग (1988) और पुंछी आयोग (2010) ने राज्यपाल के पद की निष्पक्षता को सुदृढ़ करने की दृष्टि से यह अनुशंसा की थी कि राज्यपाल की नियुक्ति की प्रक्रिया में संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री से परामर्श लेना अनिवार्य होना चाहिए। इससे पद की स्वीकार्यता बढ़ती है और राजभवन व मुख्यमंत्री सचिवालय के बीच अनावश्यक टकराव की संभावना कम होती है। वर्तमान परिस्थितियां इंगित करती हैं कि इन सुझावों की अनदेखी ने ही इस पद को अक्सर राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का उपकरण बना दिया है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान सभा में 'संवैधानिक नैतिकता' की अवधारणा पर जोर देते हुए कहा था कि किसी संविधान की सफलता केवल उसके लिखित प्रावधानों पर नहीं, बल्कि उन मर्यादाओं और आत्मसंयम पर निर्भर करती है, जिन्हें पदों पर आसीन व्यक्ति अपनाते हैं। यह दृष्टिकोण आज और भी प्रासंगिक हो गया है। राज्यपाल का पद राजनीतिक संघर्ष का केंद्र नहीं बनना चाहिए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा इस परंपरा को समाप्त करने के लिए संविधान संशोधन का सुझाव और कर्नाटक में सुप्रीम कोर्ट की राय लेने पर विचार, यह स्पष्ट करता है कि विवाद अब केवल राजनीतिक मतभेद तक सीमित नहीं रहा। यह संघीय ढांचे के भीतर उभरते एक बड़े संवैधानिक टकराव का पूर्व संकेत है। समाधान राज्यपाल के पद को समाप्त करने में नहीं, बल्कि उसे उसकी मूल भावना में पुनर्स्थापित करने में निहित है।

संवैधानिक पदों की प्रभावशीलता विधिक प्रावधानों के साथ-साथ संस्थागत संयम पर टिकी होती है। राजभवन और निर्वाचित सरकारों के बीच मतभेदों को सार्वजनिक रूप से उजागर करने के बजाय बंद कमरों में संवैधानिक संवाद के माध्यम से सुलझाना चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

गोंडवाना जंक्शन

मैं कन्याकुमारी की यात्रा पर गया। यह एक सुनियोजित यात्रा थी, या यूं कहिए कि कन्याकुमारी मुझे बुला रही थी। मुझे भी लगने लगा कि यह संभवतः मेरा सबसे लंबा प्रवास हो। अमूमन मैं लंबा प्रवास नहीं करता, लेकिन स्वामी विवेकानंद रॉक पर खड़े होकर समुद्रों के भिन्न-भिन्न रंग यह अहसास दिला गए कि जब संस्कृति बदलती है, जल के रंग भी बदल जाते हैं। इस स्थान को ही गोंडवाना जंक्शन कहते हैं। यही वह स्थान है, जहां से गोंडवाना के तीन बंधु हमेशा के लिए बिछड़ गए। अगर जंबूद्वीप का इतिहास समझना है, तो हमें एक बार इस पत्थर पर खड़ा होना ही होगा।

प्रवीण कुमार झा
लेखक

11.8 करोड़ वर्ष पूर्व एक ज्वालामुखी विस्फोट के बाद ऑस्ट्रेलिया और अंटार्कटिका भारत से अलग हो गए। इसी घटना से शिलॉन्ग, राजमहल, सिलहट (बांग्लादेश) की पहाड़ियां बनीं। 8.8 करोड़ वर्ष पूर्व मेडागास्कर पूरी तरह अलग हो गया और भारत समुद्र में विचरण करता स्वतंत्र द्वीप बन गया।

मेडागास्कर से अलग होने के बाद भारत लगभग 18-20 सेमी प्रति वर्ष की गति से पूर्व की ओर जाने लगा। यह किसी जहाजी यात्रा से कम नहीं थी। मुझे उस वक्त की कल्पना कर 'लाइफ़ ऑफ़ पाई' फ़िल्म याद आ गई। तमाम जंगल और डायनासॉर लिए भारत अकेला समुद्र में विचरण कर रहा था।

यहां एक बात बतानी जरूरी है कि C आकार के पैन्जिया के मध्य जो समुद्र था, वह टेथीज़ सागर कहलाता था। अब जब सभी द्वीप बिखर गए, तो वहां खुला समुद्र रह गया। भारत इसी समुद्र में आगे बढ़ रहा था, जो अब हिंद महासागर कहलाता है। अगर भारत को एक जहाज मानें, तो इसका अगला नुकीला हिस्सा आज का सिंध और कच्छ का हिस्सा था।

भारत जैसे ही मेडागास्कर से कुछ दूर आज के रियूनियन द्वीप तक पहुंचा कि अचानक जैसे लक्ष्मण-रेखा पर पैर रख दिया। ज्वालामुखी विस्फोट होने लग गए, बल्कि इन विस्फोटों से ही वह रियूनियन द्वीप बन कर तैयार हुआ। अगर भारत वहां से न गुजरता तो यह खूबसूरत स्थान ही न होता। यह विडंबना है कि इसी द्वीप पर सदियों बाद भारत से बंधुआ मजदूर ले जाए गए, जिसका विवरण मैंने 'कुली लाइन्स' पुस्तक में दिया है। लगभग 6.8 करोड़ वर्ष पूर्व यह विस्फोट शुरू हुआ और अगले 40 लाख वर्षों तक चलता रहा। भारत ने इतने घाव झेले कि लगभग संपूर्ण जीवन खत्म हो गया। डायनासॉर युग भी इसके साथ ही खत्म हो गया।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

ब्रह्मपुत्र पुल व अंडरवाटर टनल बनेगा विकास सेतु

असम की धरती पर जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी की जनसभा में भारत माता की जय का उद्घोष किया, तो वह केवल एक राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि उत्तर–पूर्व के विकास को लेकर केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का संदेश भी था। उनके संबोधन में संगठन की शक्ति, कार्यकर्ताओं के समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प की झलक दिखाई दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 2014 के बाद उत्तर–पूर्व को प्राथमिकता दी गई है और यह क्षेत्र अब विकास की मुख्यधारा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। असम, जो लंबे समय तक भौगोलिक दूरी और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण पिछड़ा माना जाता था, आज बड़े प्रोजेक्ट्स के जरिए नए युग में प्रवेश कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने ब्रह्मपुत्र नदी पर बने 6-लेन के आधुनिक पुल कुमार भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन किया। लगभग 3,030 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह पुल गुवाहाटी और नॉर्थ गुवाहाटी को जोड़ता है। यह पूर्वोत्तर भारत का पहला एक्स्ट्राडोज्ड पुल है, जो इंजीनियरिंग की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके बन जाने से दोनों शहरों के बीच यात्रा समय घटकर मात्र सात मिनट रह जाएगा। इससे न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। ब्रह्मपुत्र, जो असम की जीवनरेखा है, अब विकास का सेतु बन चुकी है।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में यह भी उल्लेख किया कि पिछले वर्षों में उत्तर–पूर्व के 125 से अधिक महान व्यक्तित्वों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि इस क्षेत्र की प्रतिभा और सांस्कृतिक समृद्धि को राष्ट्रीय मंच पर उचित पहचान मिल रही है। लंबे समय तक उपेक्षित रहे इस भूभाग को अब देश के विकास मानचित्र में प्रमुख स्थान दिया जा रहा है।

विकास की इसी कड़ी में केंद्र सरकार ने एक और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे देश की पहली ट्विन-ट्यूब अंडरवाटर रेल एवं सड़क टनल को मंजूरी दी है। यह परियोजना गोहपुर और नुमालीगढ़ के बीच बनाई जाएगी। लगभग 15.8 किलोमीटर लंबी यह टनल तकनीकी दृष्टि से अत्यंत जटिल और महत्वाकांक्षी है। पूरे प्रोजेक्ट, जिसमें अप्रोच रोड और रेलवे ट्रैक भी शामिल हैं, की लंबाई 33.7 किलोमीटर होगी और इस पर लगभग 18,600 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

इस टनल के बन जाने से वर्तमान में 240 किलोमीटर की दूरी घटकर लगभग 34 किलोमीटर रह जाएगी। इससे न केवल समय और ईंधन की बचत होगी, बल्कि क्षेत्रीय संपर्क भी सुदृढ़ होगा। यह परियोजना सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आपात स्थिति में सेना और आवश्यक संसाधनों की तेजी से आवाजाही संभव हो सकेगी। एक ट्यूब में सिंगल रेल ट्रैक की सुविधा होगी और ट्रेनें बिजली से संचालित होंगी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसे इस प्रकार डिजाइन किया जाएगा कि ट्रेन के गुजरने के दौरान सड़क यातायात नियंत्रित रहेगा। इसमें बैलिस्टिक ट्रैक जैसी आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जो इसे अत्याधुनिक संरचना बनाता है।

इन परियोजनाओं का महत्व केवल यातायात सुविधा तक सीमित नहीं है। उत्तर–पूर्व भारत लंबे समय से भौगोलिक अलगाव और सीमित बुनियादी ढांचे के कारण आर्थिक रूप से पीछे रहा है। जब मजबूत पुल, आधुनिक सड़कें और सुरक्षित रेल नेटवर्क तैयार होते हैं, तो वे केवल दो स्थानों को नहीं जोड़ते, बल्कि संभावनाओं को जोड़ते हैं। इससे उद्योग, कृषि, पर्यटन और छोटे व्यवसायों को नई ऊर्जा मिलती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

अमृत विचार

अंतस

यदि हम अपने पौराणिक इतिहास का दृष्यावलोकन करें, तो सबसे बड़े दानी के रूप में हमारे सामने कर्ण का नाम आता है- कर्ण से जिसने जो मांगा, उसने वह उसको दान में दिया, परंतु यहां हम देखते हैं कि कर्ण ने सदैव अर्थ का ही दान किया, परंतु वो योद्धा जो सर्वशक्तिमान था, धर्म का ज्ञाता था, जिसने अपने शीश तक का दान दे दिया, ऐसा अभूतपूर्व परमवीर योद्धा- एक मात्र और केवल एक बर्बरीक हुए हैं। बर्बरीक भी कर्ण के काल में ही पैदा हुए और कर्ण के साथ ही महाभारत युद्ध में अप्रकट भी हो गए।

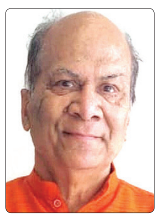

अशोक सूरी
आध्यात्मिक लेखक

स्कंद पुराण में उल्लेख

बर्बरीक कुंती पुत्र महाबली भीम के पौत्र और अति बलशाली मायावी घटोत्कच के पुत्र थे। इनकी मां का नाम नागकन्या अहिलावती (कहीं-कहीं मोरवी) था। भारतीय पौराणिक परंपरा में कुछ पात्र ऐसे हैं, जो ग्रंथों में तो बहुत सीमित रूप से दिखाई देते हैं, परंतु लोक गाथाओं में विशाल स्वरूप धारण कर लेते हैं। बर्बरीक ऐसा ही एक नाम है, जो महाभारत के युद्ध में बिना कोई अस्त्र उठाए इतिहास में अमर हो गए। आगे चलकर यही वीर बर्बरीक खाटू श्याम के रूप में लोक आस्था का केन्द्र बने और घर-घर पूजे जाने लगे। बर्बरीक की कथा मुख्य रूप से स्कंद पुराण के कौमारिका एवं रेवा खंड में मिलती है, परंतु यहां भी बर्बरीक नाम का उल्लेख नहीं मिलता है। वर्तमान में उपलब्ध स्कंद पुराण के अवंती खंड/ रेवा खंड में श्याम/श्यामदेव की कथा का संकेत है, जिसको कलियुग में पूजे जाने का वरदान भगवान श्री कृष्ण ने दिया है और शीशदान की स्वीकृति प्रदान की है।

प्रचलित श्लोक

शीशं मे देवदेवेश गृहाण पुरुषोत्तम। युद्ध दर्शनमिच्छामि तव प्रसादान्महामुने।। अर्थात हे पुरुषोत्तम मेरा यह शीश स्वीकार कीजिए एवं मैं आपकी कृपा से इस महायुद्ध का साक्षी बनना चाहता हूं। इसके अलावा एक और श्लोक आता है कि कलौ त्वं श्यामनामा पूज्यः सर्वजन प्रियः। भविष्यसि महामात्र भक्तानां फलदायकः।। अर्थात कलयुग में तुम श्याम नाम से पूजे जाओगे और तुम सबके प्रिय और भक्तों को वांछित फल प्रदान करने वाले होगे। पूर्व में आप श्याम के नाम से ही जाने जाते रहे और इसी नाम से आपका पूजन भी होता रहा।

बर्बरीक: करुणा, त्याग और धर्म-संतुलन का अमर प्रतीक

महाभारत का मौन साक्षी

पौराणिक कथाओं के अनुसार बर्बरीक एक अद्भुत वीर थे, जिन्होंने देवी की घनघोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर देवी ने भगवान शिव से बर्बरीक को वरदान देने की प्रार्थना की। भगवान शिव ने बर्बरीक को तीन अचूक बाण प्रदान किए। ये सामान्य बाण नहीं, बल्कि दिव्य और चेतन अस्त्र थे, जो युद्धभूमि में स्वयं ही शत्रु और मित्र का भेद कर सकते थे। इन्हीं बाणों के कारण बर्बरीक अपार शक्ति के स्वामी बने और एक श्रेष्ठ वीर के रूप में विख्यात हुए। बर्बरीक की विशेषता केवल उनकी शक्ति नहीं थी, बल्कि उस शक्ति पर उनका विवेकपूर्ण नियंत्रण भी था। जब उनकी माताश्री को अपने पुत्र की अद्भुत सामर्थ्य का ज्ञान हुआ, तो उन्होंने उससे एक ही प्रतिज्ञा करवाई-कि वह इन बाणों का उपयोग केवल असहाय और कमजोर समाज की रक्षा के लिए करेगा। उन्होंने पुत्र से यह भी कहा कि उसे सदैव युद्ध में हारने वाले पक्ष का साथ देना होगा। बर्बरीक ने मां की इस आज्ञा और प्रतिज्ञा का जीवनपर्यंत पालन किया। इसी कारण वे "हारे का सहारा" कहे गए।

घटोत्कच की मृत्यु के बाद बर्बरीक ने युद्ध में जाने की अनुमति मांगी। मां ने उन्हें विदा करते समय फिर से उनकी प्रतिज्ञा स्मरण कराई। महाभारत के युद्ध में उस समय कौरवों की स्थिति कमजोर थी और वे पराजय के निकट थे। अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार बर्बरीक ने कौरवों के पक्ष में युद्ध करने का निर्णय लिया। परंतु यह स्थिति धर्म के संतुलन के लिए घातक थी। भगवान श्रीकृष्ण, जो पांडवों के पक्ष में थे, बर्बरीक की शक्ति और उनकी प्रतिज्ञा को भली-भांति समझ गए। उन्होंने बर्बरीक से युद्ध में आने का कारण पूछा। बर्बरीक ने स्पष्ट किया कि वह सदैव हारने वाले का साथ देता है। यह भाव करुणा से उपजा था, किंतु धर्म की दृष्टि से विनाशकारी हो सकता था।

श्रीकृष्ण ने बर्बरीक की शक्ति की परीक्षा ली, जिसमें वे पूर्णतः सफल हुए। तब भगवान को एक कठोर और अप्रिय निर्णय लेना पड़ा। ब्राह्मण के वेश में उन्होंने बर्बरीक से शीश का दान मांगा। महादानी बर्बरीक ने दान स्वीकार किया, परंतु पहले भगवान का वास्तविक स्वरूप देखने की इच्छा प्रकट की। श्रीकृष्ण के दर्शन के बाद बर्बरीक ने कहा कि अब जीवन का कोई प्रयोजन नहीं बचा। उन्होंने केवल एक इच्छा रखी-युद्ध को अंत तक देखने की। भगवान के "एवमस्तु" कहते ही बर्बरीक ने अपना शीश अर्पित कर दिया। श्रीकृष्ण ने उस शीश को एक ऊंचे टीले पर स्थापित किया, जहां से वह संपूर्ण युद्ध देख सका। इस महान त्याग के फलस्वरूप भगवान ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि कलियुग में वे उनके ही नाम "श्याम" से पूजे जाएंगे। यही श्याम आगे चलकर खाटू श्याम के रूप में विख्यात हुए।

राजस्थान के सीकर में प्रमुख धाम

राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू उनका प्रमुख धाम है- जहां श्याम केवल एक पौराणिक स्मृति नहीं, बल्कि लोक आस्था के जीवंत देवता हैं। लोक कथाओं में प्रचलित है कि बर्बरीक के शीश का खाटू में प्राकट्य हुआ था। खाटू श्याम की विषेशता यह है कि यहां श्याम राजा नहीं, सेवक के रूप में पूजे जाते हैं, जबकि द्वारका में द्वारिकाधीश के रूप में पूजे जाते हैं। खाटू श्याम युद्ध जिताने वाले देव नहीं हैं, अपितु संकट में साथ देने वाले आराध्य हैं। लोक कथाओं के अनुसार खाटू के राजा रूपसिंह की पत्नी नर्मदा कंवर को स्वप्न में भगवान के शीश के प्रकट होने का आभास हुआ था, जिसके बाद राजा रूपसिंह चौहान ने सन् 1027 ई. में इस स्थान पर प्रथम मंदिर का निर्माण करवाया। इसके उपरांत सन् 1727 में मारवाड़ के दीवान अभय सिंह ने मंदिर का भव्य जीणोद्धार करवाया। मंदिर के निर्माण में मकराना के प्रसिद्ध सफेद संगमरमर का उपयोग हुआ है तथा गर्भगृह के दरवाजों की परतों को चांदी से मढ़ा गया है। मंदिर के पास ही श्याम कुंड स्थित है, जहां बाबा का पावन शीश प्रकट हुआ था। श्याम बाबा का पूजन गंध, पुष्प, धूप, दीप एवं भोग से किया जाता है। बाबा को भोग में विशेष रूप से चूरमा मिश्री मावा, खीर या पेड़े का भोग लगाया जाता है। बाबा को मुख्य रूप से ध्वजा को विजय प्रतीक के रूप में अर्पित करते हैं। भक्तों को मोरछड़ी से आशीर्वाद प्राप्त होता है। 21 फरवरी से 28 फरवरी तक खाटूश्याम जी मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास से परिपूर्ण फाल्गुन लक्खी मेले का आयोजन किया जाएगा।

पौराणिक कथा

सुदामा और भगवान श्रीकृष्ण की माया

एक बार सुदामा ने श्रीकृष्ण से जिज्ञासावश पूछा, "कान्हा, मैं आपकी माया के दर्शन करना चाहता हूं। माया वास्तव में होती कैसी है?" श्रीकृष्ण यह प्रश्न टालना चाहते थे, पर सुदामा की जिद के आगे मुस्कराते हुए बोले, "अच्छा, समय आने पर तुम्हें स्वयं दिखा दूंगा।" एक दिन कृष्ण ने कहा, "सुदामा, आओ, गोमती में स्नान करने चलें।" दोनों गोमती नदी के तट पर पहुंचे, वस्त्र उतारकर जल में उतरे। कुछ ही क्षणों में श्रीकृष्ण स्नान कर तट पर लौट आए और अपना पीतांबर पहनने लगे। सुदामा ने सोचा-मैं भी एक डुबकी और लगा लेता हूं। जैसे ही उसने डुबकी लगाई, भगवान ने उसे अपनी माया के दर्शन करा दिए। सुदामा को लगा कि गोमती में अचानक बाढ़ आ गई है और वह बहता जा रहा है। किसी तरह वह एक घाट के पास रुका और बाहर निकला। चारों ओर एक अनजान नगरी थी। वह आगे बढ़ा तो देखा-एक हथिनी आई और उसके गले में फूलों की माला डाल गई। लोग इकट्ठे हो गए और बोले, "हमारे राजा का देहांत हो गया है। परंपरा है कि हथिनी जिसके गले में माला डाल दे, वही राजा होता है। अब आप हमारे राजा हैं।"

सुदामा आश्चर्यचकित रह गया। उसका राजतिलक हुआ, राजकन्या से विवाह हुआ और समय के साथ उसके दो पुत्र भी हुए। जीवन सुख से चल रहा था कि एक दिन उसकी पत्नी गंभीर रूप से बीमार पड़ी और अंततः चल बसी। सुदामा शोक में डूब गया। तभी लोगों ने कहा, "मायापुरी का नियम है-राजा को अपनी रानी के साथ चिता में प्रवेश करना होता है।"

यह सुनते ही सुदामा घबरा गया। उसे लगा- मेरी तो मृत्यु नहीं हुई, फिर मैं क्यों जलूं? अब उसे पत्नी का शोक भूलकर अपनी ही चिंता सताने लगी। उसने कहा, "मैं इस नगरी का निवासी नहीं हूं।" पर कोई नहीं माना। अंत में उसने विनती की-"मृत्यु से पहले मुझे स्नान करने दो।" पहरे के साथ उसे नदी तक ले जाया गया। डर से कांपते हुए सुदामा ने जैसे ही जल में डुबकी लगाई और बाहर आया- मायानगरी लुप्त थी। सामने वही गोमती तट था और श्रीकृष्ण अभी भी पीतांबर पहन रहे थे। सुदामा फूट-फूट कर रोने लगा।

श्रीकृष्ण ने अनजान बनते हुए पूछा, "सुदामा, क्यों रो रहे हो?" सुदामा बोला, "प्रभु, जो मैंने देखा- वह सत्य था या यह?" कृष्ण मुस्कराए-"जो देखा, भोगा वह माया थी, स्वप्न था। सत्य तो मैं हूं। माया अज्ञान है, आत्म-विस्मरण है। जो मुझे जान लेता है, उसे माया बांध नहीं पाती।" सुदामा समझ गया और जो समझ गया, वह श्रीकृष्ण से भिन्न कैसे रह सकता है।

बोधकथा

ईमानदारी का फल

एक था चेकपोस्ट का अधिकारी, धीरज। वह अत्यंत ईमानदार, संतोषी और कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति था। भ्रष्टाचार के इस युग में ऐसे व्यक्ति का जीवन आसान नहीं होता। चारों ओर से समझौते की नीति अपनाने का दबाव रहता, छोटे-बड़े लोग तरह-तरह से उसे प्रभावित करने का प्रयास करते, परंतु धीरज अपने सिद्धांतों पर अडिग रहा। बार-बार होने वाले स्थानांतरण उसकी दिनचर्या का हिस्सा बन चुके थे, किंतु उसने कभी शिकायत नहीं की।

एक बार उसने तस्करी का एक बड़ा माल पकड़ा। माल का मालिक एक प्रभावशाली व्यापारी था, जिसके संबंध बड़े-बड़े राजनेताओं और अधिकारियों से थे। पहले तो उसने धीरज को प्रलोभन देने का प्रयास किया और यहां तक कह दिया कि यदि वह आंख मूंद ले तो पचास लाख रुपये देने को तैयार है, पर धीरज तनिक भी विचलित नहीं हुआ। इसके बाद नेताओं और मंत्रियों के फोन आने लगे, दबाव डाला जाने लगा, किंतु उसने किसी की नहीं सुनी। उसने नियमों के अनुसार चालान किया और पूरा माल जब्त कर लिया। मामला न्यायालय पहुंचा, परंतु धन और प्रभाव के बल पर केस शीघ्र ही खारिज हो गया। ऊपर से मंत्रियों की नाराजगी का परिणाम यह हुआ कि धीरज को अपनी नौकरी से भी हाथ धोना पड़ा। इतनी बड़ी क्षति के बाद भी वह टूटा नहीं। उसका आत्मसम्मान और ईमानदारी आज भी उतनी ही दृढ़ थी। कुछ समय बाद एक बड़े उद्योगपति को इस पूरी घटना की जानकारी मिली। उसने धीरज को बुलाया और उसकी निष्ठा से प्रभावित होकर अपनी कंपनी में सर्वोच्च पद पर सम्मान सहित नियुक्त कर लिया। यहां उसे न केवल पहले से अधिक वेतन मिला, बल्कि सभी आवश्यक सुविधाएं भी प्राप्त हुईं। धीरज अब पहले से भी अधिक सतर्क और जिम्मेदार हो गया। वह मालिक के हितों की रक्षा करता और अधीनस्थ कर्मचारियों के अधिकारों तथा कल्याण का विशेष ध्यान रखता।

प्रत्येक माह वह सभी कर्मचारियों की बैठक करता, जिसमें कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी, संतोष और परोपकार जैसे मूल्यों पर चर्चा करता। उसके नेतृत्व में कंपनी निरंतर उन्नति करने लगी। एक दिन उसने उद्योगपति को धन की असारता का बोध कराते हुए शिक्षा, चिकित्सा और असहायों की सहायता के लिए एक ट्रस्ट बनाने का सुझाव दिया। उद्योगपति ने सहर्ष यह प्रस्ताव स्वीकार किया और धीरज को ही ट्रस्ट का सचिव बना दिया। अब कंपनी की आय का एक निश्चित अंश लोककल्याण के कार्यों में व्यय होने लगा। ठीक ही कहा गया है-धन तो बहुतों को मिल जाता है, पर उसका सदुपयोग वही कर पाता है, जिसके जीवन में ईमानदारी और पुण्य का प्रकाश हो।

क्यों लगता है मृत्यु से डर

मृत्यु जीवन का विश्राम स्थली हैं, जहां जीवात्मा अपनी थकान दूर करती, नये जीवन के लिए शक्ति प्रदान करती है। थकान दूर करने के लिए विश्राम तो नित्य ही करते हैं। पुनः नई शक्ति एवं स्फूर्ति से दैनिक कार्यों में जुड़ जाते हैं। विश्रामावधि में जाने में ना तो डर लगता है, ना ही किसी प्रकार की कठिनाई अनुभव होती है। विश्राम के अभाव में तो व्यय हुई शक्ति की आपूर्ति नहीं हो पाती। काया कमजोरी तथा श्रम के अयोग्य हो जाती है। जीवन भर की थकान को मिटाने के लिए भावी जीवन के लिए शक्ति प्राप्त करने के उद्देश्य से मृत्यु रूपी विश्राम अवधि भी उतनी ही आवश्यक है। काया-परिवर्तन इसलिए आवश्यक हो जाता है कि लंबी अवधि तक श्रम करने के कारण वह इस योग्य नहीं रहती कि कठोर श्रम कर सके। पुराने फटे वस्त्रों को बदलकर, नये पहन लिए जाते हैं। जर्जर हो गई मशीनों को पूर्ण रूपेण परिवर्तित कर देना ही उचित होता है।

शिवानंद मिश्रा
लेखक

इन परिवर्तनों में ना तो किसी प्रकार का दुराग्रह होता है, ना आसक्ति और नहीं किसी प्रकार का भय। नये के प्रति, परिवर्तन के प्रति भयभीत हो जाने अथवा पुरातन के प्रति आसक्ति बने रहने से उन लाभों से वंचित रह जाना पड़ता है, जो नए वस्त्रों एवं वस्तुओं से मिलता है। मृत्यु के संबंध में यही बात लागू होती है।

मृत्यु इसलिए भी आवश्यक एवं उपयोगी है कि जीव नये जीवन का, परिवर्तन का आनंद ले सके। मृत्यु का क्रम रुक जाय, उस स्थिति की कल्पना की जाय तो पता चलता है कि जीवन कितना नीरस एवं उभरा होगा। लंबी आयु, अमर काया, जर्जर, अशक्त बनी लाश ढोने के समान होगी, बुढ़ापा वैसे ही कितना नीरस भार भरा प्रतीत होता है। उस पर भी यदि उसके साथ अमरता का वरदान जुड़ जाए तो कितनी कठिनाई होगी। निश्चित ही कोई विचारशील, काया रूपी अमरता को स्वीकार न करना चाहेंगे। असमर्थ, अशक्त, जराजीर्ण काया की गठरी के बोझ को कौन सदा ढ़ोना चाहेगा? फिर मृत्यु से डर क्यों लगता है? शरीर के प्रति आसक्ति क्यों बनी रहती है? इन कारणों पर विचार करने पर पता चलता है, कि मृत्यु एवं जीवन के स्वरूप की वास्तविक जानकारी न होने के कारण ही भय लगता है। हमारी सत्ता शरीर से अलग है-शाश्वत, अविनाशी एवं अमर है। यह बोध बना रहे तो मृत्यु की आशंका से भयभीत होने का कोई कारण नहीं दिख पड़ता। शरीर सत्ता को ही सब कुछ मान लेने, मृत्यु के साथ जीवन का अंत समझ लेने से डर लगता है। शास्त्र इसलिए निर्देश देते हैं कि अपनी सत्ता को जानो और पहचानो, शास्त्रों का प्रत्येक को अध्ययन करना चाहिए।

सास-बहू का रिश्ता: वास्तु शास्त्र से सामंजस्य की राह

आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ

हर परिवार में सास-बहू का बंधन अनमोल होता है, लेकिन कभी-कभी छोटे-मोटे मतभेद इसकी मिठास कम कर देते हैं। वास्तु शास्त्र कहता है कि घर की दिशाओं में संतुलन लाकर दोनों पक्षों से प्रयास करने पर ये रिश्ता और मजबूत हो सकता है। सास और बहू दोनों मिलकर ये उपाय अपनाएं, तो प्रेम और समझदारी घर की शान बनेगी।

- **दोनों के लिए शुभ आरंभ-** सास-बहू संयुक्त रूप से गुरुवार या शुक्रवार से उपाय शुरू करें, ये दिन पारिवारिक एकता के प्रतीक हैं। यदि तनाव ज्यादा हो, तो शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से प्रारंभ करें। सभी उपाय 40-45 दिनों तक निरंतर करें, फिर जीवनभर आदत बनाएं। इससे सकारात्मक ऊर्जा घर में बनी रहेगी।
- **वायु कोण: संवाद की कुंजी-** घर के उत्तर-पश्चिम कोण (वायु कोण) को साफ रखें, कचरा या टूटा सामान न रखें। चांदी की कटोरी में केसर-कपूर भरकर रखें, हर शनिवार बदलें। सास या बहू इसे 43 दिनों तक संभालें, संवाद में मधुरता आएगी।
- **अग्नि कोण: प्रेम का प्रकाश-** दक्षिण-पूर्व (अग्नि कोण) में शाम को लाल बल्ब जलाएं। सास या बहू कोई भी 45 दिनों तक रोजाना करें। ये उपाय गलतफहमियां दूर कर सास-बहू में विश्वास जगाता है।
- **ईशान कोण: शांति का आधार-** उत्तर-पूर्व दिशा हमेशा स्वच्छ रखें, कूड़ेदान न रखें। पूजा स्थल यहीं बनाएं। रोज साफ करने का संकल्प लें, 40 दिनों में शांति का प्रभाव दिखने लगेगा।

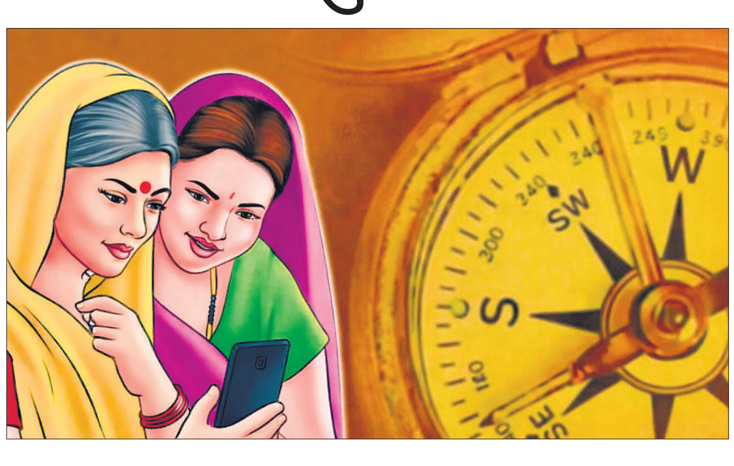

- **शयनकक्ष व्यवस्था: सम्मान का स्थान-** सास का कमरा दक्षिण-पश्चिम में, बहू का पश्चिम या दक्षिण में रखें। दोनों कमरों में लाल फ्रेम वाली संयुक्त फोटो लगाएं। शुक्रवार से स्थापित कर 21 दिनों तक रोज प्रणाम करें।
- **दैनिक वास्तु आदतें-** सूर्योदय पूर्व घर साफ करें, गुड़युक्त जल सूर्य को अर्घ्य दें। रोज पहली रोटी गुड़ सहित गाय को दें। गुरुवार से अपनाएं, 48 दिनों बाद स्थायी करें। झगड़े कम होते हैं।
- **सास के लिए खास उपाय-** अगर आप बहू हैं, तो रोज सुबह सास के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लें और अगर आप सास हैं, तो रोज सुबह बहू को आशीर्वाद दें भले वो आपका पैर छुए न छुए, फिर घर संभालने दें। गुरुवार को केसर तिलक लगाएं। 40 दिनों का कोर्स पूरा करें। ये वास्तु ऊर्जा संतुलित कर प्रेम स्थापित करते हैं।

विशेष वास्तु उपाय

भूमि कोण (दक्षिण-पूर्वी मध्य) रहस्य

घर के दक्षिण-पूर्वी मध्य भाग (भूमि तत्व क्षेत्र) में एक छोटा सा तांबे का लोटा रखें, जिसमें 7 जौ के दाने और गुड़ का टुकड़ा डालें। इसे लाल कपड़े से ढकें और कभी न हिलाएं। सास इसे स्थापित करें, बहू रोज जल चढ़ाएं। 21 दिनों में मनमुटाव गायब हो जाएगा।

नीलिमा यंत्र स्थापना

ईशान कोण के नीचे भूमि में (या अलमारी में) नीले रंग का त्रिकोणाकार यंत्र (नीलिमा यंत्र) दबाएं, जो बहू-सास की एकता का प्रतीक है। इसे शुक्रवार को केसर से स्थापित करें। 108 दिनों तक सक्रिय रहेगा, झगड़े जड़ से समाप्त हो जाएगी।

वास्तु पिरामिड संधि

घर के केंद्र (ब्रह्मस्थान) में पारदर्शी कांच का छोटा पिरामिड रखें, जिसके नीचे सास-बहू की संयुक्त फोटो (बिना फ्रेम) हो। रोज शाम 5 मिनट ध्यान करें। ये ऊर्जा संधि उपाय दोनों के कर्म बंधन को जोड़ता है, 40 दिनों में प्रेम स्वाभाविक हो जाता है।

शयन ऊर्जा समन्वय

सास के बिस्तर के नीचे बहू के नाम वाली सफेद मोमबत्ती (बिना जलाई) रखें और बहू के बिस्तर के नीचे सास के नाम वाली सफेद मोमबत्ती (बिना जलाई) रखें। इसे हर पूर्णिमा बदलें। ये उपाय निद्रा के दौरान वास्तु तरंगों को एकाकार करता है, सपनों में भी प्रेम का संचार होता है।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	83,277.15	25,682.75
बढ़त	650.39	211.65
प्रतिशत में	0.79	0.83

सोना 1,59,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,50,000 प्रति किलो

अमृत विचार
लखनऊ, मंगलवार, 17 फरवरी 2026
www.amritvichar.com

वस्तुओं का आयात बढ़ने से देश का व्यापार घाटा दोगुना होकर 10 अरब डॉलर के पार

जनवरी में वस्तुओं के निर्यात में 0.6% और सेवाओं के निर्यात 26.33% वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

वस्तुओं के आयात में तेज वृद्धि से इस साल जनवरी में देश का कुल व्यापार घाटा लगभग दोगुना होकर 10.38 अरब डॉलर पर पहुंच गया। पिछले साल जनवरी में वस्तुओं और सेवाओं को मिलाकर कुल व्यापार घाटा 5.39 अरब डॉलर रहा था।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि जनवरी में वस्तुओं का निर्यात साल दर साल 0.6 प्रतिशत बढ़कर 36.56 अरब डॉलर और सेवाओं का निर्यात 26.33 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 43.90 अरब डॉलर रहा। वस्तुओं का आयात 19.19 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 71.24 अरब डॉलर हो गया। जनवरी 2025 में यह 59.77 अरब डॉलर था। सेवाओं का आयात 17.30 प्रतिशत बढ़कर 19.60 अरब डॉलर रहा। इस प्रकार कुल निर्यात 80.45 अरब डॉलर और कुल आयात 90.83 अरब डॉलर दर्ज किया गया। पिछले साल जनवरी में कुल आयात 71.90 अरब डॉलर और कुल निर्यात 76.48 अरब डॉलर पर था।

पेट्रोलियम का सर्वाधिक आयात

आंकड़ों के मुताबिक भारत ने इस दौरान पेट्रोलियम का सबसे अधिक आयात किया। इसके बाद क्रमशः इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद, सोना, मशीनरी और परिवहन उपकरण का रहा। देश से 101.13 अरब डॉलर की इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात किया गया। इसके बाद, 45.69 अरब डॉलर के पेट्रोलियम उत्पाद, 39.38 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद, 25.73 अरब डॉलर की दवाओं और 23.53 अरब डॉलर के जवाहरात और गहनों का निर्यात हुआ।

रूस से आयात घटा, चीन, यूएई अमेरिका, सऊदी अरब से बढ़ा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीने में चीन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), अमेरिका और सऊदी अरब से भारत का आयात बढ़ा है जबकि रूस से आयात में कमी आई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल-जनवरी के दौरान क्रमशः चीन, यूएई, रूस, अमेरिका और सऊदी अरब से सबसे अधिक आयात किया गया। इनमें रूस को छोड़कर अन्य देशों से आयात में वृद्धि हुई है। खास बात यह है कि जनवरी 2026 में रूस से मात्र 2.86 अरब डॉलर का आयात किया गया जबकि उससे पहले के नौ महीने में पांच अरब डॉलर के औसत के साथ रूस से 44.98 अरब डॉलर का आयात हुआ था।

- सबसे ज्यादा निर्यात क्रमशः अमेरिका, यूएई, चीन, नीदरलैंड और ब्रिटेन को किया गया, अमेरिका, यूएई और चीन को निर्यात में वृद्धि, नीदरलैंड और ब्रिटेन को निर्यात कम

सरकारी आंकड़े : थोक महंगाई जनवरी में 1.81 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। देश में थोक मुद्रास्फीति जनवरी में लगातार तीसरे महीने बढ़ते हुए 1.81 प्रतिशत पर पहुंच गई। खाद्य वस्तुओं, गैर-खाद्य चीजों और विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में मासिक आधार पर बढ़ोतरी इसकी मुख्य वजह रही। सोमवार को इस संबंध में सरकारी आंकड़े जारी किए गए। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर पिछले साल जनवरी में 2.51 प्रतिशत जबकि दिसंबर 2025 में 0.83 प्रतिशत रही थी। उद्योग मंत्रालय ने कहा, जनवरी 2026 में थोक महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह मूल धातुओं के विनिर्माण, अन्य विनिर्माण, गैर-खाद्य चीजों, खाद्य वस्तुओं तथा वस्त्रों आदि की कीमतों में वृद्धि रही। डब्ल्यूपीआई के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर 1.55 प्रतिशत रही जबकि दिसंबर में इसमें 0.43 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। सब्जियों के मामले में जनवरी में महंगाई दर 6.78 प्रतिशत रही जबकि दिसंबर में इसमें 3.50 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

- गैर खाद्य चीजों, खाद्य वस्तुओं और वस्त्रों की कीमतों में वृद्धि कारण

जनवरी में बेरोजगारी दर बढ़कर पांच प्रतिशत पर

नई दिल्ली। देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के लोगों के बीच बेरोजगारी दर जनवरी में बढ़कर पांच प्रतिशत हो गई जो दिसंबर 2025 में 4.8 प्रतिशत थी। नवीनतम आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के आंकड़ों से पता चलता है कि बेरोजगारी दर में वृद्धि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में दर्ज की गई। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने एक बयान जारी करके कहा कि श्रम बल भागीदारी दर एवं श्रमिक जनसंख्या अनुपात में गिरावट और बेरोजगारी दर में वृद्धि मुख्य रूप से देश के ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी कारणों से हुई। आधिकारिक बयान में दावा किया गया है कि फसल कटाई के बाद कृषि गतिविधियों में स्वाभाविक सुस्ती, निर्माण, कृषि-संबद्ध कार्य, परिवहन एवं छोटे व्यापार जैसे क्षेत्रों में सर्दियों के दौरान सुस्ती रहने और कुछ श्रमिकों का काम की तलाश न करना इसके प्रमुख कारण रहे।

न्यूज ब्रीफ

चीनी निर्यात वर्ष 2025-26 में फरवरी तक 2.01 लाख टन

नई दिल्ली। भारत ने चालू वर्ष 2025-26 के विपणन वर्ष में फरवरी तक 2,01,547 टन चीनी का निर्यात किया। इसमें संयुक्त अरब अमीरात शीर्ष निर्यात गंतव्य रहा। अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ ने सोमवार को यह जानकारी दी। चीनी निर्यात पर सरकार का नियंत्रण बना हुआ है जिसके तहत मिल के बीच आनुपातिक रूप से कोटा वितरित किया जाता है। केंद्र सरकार ने 2025-26 विपणन वर्ष के लिए कुल 20 लाख टन निर्यात को मंजूरी दी है जिसमें हाल ही में स्वीकृत अतिरिक्त पांच लाख टन भी शामिल है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया इस साल 4 नए मॉडल पेश करेगी

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया इस वर्ष चार नए मॉडल पेश करेगी, जिनमें एक 'प्लग-इन हाइब्रिड' एसयूवी भी शामिल है। कंपनी के एमडी ने कहा कि कंपनी ने प्रीमियम एसयूवी 'मेजेस्टर' पेश की है और अपनी उत्पादन क्षमता को 1.2 लाख से बढ़ाकर तीन लाख वाहन सालाना करने जा रही है। कंपनी स्थानीय उत्पादन को भी बढ़ाएगी और नए मॉडल लाएगी। इसमें कुल मिलाकर 5,000 करोड़ रुपये तक का निवेश होगा।

मानकों के उल्लंघन पर स्नैपडील पर 5 लाख रुपये जुर्माना

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने बीआईएस प्रमाणन का अनुपालन नहीं करने वाले खिलौनों को बेचने के मामले में ई-कॉमर्स मंच स्नैपडील पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई खिलौना (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2020 के उल्लंघन को लेकर की गई। सीसीपीए की मुख्य आयुक्त निधि खरे ने बताया कि स्नैपडील के खिलाफ अंतिम आदेश जारी किया गया है। अमेजन तथा फ्लिपकार्ट जैसी अन्य ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ स्टैलियन ट्रेडिंग कंपनी और इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार स्टोर जैसे विक्रेताओं को भी इस मामले में नोटिस जारी किए हैं।

ब्लैकस्टोन नेयसा में 60 करोड़ डॉलर के निवेश का नेतृत्व करेगा

नई दिल्ली। निजी इक्विटी फंड से जुड़ी ब्लैकस्टोन और उसके सह-निवेशकों ने भारतीय एआई मंच नेयसा में निवेश के लिए समझौते किए हैं। इससे कंपनी को कुल 1.2 अरब डॉलर की पूंजी जुटाने में मदद मिलेगी जिसका इस्तेमाल भारत के अग्रणी 'एआई ढांचे' मंच को खड़ा करने के लिए किया जाएगा। एआई कंपनी के बयान के अनुसार, ब्लैकस्टोन एवं सह-निवेशकों ने इक्विटी के रूप में 60 करोड़ डॉलर तक निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।

एआई को अपनाने के लिए दुनिया के सबसे बेहतरीन स्थान बन सकते हैं भारत-ब्रिटेन

ब्रिटेन के एआई मंत्री कनिष्क नारायण ने कहा- कई क्षेत्रों में बड़े लाभ दे सकती है ये तकनीक

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन के एआई और ऑनलाइन सुरक्षा मंत्री कनिष्क नारायण ने कहा कि बड़ी एआई प्रयोगशालाएं भले ही अमेरिका और चीन में हों, लेकिन भारत और ब्रिटेन दुनिया में एआई को अपनाने के लिए सबसे बेहतरीन स्थान बन सकते हैं। वेल्स से लेबर पार्टी के सांसद और बिहार में जन्मे कनिष्क का मानना है कि यह तकनीक सेवाओं, स्वास्थ्य और जीव विज्ञान क्षेत्रों में बड़े लाभ प्रदान कर सकती है।

कनिष्क सोमवार को नई दिल्ली में शुरू हुए एआई इम्पैक्ट समिट में भाग लेने भारत पहुंचे हैं। इस सप्ताह बेंगलुरु और दिल्ली के दो शहरों की यात्रा के दौरान नारायण का मुख्य संदेश यह होगा कि दोनों देश एक ही उद्देश्य को हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं जो यह सुनिश्चित करना है कि एआई के असाधारण आर्थिक अवसर का जिम्मेदारी के साथ उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा, कई बड़ी एआई प्रयोगशालाएं अमेरिका या चीन में हैं। ब्रिटेन और भारत के लिए अवसर यह है कि हम दुनिया में एआई को अपनाने के लिए सबसे अच्छे स्थान बनें, जरूरी नहीं कि केवल एआई का आविष्कार करने के लिए। उन्होंने कहा, यह एक बहुत महत्वपूर्ण और बड़ा क्षेत्र है। मैं सेवाओं और स्वास्थ्य देखभाल जैसे क्षेत्रों में अपनाने की बात कर रहा हूं। भारत की विशाल आबादी है और बड़े पैमाने पर नवाचारी स्वास्थ्य क्षेत्र भी है। वहीं ब्रिटेन के पास एनएचएस (राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा) के आधार पर दुनिया का अग्रणी जीवन विज्ञान क्षेत्र है। वहां सीखने और सहयोग के बड़े अवसर हैं।

एआई इम्पैक्ट समिट में सोमवार को पूरे दिन तकनीक के शौकीनों की भीड़ लगी रही।

हम सुनिश्चित करेंगे- सभी के लिए काम करे एआई

- कनिष्क ने कहा, समान मूल्यों पर आधारित दो देशों के रूप में हमारे पास यह सुनिश्चित करने का बड़ा अवसर है कि एआई सभी के लिए काम करे। मानक तय करना, शासन व्यवस्था, आश्वासन और जिम्मेदार उपयोग बहुत महत्वपूर्ण है। कनिष्क ब्रिटेन को भारतीय एआई कंपनियों के निवेश और विस्तार के लिए प्रमुख गंतव्य के रूप में पेश करेंगे। उन्होंने कहा, ब्रिटेन और भारत के बीच सबसे गहरा संबंध यह है कि हमारे लोग लगातार भविष्य का पीछा करते हैं।

एआई दोधारी तलवार, अवसरों की धार तेज करने की जरूरत

नई दिल्ली। सरकार के शीर्ष वैज्ञानिक सलाहकार ने कहा कि एआई एक दोधारी तलवार है, और शासन का उद्देश्य अवसरों को अधिक प्रभावी बनाते हुए जोखिमों को कम करना होना चाहिए। प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार अजय कुमार सूद ने राजधानी में हो रहे 'एआई इम्पैक्ट समिट' के एक सत्र में कहा, डिजिटल पहुंच में वृद्धि हुई है और बच्चे एआई संचालित मंचों के संपर्क में अधिकाधिक आ रहे हैं। एआई साथियों, वैयक्तिकृत शिक्षण एप्स, एल्गोरिदम-संचालित फीड और सिंथेटिक मीडिया के साथ बड़े होने के दीर्घकालिक प्रभावों के बारे में हम अभी पूरी तरह नहीं जानते हैं। सिंथेटिक मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग का उपयोग करके निर्मित या हेरफेर की गई डिजिटल सामग्री है। उन्होंने यह भी कहा कि समय के साथ ये उपकरण बच्चे के विकास, मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षा को कैसे प्रभावित करते हैं, इसे समझने के लिए और अधिक साक्ष्य की आवश्यकता है।

- एआई इम्पैक्ट समिट में प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार ने कहा

एआई में स्वास्थ्य सेवा कर्मचारियों का बोझ कम करने की क्षमता

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने कहा कि एआई में स्वास्थ्य सेवा कर्मचारियों का बोझ कम करने और चिकित्सक-रोगी संबंधों को मजबूत करने की क्षमता है। भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन 2026 के तहत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा "सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव के लिए एआई का विस्तार : सार्वजनिक-निजी भागीदारी" विषय पर आयोजित उच्चस्तरीय सामूहिक परिचर्चा में श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत की स्वास्थ्य प्रणाली राष्ट्रीय स्तर पर अंतर-संचालनीय डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में विकसित हुई है। एक प्रमुख भागीदार मंत्रालय के रूप में, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय उच्चस्तरीय सामूहिक परिचर्चा, प्रमुख पहल की शुरुआत और अपने समर्पित प्रदर्शनी स्टॉल पर एआई-संचालित स्वास्थ्य सेवा समाधानों के प्रदर्शन के माध्यम से शिखर सम्मेलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल तंत्र जानकारी के संग्रहण और प्रसारण को सक्षम बनाते हैं, जबकि एआई से सटीक व्याख्या और कार्रवाई में मदद मिलती है।

- केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा- एआई सटीक व्याख्या में मददगार

एआई पर विश्वास करना अब पूरे विश्व के लिए अनिवार्यता : डॉ. चिन्मय पंड्या

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी स्थित भारत मंडपम में 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' को संबोधित करते हुए साउथ एशियन इंस्टिट्यूट फॉर पीस एंड रिकॉन्सिलिएशन के अध्यक्ष एवं देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पंड्या ने कहा कि एआई 21वीं सदी की सबसे प्रभावशाली प्रौद्योगिकियों में से एक बन चुकी है। आज जब विश्व अनिश्चितता के भंवर में फंसा हुआ है, जहां एक ओर जलवायु परिवर्तन, आर्थिक अस्थिरता और सामाजिक विभाजन जैसी चुनौतियां हमारे सामने खड़ी हैं, वहीं दूसरी ओर एआई का तीव्र विकास मानव इतिहास के एक निर्णायक मोड़ का संकेत दे रहा है। ऐसे समय में मानवता का भविष्य हमारी प्रत्येक चर्चा, प्रत्येक निर्णय और प्रत्येक नीति के केंद्र में होना अनिवार्य है। डॉ. पंड्या ने कहा कि इस एआई शिखर सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ यदि कोई है तो वह विश्वास है।

एआई से उत्पन्न गलत सूचना लोकतंत्र के लिए खतरा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने सोमवार को एआई उपकरणों के इस्तेमाल में

सतर्कता बरतने की अपील करते हुए कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के जरिये तैयार की गई गलत सूचना में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को कमजोर करने की ताकत है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में एक सत्र के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री ने कहा कि एआई छात्रों और शिक्षकों के लिए सीखने की प्रक्रिया को काफी बेहतर बना सकता है, लेकिन इसे ऐसा शॉर्टकट नहीं माना जाना चाहिए जिससे आलोचनात्मक सोच या जिज्ञासा कमजोर पड़े।

कानून का पालन करें डिजिटल मंच: वैष्णव

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि डिजिटल सामाग्री तैयार करने वाले वैश्विक मंचों को उन देशों के सांस्कृतिक संदर्भों से अवगत होना चाहिए जिनमें वे काम करते हैं और वहां के संवैधानिक और कानूनी ढांचे के अनुसार कार्य करना चाहिए। उन्होंने 'एआई के युग में हमारे रचनात्मक भविष्य को पुरस्कृत करना - नवाचार, विश्वास और प्रतिभा के माध्यम से भारत को सशक्त बनाना' विषय पर मोशन पिक्चर एसोसिएशन के चेयरमैन और सीईओ चार्ल्स रिवकिन के साथ एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के एक आधिकारिक सैटेलाइट कार्यक्रम यह बात कही। मंत्री ने कहा कि वैश्विक ओटीटी और डिजिटल सामग्री मंचों को अपने मूल देश के बजाय उस देश के संवैधानिक और कानूनी ढांचे के अनुसार काम करना चाहिए जिसमें वे कार्यरत हैं।

शेयर बाजार में गिरावट थमी, 650 अंक चढ़ा सेंसेक्स

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में जारी गिरावट पर सोमवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 650 अंक के लाभ में रहा जबकि एनएसई निफ्टी 212 अंक चढ़ गया। बिजली, बैंक और वित्तीय शेयरों में लिवाली से बाजार में मजबूती आई।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स लगातार तीन कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट से उबरते हुए 650.39 अंक यानी 0.79 प्रतिशत चढ़कर 83,277.15 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 211.65 अंक यानी 0.83 प्रतिशत बढ़कर 25,682.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में पावरग्रिड सबसे अधिक लाभ में रहा। इसमें 4.45 प्रतिशत की तेजी आई। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, आईटीसी, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय स्टेट बैंक में प्रमुख रूप से तेजी रही। दूसरी ओर, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी इंडिया, बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी में 212 अंकों की बढ़त

चांदी में आई दो प्रतिशत की गिरावट, सोना हुआ 700 रुपये मजबूत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को चांदी की कीमतें दो प्रतिशत घटकर 2.5 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गईं, जबकि सोना 700 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़ गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी 5,000 रुपये या 1.96 प्रतिशत घटकर सभी कर मिलाकर 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई जो शुक्रवार को 2,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम थी। हालांकि, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 700 रुपये बढ़कर सभी कर मिलाकर 1,59,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया, जो पिछली बार 1,58,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक, गौरव गर्ग ने कहा, 'सप्ताहांत की तेजी के बाद निवेशकों ने मुनाफावसूली की जिससे चांदी की शुरुआत नरम रुख के साथ हुई।

ब्रिटेन के साथ एफटीए अप्रैल से लागू करने की कोशिश

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन इस साल अप्रैल तक द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लागू करने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं। यह दावा सरकार की ओर से किया गया है।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि दोनों पक्ष इस समझौते को जल्द से जल्द अमल में लाने की दिशा में काम कर रहे हैं और अप्रैल से इसे लागू करने की कोशिशें जारी हैं। भारत और ब्रिटेन ने 24 जुलाई, 2025 को व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत करीब 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर ब्रिटेन में शून्य शुल्क लगेगा जबकि भारत में कार एवं व्हिस्की जैसे ब्रिटिश उत्पादों पर शुल्क में चरणबद्ध कटौती की जाएगी।

राजेश अग्रवाल ने कहा, कुछ मीडिया रिपोर्ट में ब्रिटेन के साथ एफटीए अप्रैल में लागू होने की खबरें आई हैं और सही बात यह है कि दोनों पक्ष उस दिशा में प्रयासरत हैं। लेकिन मुझे नहीं पता कि इसी समय तक हो पाएगा या फिर उसके आगे जाएगा। हम अप्रैल में इसे लागू कराने की कोशिश कर रहे हैं।

बेंगलुरु आईएआई क्षेत्र की दिग्गज एंथ्रोपिक

बेंगलुरु, एजेंसी

एआई क्षेत्र की दिग्गज अमेरिकी कंपनी एंथ्रोपिक ने सोमवार को बेंगलुरु में अपना कार्यालय खोलने के साथ भारत में उद्यम, शिक्षा तथा कृषि क्षेत्रों में विभिन्न साझेदारियों की घोषणा की। कंपनी ने भारत को अपने एआई मॉडल 'क्लॉड.एआई' के लिए दूसरा सबसे बड़ा बाजार बताते हुए कहा कि अक्टूबर, 2025 में विस्तार की घोषणा के बाद से भारत में उसकी मौजूदा आय की रफ्तार दोगुनी हो गई है।

बेंगलुरु कार्यालय एशिया में टोक्यो के बाद कंपनी का दूसरा दफ्तर है। भारतीय इकाई की प्रबंध निदेशक इरिना घोष इस कार्यालय की कमान संभालेंगी। यह कार्यालय विभिन्न भूमिकाओं के लिए स्थानीय प्रतिभाओं की नियुक्ति पर ध्यान देगा। एंथ्रोपिक ने कहा कि भारत में बढ़ते ग्राहक आधार को समर्थन देने के लिए उसकी टीम उद्यमों, डिजिटल कंपनियों एवं स्टार्टअप को एआई समाधान के डिजाइन, विकास और विस्तार में सहयोग करेगी। कंपनी के मुताबिक, भारतीय भाषाओं में अपने मॉडल के प्रदर्शन में सुधार के लिए उसने हिंदी, बांग्ला, मराठी, तेलुगु, तमिल, पंजाबी, गुजराती, कन्नड़, मलयालम और उर्दू सहित 10 भाषाओं में प्रशिक्षण डेटा को बेहतर बनाने की पहल की है।

कंपनी अब 'कार्या' और 'कलेक्टिव इंटेलिजेंस प्रोजेक्ट' के साथ मिलकर कृषि और कानून जैसे क्षेत्रों में स्थानीय उपयोग मामलों के लिए मूल्यांकन ढांचा तैयार कर रही है। इस पहल में 'डिजिटल ग्रीन' और 'अदालत एआई' जैसे संगठनों के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। एंथ्रोपिक ने कहा कि एयर इंडिया अपने सॉफ्टवेयर विकास कार्यों में 'क्लॉड कोड' का इस्तेमाल कर रही है जबकि क्रेड एवं कॉग्निजेंट भी इसके समाधान अपना रही हैं। कंपनी ने कहा कि भारत में अपनी विस्तारित उपस्थिति के साथ वह आने वाले समय में साझेदारियों को बढ़ाएगी।

- कार्यालय की शुरुआत की, कई साझेदारियों की घोषणा की

वर्ष 2035 तक में घरेलू खुदरा बाजार दोगुना होने की उम्मीद

मुंबई। घरेलू खुदरा बाजार वर्ष 2035 तक बढ़कर 210-215 लाख करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है, जो 2025 में अनुमानित 90-95 लाख करोड़ रुपये का दोगुने से भी अधिक होगा। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया।

बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने संयुक्त रूप से यह रिपोर्ट 'रिटेल लीडरशिप समिट 2026' में जारी की। रिपोर्ट कहती है कि प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में बेहतर प्रदर्शन और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर होने से भारत खुदरा बाजार में वृद्धि का प्रमुख चालक रहेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, खुदरा क्षेत्र के अगले चरण की वृद्धि में वे कंपनियां आगे रहेंगी जो स्पष्ट रणनीतिक ध्यान, अनुशासित क्रियान्वयन और कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित बदलाव को अपनाएंगी। उपभोक्ता जुड़ाव, परिचालन मॉडल और प्रतिभा प्रबंधन में संरचनात्मक परिवर्तन अपनाने वाले खुदरा विक्रेता 200 लाख करोड़ रुपये के बाजार की यात्रा में असमानुपातिक मूल्य अर्जित कर सकेंगे।

जनवरी में सोने का आयात 349% बढ़ा

नई दिल्ली। भारत ने जनवरी 2026 में 1,207.06 करोड़ डॉलर का सोना आयात किया जो पिछले साल जनवरी की तुलना में 349 प्रतिशत अधिक है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के के अनुसार, जनवरी में चांदी का आयात 127 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 200.38 करोड़ डॉलर का रहा। पिछले साल जनवरी में 268.70 करोड़ डॉलर का सोना और 88.28 करोड़ डॉलर की चांदी आयात की गई थी। चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीने (अप्रैल-जनवरी) में 6,146.39 करोड़ डॉलर का सोना और 977.53 करोड़ डॉलर की चांदी आयात की गई।

व्यापार समझौता | वाणिज्य सचिव ने कहा- दोनों ओर से तेजी से चल रहा है काम, कानूनी दस्तावेज तैयार होना बाकी

मार्च तक करना होगा 18% अमेरिकी टैरिफ के लिए इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय निर्यातकों को अमेरिका के साथ हुए समझौते के तहत वहां पारस्परिक शुल्क की घटी हुई दरों के लागू होने के लिए मार्च तक इंतजार करना पड़ सकता है। हालांकि ट्रंप सरकार ने रूसी तेल की खरीद को लेकर भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत के दंडात्मक शुल्क को सात फरवरी को ही हटा लिया है।

अमेरिका ने भारत के खिलाफ अगस्त 2025 में 25 प्रतिशत का परस्पर अनुवर्ती शुल्क लगाने के बाद रूस से तेल खरीदने को लेकर 50 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क लगा दिया था। इस तरह वहां भारतीय माल पर शुल्क 50 प्रतिशत तक पहुंच गया था। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने यहां सोमवार को आयात-निर्यात की मासिक रिपोर्ट जारी करने के बाद सवालों के जवाब में कहा कि एक-दूसरे के माल पर शुल्क की परस्पर अनुवर्ती दरें लागू करने की दिशा में दोनों ओर से काम तेजी से चल रहा है। इस काम के लिए भारत के व्यापार वार्ताकारों का एक दल अगले सप्ताह वाशिंगटन जा रहा है। उन्होंने कहा कि कानूनी दस्तावेज पर दोनों पक्षों की मुहर लगने के बाद ही भारत में अमेरिकी वस्तुओं को प्रवेश में रियायत दी जायेगी।

अग्रवाल ने एक सवाल के जवाब में कहा, व्यापार सौदे की विस्तृत रूप रेखा को कानूनी दस्तावेज का रूप दिया जाना है। हमारा लक्ष्य इसे मार्च 2026 के अंत तक अंतिम रूप दे देना है। उल्लेखनीय है कि व्यापार समझौते पर जारी संयुक्त घोषणा पत्र के आधार पर ही एक-दूसरे के माल पर शुल्कों में रियायत दी जानी है। वाणिज्य सचिव ने कहा, संयुक्त घोषणा-पत्र के आधार पर अभी कानूनी दस्तावेज तैयार किया जाना है। इसमें कई बारीकियों को निपटाया जाना है।

अमेरिका को निर्यात 22% घटा, आयात 23.7% बढ़ा

नई दिल्ली। अमेरिका की ओर से लगाए गए उच्च शुल्क के बीच जनवरी में अमेरिका को भारत का वस्तु निर्यात 21.77% घटकर 6.6 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार पिछले साल सितंबर, अक्टूबर और दिसंबर में भी निर्यात में गिरावट रही थी, जबकि नवंबर में यह 22.61% बढ़ा था। अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय वस्तुओं पर 50% शुल्क लागू किया था। दोनों देशों के बीच अब एक अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति हुई है, जिसके तहत अमेरिका ने सात फरवरी से भारतीय वस्तुओं पर 25% का दंडात्मक शुल्क हटा दिया है और जबावी शुल्क 25% से घटाकर 18% कर दिया है। हालांकि इसका लागू होना बाकी है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, जनवरी में अमेरिका से आयात 23.71% बढ़कर 4.5 अरब डॉलर हो गया।

भारत में शिखर सम्मेलन एआई के पूर्ण लाभ को प्राप्त करने का अहम अवसर

● एआई इंपैक्ट समिट को लेकर ब्रिटिश सरकार की टिप्पणी

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन की सरकार ने कहा है कि सोमवार से भारत में शुरू होने जा रहे एआई इंपैक्ट समिट में ब्रिटेन का ध्यान इस बात को रेखांकित करने पर रहेगा कि कृत्रिम मेधा (एआई) किस प्रकार विकास को गति दे सकती है, नए रोजगार सृजित कर सकती है, सार्वजनिक सेवाओं में सुधार कर सकती है और किस प्रकार दुनिया भर के लोगों को लाभ पहुंचा सकती है।

उपप्रधानमंत्री डेविड लैमी और एआई मंत्री कनिष्क नारायण के नेतृत्व में ब्रिटेन का प्रतिनिधिमंडल इस बात पर प्रकाश डालने के लिए उत्सुक है कि एआई दुनिया के हर कोने में रोजमर्रा की जिंदगी को कैसे बेहतर बना सकता है और एक नवीनीकरण इंजन के रूप में यह किस तरह डॉक्टरों को तेजी से निदान करने, शिक्षकों को व्यक्तिगत शिक्षण प्रदान करने, परिषदों को मिनटों में सेवाएं प्रदान करने और व्यवसायों को अगली पीढ़ी के अच्छे रोजगार सृजित करने में मदद कर सकता है। लैमी ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन तय करेगा कि हम एआई के लाभों के लिए मिलकर कैसे काम करें।

भारत-अमेरिका साझेदारी से बड़े अवसर मिलेंगे

न्यूयॉर्क। एआई संचालन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी रूब्रिक के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिपुल सिन्हा ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के क्षेत्र में भारत तथा अमेरिका की मजबूत साझेदारी स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, रोजगार प्रशिक्षण एवं डिजिटल साक्षरता जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं पैदा कर सकती है। सिन्हा ने यहां कहा कि मैं भारत-अमेरिका संबंधों का बड़ा पक्षधर रहा हूं।

पर्यावरण के लिए खतरे का संकेत

पानी गटक रहा एआई

दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी (कृत्रिम मेधा) की धूम मची है। शिक्षा, रोजगार, विज्ञान, व्यापार, तकनीक से लेकर जीवन के हर क्षेत्र को यह नई विधा प्रभावित कर रही है। किसी काम को चुटकियों में कर देने के गुण के कारण इसका इस्तेमाल आम जीवन में बढ़ गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूख ने पर्यावरण को नया झटका दिया है। एक नई रिसर्च के अनुसार, 2025 में एआई सिस्टम्स की पानी की खपत वैश्विक बोतलबंद पानी की कुल खपत से ज्यादा हो गई है। डेटा सेंटर्स में एआई सर्वर्स को ठंडा रखने और बिजली उत्पादन के लिए अरबों लीटर पानी खर्च हो रहा है, जो जल संकट को और गहरा सकता है। ये स्टडी सिर्फ चेतावनी है। एआई का फायदा तो है, लेकिन पर्यावरण की कीमत कौन चुकाएगा ये बड़ा सवाल है?

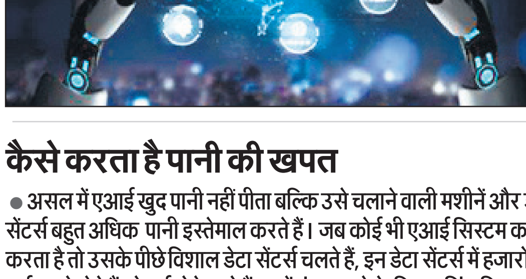

कैसे करता है पानी की खपत

● असल में एआई खुद पानी नहीं पीता बल्कि उसे चलाने वाली मशीनें और डेटा सेंटर्स बहुत अधिक पानी इस्तेमाल करते हैं। जब कोई भी एआई सिस्टम काम करता है तो उसके पीछे विशाल डेटा सेंटर्स चलते हैं, इन डेटा सेंटर्स में हजारों सर्वर लगे होते हैं जो गर्म होते रहते हैं। इन्हें ठंडा रखने के लिए कूलिंग सिस्टम का इस्तेमाल होता है और इसी कूलिंग में लाखों लीटर पानी खर्च हो जाता है। कई जगहों पर यह पानी सीधे वॉटर कूलिंग सिस्टम में जाता है तो कहीं बिजली बनाने के दौरान इस्तेमाल हुए पानी की खपत भी इसमें जुड़ जाती है। नए एआई मॉडल तैयार करने में सर्वर फुल कैपेसिटी पर चलते हैं। इस दौरान बिजली की खपत बढ़ती है, बिजली उत्पादन व सिस्टम को ठंडा रखने में काफी पानी खर्च होता है।

क्या कहती है रिसर्च

● एआई सर्वरों में पानी की खपत को लेकर एक शोध भी हुआ है। डेटा केंद्रों का कार्बन और जल पदचिह्न और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए इसके संभावित निहितार्थ नाम से प्रकाशित हुई है। इस शोध का नेतृत्व डच शोधकर्ता एलेक्स डी व्रीस-गाओ ने किया। स्टडी का फोकस उन डेटा सेंटर्स पर रहा जिन पर एआई सिस्टम चलते हैं और जिनकी वजह से ऊर्जा और पानी की भारी खपत होती है। हालांकि रिसर्च में यह भी माना गया है कि सटीक आंकड़े निकालना आसान नहीं है क्योंकि कंपनियां अपने पर्यावरणीय रिपोर्ट्स में एआई और नॉन-एआई वर्कलोड को अलग-अलग नहीं दिखातीं। सीधे आंकड़ों की कमी के चलते शोधकर्ताओं ने एक अलग तरीका अपनाया। उन्होंने गूगल, मेटा, अमेजन जैसी बड़ी टेक कंपनियों के डेटा सेंटर्स से जुड़े पर्यावरणीय रिपोर्ट्स, औसत उत्सर्जन आंकड़ों और पानी की खपत से जुड़े डाटा का विश्लेषण किया। इसके आधार पर यह अनुमान लगाया गया कि एआई वर्कलोड को संभालने के लिए कितनी बिजली और पानी की जरूरत पड़ रही है।

पर्यावरण पर सबसे ज्यादा असर एआई के रोज़ाना इस्तेमाल से पड़ता है। जब सवाल पूछते हैं, इमेज या वीडियो बनवाते हैं तो सर्वर पर भारी लोड पड़ता है।

बोतल बंद पानी से ज्यादा इस्तेमाल

● शोध के मुताबिक, साल 2025 में सिर्फ एआई सिस्टम से निकलने वाला कार्बन उत्सर्जन करीब 3.26 करोड़ से लेकर 7.97 करोड़ टन कार्बन डाइ ऑक्साइड के बीच हो सकता है। यह मात्रा न्यूयॉर्क सिटी जैसे बड़े महानगर के सालाना कार्बन फुटप्रिंट के बराबर मानी जा रही है। वहीं पानी की खपत का आंकड़ा और भी चौंकाने वाला है। एआई से जुड़े डेटा सेंटर्स हर साल करीब 312 से 764 अरब लीटर पानी इस्तेमाल कर सकते हैं जो पूरी दुनिया में एक साल में इस्तेमाल होने वाले बोतलबंद पानी से भी ज्यादा है। इससे साफ है कि एआई सिर्फ ऊर्जा की नहीं बल्कि पानी की सुरक्षा का भी बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है।

वर्ल्ड ब्रीफ

एल सल्वाडोर में जब्त की 6.6 टन कोकीन

मेक्सिको सिटी। एल साल्वाडोर की नौसेना ने 6.6 टन कोकीन ले जा रहे जहाज़ को पकड़ा है, जो देश के इतिहास की सबसे बड़ी ड्रग जब्ती है। एल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नायिब बुकेले ने सोमवार को यह घोषणा की। इस कोकीन की कीमत करीब 16.5 करोड़ डॉलर है। बुकेले ने सोशल मीडिया पर लिखा, हमारी राष्ट्रीय नौसेना ने एल साल्वाडोर के इतिहास की सबसे बड़ी ड्रग जब्ती को अंजाम दिया है। बुकेले के मुताबिक, यह अभियान एल साल्वाडोर के तट से 380 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में हुआ।

मुक्त व्यापार डील के करीब ऑस्ट्रेलिया-ईयू

कैनबेरा। ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच संभावित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत अपने अंतिम दौर में है और आने वाले हफ्तों में इस पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के समाचार चैनल एबीसी न्यूज ने ईयू और ऑस्ट्रेलियाई प्रशासन के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सला वॉन डेर लेयन बचे हुए विवादास्पद मुद्दों को हल करने के बाद समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, ये विवादास्पद मुद्दे लाल गोश्त के निर्यात से संबंधित हैं। सुश्री वॉन डेर लेयन ऑस्ट्रेलिया का दौरा भी कर सकती हैं।

चीन में पटाखों में हुआ धमाका, आठ की मौत

बीजिंग। पूर्वी चीन में चंद्र नववर्ष से पहले पटाखों की एक दुकान में विस्फोट होने से आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य मामूली रूप से झुलस गए। डोंगहाई काउंटी सरकार ने एक बयान में कहा कि जियांग्सू प्रांत के एक गांव में रविवार दोपहर विस्फोट तब हुआ जब एक व्यक्ति ने दुकान के पास पटाखा जला दिया। चीन में चंद्र नववर्ष की आधी रात पटाखे जलाना एक परंपरा है लेकिन हाल के वर्षों में वायु प्रदूषण से कई स्थानों पर पटाखों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

महिला से अभद्रता में भारतीय को जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उसके खिलाफ आपराधिक बल प्रयोग करने के जुर्म में पांच महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। खबर के मुताबिक, शुक्रवार को सजा के एलान के दौरान अदालत ने कहा कि 42 वर्षीय ओम कुमार राय ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। अदालती दस्तावेज से पीड़िता का विवरण हटा दिया गया है।

ईरान बोला-अगर अमेरिका प्रतिबंध हटाए तो हम समझौते के लिए तैयार

परमाणु मुद्दे पर जिनेवा में होने वाली दूसरे दौर की वार्ता के पूर्व ईरान ने दिए संकेत

● अमेरिका से समझौते के लिए ईरान ने अपनाया लचीला रुख

वाशिंगटन, एजेंसी

ईरान ने संकेत दिया है कि अगर अमेरिका प्रतिबंधों को हटाने पर चर्चा के लिए तैयार है तो वह वह अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता समझौते की पेशकश कर सकता है। अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता का एक नया दौर मंगलवार को जिनेवा में होने वाला है, जिसमें अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति के सलाहकार जारेड कुशनर के शामिल होने की उम्मीद है।

यह वार्ता छह फरवरी को ओमान में हुए पहले अप्रत्यक्ष दौर के बाद हो रही है, जहां ईरान ने यूरेनियम संवर्धन के अधिकार की मांग की थी, जबकि अमेरिका ने बैलिस्टिक मिसाइलों और हिजबुल्लाह जैसे क्षेत्रीय सहयोगियों पर व्यापक चर्चा के लिए दबाव डाला था। दोनों पक्षों ने पिछली बैठक को एक अच्छी शुरुआत बताया था, हालांकि बड़े मतभेद अभी भी बने हुए हैं। ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि ईरान परमाणु समझौते पर अमेरिका के साथ समझौते के लिए तैयार है, बशर्ते अमेरिकी प्रशासन प्रतिबंधों को हटाने पर चर्चा करने का इच्छुक हो। ईरान के उप विदेश मंत्री माजिद तख्त-रवांची ने भी एक साक्षात्कार में कहा कि अब गेंद अमेरिका के पाले में है कि वह यह साबित करे कि वे समझौता करना चाहते हैं। यदि वे ईमानदार हैं, तो मुझे यकीन है कि हम समझौते की राह पर होंगे। रवांची ने ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) से कहा कि अगर वे प्रतिबंधों के बारे में बात करने के लिए तैयार हैं, तो हम अपने कार्यक्रम से संबंधित इस और अन्य मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं।

...तो इजराइली हमलों का समर्थन करेंगे ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से वादा किया है कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत असफल होती है, तो वह ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर इज़राइली हमलों का समर्थन करेंगे। अमेरिकी समाचार पोर्टल सीबीएस न्यूज ने यह दावा किया है। रविवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने यह बात दिसंबर में फ्लोरिडा के मार-ए-लागो में नेतन्याहू से मुलाकात के दौरान कही, जिसमें इस मामले से जुड़े दो स्रोतों का ज़िक्र है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी सैन्य और खुफिया अधिकारियों ने इस बात पर भी चर्चा की है कि अमेरिका ईरान की मिसाइल अवसंरचना के खिलाफ संभावित अभियान में इज़रायल की मदद कैसे कर सकता है। इसमें इज़राइली लड़ाकू विमानों के लिए हवा में ईंधन भरने देना और संबंधित क्षेत्रीय देशों से उनके एयरस्पेस में दाखिल होने की इजाज़त मांगना शामिल है।

वार्ता के लिए जिनेवा रवाना हुए अराघची

काहिरा। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष वार्ता के दूसरे दौर के लिए स्विट्जरलैंड के जिनेवा रवाना हो चुके हैं, हालांकि समझौते की शर्तों पर अभी तक दोनों देशों के बीच कोई तालमेल नहीं नज़र आ रहा। ईरानी विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, अराघची मंगलवार को होने वाली वार्ता में कूटनीतिक और विशेषज्ञ प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। इस दौरान उनकी स्विट्ज़रलैंड के विदेश मंत्री इग्नाज़ियो कैसिस, ओमान के विदेश मंत्री सैयद बद्र बिन हमद अल-बुसैदी तथा अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रोसी और अन्य अधिकारियों से मुलाकात होने की उम्मीद है। अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 को जाएंगे इजराइल

यरुशलम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 और 26 फरवरी को दो दिवसीय इज़राइल दौरे पर रहेंगे। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को संपन्न कॉन्फ्रेंस ऑफ प्रेसिडेंट्स ऑफ मेजर अमेरिकन ज्यूइश ऑर्गनाइजेशंस को संबोधित करते हुए मोदी की यात्रा की घोषणा की। नेतन्याहू ने कहा, संसद में संबोधन प्रस्तावित है। अगले सप्ताह यहां कौन आ रहे हैं? नरेन्द्र मोदी। उन्होंने कहा, इज़राइल और भारत के बीच गहरी साझेदारी है और हम विभिन्न प्रकार के सहयोग पर चर्चा करने जा रहे हैं। आप जानते हैं कि भारत कोई छोटा देश नहीं है। इसकी आबादी 1.4 अरब है। भारत अत्यंत शक्तिशाली और अत्यंत लोकप्रिय है। एक सूत्र ने यहां बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा संक्षिप्त (25 से 26 फरवरी तक) रहने की संभावना है, लेकिन इसका प्रभाव गहरा होगा, क्योंकि मोदी को न केवल इज़राइल में, बल्कि दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल है। यात्रा का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है और इस दौरान मोदी के इज़राइली संसद 'नेसेट' को संबोधित करने की संभावना है। समझा जाता है कि दो दिवसीय यात्रा के दौरान मोदी द्विपक्षीय और क्षेत्रीय महत्व के सभी मुद्दों को उठाएंगे।

कनाडा से द्विपक्षीय संबंध और मजबूत करेगा भारत

● विदेशमंत्री जयशंकर ने अपने कनाडाई समकक्ष से की वार्ता

म्यूनिख, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनकी कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद ने अगले महीने प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की संभावित भारत यात्रा से पहले म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय सहयोग प्रगाढ़ करने और साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की। ग्लोबल अफेयर्स कनाडा (जीएसी) द्वारा रविवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि सितंबर 2025 के बाद से मंत्रियों के बीच यह पांचवीं बैठक है, जो कनाडा-भारत संबंधों में बढ़ती गति को दर्शाती है।

जयशंकर ने शनिवार को हुई बैठक के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मुलाकात और बातचीत बहुत अच्छी रही। भारत-कनाडा संबंध लगातार प्रगति कर रहे हैं। दोनों मंत्रियों ने ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और व्यापार सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को और प्रगाढ़ करने पर चर्चा की। आनंद ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि कनाडा-भारत संबंधों और हमारे साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए आगामी कार्यों पर चर्चा करने के लिए मेरे भारतीय समकक्ष डॉ. एस जयशंकर से मिलकर अच्छा लगा। आनंद ने कनाडा के लिए एक साझेदार के रूप में भारत के महत्व को रेखांकित किया, दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के महत्वपूर्ण साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की।

समुद्री सुरक्षा को और बढ़ावा देंगे भारत-ग्रीस

नई दिल्ली। भारत और ग्रीस ने समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने, नौसेनाओं के संचालन में पारस्परिक सामंजस्य को मजबूत बनाने तथा पेशेवर सहभागिता को और प्रगाढ़ करने के लिए साझा प्रतिबद्धता दोहराई है। ग्रीस की नौसेना के प्रमुख, वाइस एडमिरल दिमित्रियोस एलेफ्थेरियोस कातारास ने यहां नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी के साथ वार्ता की। नौसेना ने एक पोस्ट में बताया कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय समुद्री सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करने पर विस्तृत चर्चा की।

चार अदालतों को बम से उड़ाने की दी गई धमकी

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ और मांड्या, कोडगु तथा बेंगलुरु दक्षिण की जिला अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद सोमवार को व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस ने बताया कि एहतियात के तौर पर धारवाड़, मांड्या जिलों, बेंगलुरु दक्षिण और कोडगु जिलों में अदालत परिसरों से वकीलों और कर्मचारियों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने परिसर को घेर लिया और गहन जांच की। व्यापक तलाशी अभियान के बाद संबंधित जिलों की पुलिस ने इसे फर्जी ईमेल करार दिया, क्योंकि किसी भी अदालत में संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, दोपहर में ईमेल प्राप्त हुआ।

चेक बाउंस के मामले में राजपाल यादव को बेल

● दिल्ली हाईकोर्ट ने 18 मार्च तक स्थगित की अभिनेता की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने चेक बाउंस मामलों में अभिनेता राजपाल यादव की सजा 18 मार्च तक स्थगित कर दी और उन्हें जेल से रिहा किए जाने की अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने यह आदेश इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए पारित किया कि यादव ने शिकायतकर्ता कंपनी मैसर्स मुरली प्रोजेक्ट्स प्रालि के बैंक खाते में 1.5 करोड़ रुपये जमा कर दिए हैं।

न्यायाधीश ने कहा कि हम अंतरिम रूप से आपकी सजा को स्थगित कर रहे हैं।। यादव ने 19 फरवरी को अपने परिवार में होने वाली शादी के आधार पर उनकी सजा को स्थगित करने का अनुरोध किया था। अदालत ने यादव को अपना पासपोर्ट सौंपने और बिना अनुमति के देश न छोड़ने का निर्देश दिया। अदालत ने यादव को सुनवाई की अगली तारीख 18 मार्च को भौतिक रूप से या ऑनलाइन माध्यम से पेश होने का निर्देश दिया। अदालत बॉलीवुड अभिनेता व उनकी पत्नी की पुनरीक्षण याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

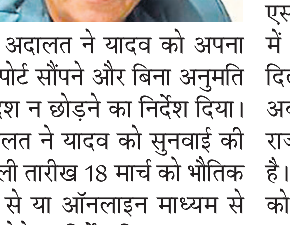

एसडीपीआई के अध्यक्ष फैजी को मिली जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़े कथित धनशोधन के मामले में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम.के. फैजी को सोमवार को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने यह आदेश सुनाया। एसडीपीआई की स्थापना 2009 में हुई थी और इसका मुख्यालय दिल्ली में है। एसडीपीआई पर अब प्रतिबंधित पीएफआई की राजनीतिक इकाई होने का आरोप है। इससे पहले ईडी ने एसडीपीआई को पीएफआई की राजनीतिक इकाई बताया था। केंद्र सरकार ने सितंबर 2022 में पीएफआई को गैरकानूनी संगठन बताते हुए उस पर प्रतिबंध लगा दिया था।

गाजा में शांति को पांच अरब डॉलर देगा शांति बोर्ड : ट्रंप

● अमेरिका के राष्ट्रपति ने की अंतर्राष्ट्रीय योगदान की घोषणा

वाशिंगटन,एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाज़ा शांति योजना में अंतर्राष्ट्रीय योगदान की घोषणा करते हुए सोमवार को कहा कि शांति बोर्ड के सदस्य देशों ने क्षेत्र में मानवीय एवं पुनर्निर्माण कार्यों के लिए पांच अरब डॉलर से ज्यादा देने का वादा किया है। ट्रंप ने कहा कि इस पहल को 19 फरवरी 2026 को वाशिंगटन डीसी में डोनाल्ड जे ट्रंप शांति संस्थान में अंतिम रूप दिया जाएगा। यहां शांति बोर्ड के सदस्य बैठक करेंगे।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, शांति बोर्ड में असीम संभावनाएं हैं। वाशिंगटन डीसी के डोनाल्ड जे ट्रंप शांति संस्थान में 19 फरवरी 2026 को शांति बोर्ड के सदस्य मेरे साथ होंगे जहां हम घोषणा करेंगे कि सदस्य देशों ने गाज़ा के मानवीय और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए पांच अरब डॉलर से ज्यादा देने का वादा किया है। साथ ही गाज़ा के लोगों के लिए सुरक्षा और शांति बरकरार रखने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्थायीकरण बल एवं स्थानीय पुलिस बल में हजारों कर्मी उतारने का भी वादा किया है। ट्रंप ने दावा किया कि अक्टूबर 2025 में गाजा संघर्ष को पूरी तरह खत्म करने की एक योजना बनाई थी, जिसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने स्वीकार कर लिया था। कहा कि उनकी पहल ने मानवीय राहत को रिकॉर्ड रफ्तार से जरूरतमंदों तक पहुंचाया।

न्यूजीलैंड में तूफान से हवाई यातायात ठप

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के उत्तरी द्वीप में भारी बारिश एवं तेज हवाओं के कारण हवाई यातायात बाधित हो गया है। इसकी वजह से कई उड़ानें रद्द की गई हैं और 30,000 से अधिक घरों में बिजली गुल हो गई है। वेलिंगटन हवाई अड्डे के अनुसार, आज सुबह ओशिनिक द्वीप और देश की राजधानी के बीच आवागमन करने वाली अधिकांश उड़ानें रद्द या विलंबित रहीं। एयर न्यूजीलैंड ने वेलिंगटन, नेपियर और पामर्स्टन नॉर्थ हवाई अड्डों पर अस्थायी रूप से उड़ानें निलंबित कर दी हैं। खराब मौसम के कारण कुछ सड़कें बंद कर दी गई हैं और ट्रेन एवं फेरी सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। वेलिंगटन के अधिकारियों ने वाहन चालकों से यात्रा करने से बचने का आग्रह किया है।

आज का भविष्यफल -पं. मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 17 फरवरी, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अमावस्या 17.30 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

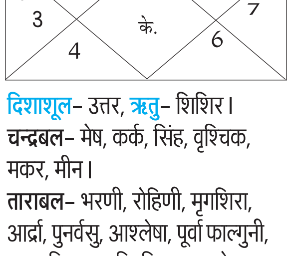

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- धनिष्ठा 09.16 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष — आज शिक्षण कार्यों से जुड़े लोगों की प्रसिद्धि बढ़ेगी। आप लोगों की सहायता करने का प्रयास करेंगे। नए व्यवसाय की शुरुआत करने के लिए आप प्रेरित हो सकते हैं। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बितायेंगे। दूसरों पर अधिक निर्भर न रहें।

वृष — आज महत्वपूर्ण कार्य देरी से पूरे हो सकते हैं। अपने विचारों को दूसरों पर थोपने से बचें। स्टॉक मार्केट में सावधानीपूर्वक निवेश करें। विदेश में रहने वाले लोगों को कुछ समस्या हो सकती है। बच्चों को लेकर कुछ परेशान हो सकते हैं। कमर दर्द को लेकर समस्या हो सकती है।

मिथुन — आज कारोबार में बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है। किसी पुरानी बात को लेकर आप सोच-विचार करेंगे। साहसिक निवेश में आप रुचि ले सकते हैं। भविष्य को लेकर बड़ा निर्णय लेंगे। संपत्ति विवाद के तूल पकड़ने की आशंका है।

कर्क — आज व्यर्थ के कार्यों में समय बर्बाद न हो इसका ध्यान रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। निर्माण संबंधी कार्यों में आ रही बाधा दूर होगी। घरेलू उपयोग के लिए वस्तुओं को खरीद सकते हैं। अपनी रुचि के अनुसार कार्य करना पसंद करेंगे।

सिंह — आज आपको अपने काम करने के तरीके को बदलने की आवश्यकता है। दांपत्य संबंधों में मधुरता रहेगी। घर के लोगों से अपना व्यवहार अच्छा रखें। किसी जरूरत की वस्तु को प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। नए कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं।

कन्या — आज आपके व्यवहार की लोग प्रशंसा करेंगे। स्वास्थ्य को लेकर आज अत्यंत सजग रहेंगे। लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बितायेंगे। काम में आ रही रुकावटों के कारण जो चिंता थी वो काफी हद तक दूर हो जायेगी।

तुला — आज रक्तचाप के रोगियों को अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए। अधिक मसालेदार और गरम भोजन का सेवन न करें। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करना आपको भारी पड़ सकता है। मन में कुछ शंका पनपती रहेगी। आय के स्रोतों में कमी आ सकती है।

वृश्चिक — आज आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। छात्रों का मन पढ़ाई में लगेगा। आर्थिक लेन-देन के लिए दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। उच्च अधिकारियों से आपको सहायता मिलेगी। अधूरे छोड़े हुए कार्यों को आज पुन: प्रारम्भ करने का प्रयास करेंगे।

धनु — आज आपके मन में प्रसन्नता और उत्साह का भाव रहेगा। ऑनलाइन भुगतान के दौरान सावधानी रखें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवन के प्रति सकारात्मकता बढ़ेगी। अपच के कारण एसीडिटी जैसी समस्या हो सकती है।

मकर — आज आपको किसी व्यापारिक यात्रा के लिए जाना पड़ सकता है। परिवार में किसी अनहोनी घटना का भय बना रहेगा। अनावश्यक बहसबाजी से दूर रहें। माता-पिता आप पर अविश्वास जतायेंगे। लोग आपके स्वाभिमान को चोट पहुँचा सकते हैं।

कुंभ — आज तत्परता के साथ काम पूरा करने पर आपका फोकस रहेगा। रिटेल व्यापार संबंधित कार्यों में अच्छी प्रगति होगी। आपके ऊपर लक्ष्यों को प्राप्त करने का दबाव रहेगा। कड़ी धूप के सीधे संपर्क में आने से बचें, अन्यथा सिरदर्द जैसी समस्या हो सकती है।

मीन — आज युवाओं के विवाह की चर्चा आगे बढ़ सकती है। बच्चों की सफलता से स्वयं को गौरवान्वित महसूस करेंगे। धन की कमी के कारण समस्या होगी। निम्न रक्तचाप की समस्या होने की आशंका है। कारोबार में विस्तार के लिए लोन लेना पड़ सकता है।

सुडोकू-64

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			2			7		4
4				7			5	
			1		3			8
		5		3			8	
	4					2		
	3			9		1		
3			9		4			
	2	4		6				9
6					7			

सुडोकू - 63 का हल

4	1	3	7	6	8	9	5	2
9	7	2	4	3	5	1	8	6
5	6	8	9	2	1	3	4	7
1	2	6	8	7	4	5	9	3
7	4	9	5	1	3	6	2	8
8	3	5	2	9	6	7	1	4
6	9	7	1	4	2	8	3	5
2	8	1	3	5	7	4	6	9
3	5	4	6	8	9	2	7	1

> भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच के दौरान अतिरिक्त दबाव होता है, लेकिन खिलाड़ी सदियों पुरानी प्रतिद्वंद्विता को लेकर बाहर हो रही चर्चाओं पर गौर न करके शांतचित्त होकर अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करते हैं।
>
> –अक्षर पटेल

स्टेडियम

अमृत विचार
www.amritvichar.com

आज के मैच

टीम	समय
कनाडा–न्यूजीलैंड	पूर्वाह्न 11 बजे
आयरलैंड–जिम्बाब्वे	दोपहर 3 बजे
नेपाल–स्कॉटलैंड	शाम 7 बजे

अब सेमीफाइनल या फाइनल में ही महा मुकाबला संभव

मनीष श्रीवास्तव, खेल डेस्क

- टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 में भारत और पाकिस्तान मैच नहीं

अमृत विचार। भारतीय टीम द्वारा कोलंबों में पाकिस्तान को टी-20 वर्ल्ड कप मैच में करारी शिकस्त देने से फैंस का जोश और रोमांच सातवें आसमान पर है, और वह एक बार फिर से दोनों देशों के बीच हाईवोल्टेज मुकाबले की संभावनाएं देख रहे हैं।

टूर्नामेंट में अभी तक भारत और पाकिस्तान ने तीन-तीन मुकाबले खेले हैं। ग्रुप-ए में भारत तीन जीत के साथ सुपर-8 राउंड में पहुंच गया है, वहीं दो मैच जीतने वाले पाकिस्तान के सामने 18 फरवरी को नामीबिया पर जीत हासिल करने की चुनौती है। जहां तक सुपर-8 में भारत और पाकिस्तान का मैच होने की बात है, तो यह कतई नहीं हो सकता है।

सुपर-8 में भारत-पाक टीमों के बीच मैच नहीं होने की वजह यह है कि प्री-सीडिंग व्यवस्था के अंतर्गत भारत और पाकिस्तान को सुपर-8 के अलग-अलग ग्रुप में रखा गया है। इस चरण में पहुंचने वाली टीमें केवल अपने ग्रुप में विरोधी टीमों का सामना करेंगी, इसलिए सुपर-8 में भारत-पाक के बीच दोबारा मुकाबला होना संभव नहीं है, लेकिन भारत और पाकिस्तान की टीमें अगर सेमीफाइनल में पहुंचती हैं तो दोनों के बीच एक बार फिर भिड़ंत हो सकती है।

अपने ग्रुप में पहले या दूसरे स्थान पर ही दोबारा भिड़ंत : सेमीफाइनल में भारत-पाक मैच के लिए शर्त यह है कि जब एक टीम अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहे और दूसरी टीम दूसरे ग्रुप में दूसरे स्थान पर आए। अगर भारत और पाकिस्तान दोनों टीमें अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष पर या दूसरे स्थान पर रहती हैं तो दोनों के बीच सेमीफाइनल में भी भिड़ंत संभव नहीं होगी। टी-20 वर्ल्ड कप का पहला सेमीफाइनल 4 मार्च और दूसरा 5 मार्च को खेला जाना है। अगर दोनों टीमें सेमी फाइनल में पहुंचकर अपने-अपने मैच जीतती हैं, तो फाइनल में महा मुकाबले की तस्वीर बनेगी।

सुपर-8 की यह है तस्वीर

सुपर–8 में पहुंचने वाली टीमों के दो ग्रुप बनाए जाएंगे। ग्रुप–1 की 4 टीमों को अपने ग्रुप में आपस में मैच खेलने होंगे। यही कहानी ग्रुप–2 में भी होगी। सुपर–8 के लिए दोनों ग्रुप के लिए पहले से तय सीडिंग के आधार पर क्वालीफाई करने पर ग्रुप–1 में भारत को एक्स–1, आस्ट्रेलिया को एक्स–2, वेस्ट इंडीज को एक्स–3 और दक्षिण अफ्रीका को एक्स–4 टीम के रूप में नामित किया गया है। इसी तरह ग्रुप–2 में इंग्लैंड को वाई–1, न्यूजीलैंड को वाई–2, पाकिस्तान को वाई–3 और श्रीलंका को वाई–4 के रूप में नामित किया गया है। अब इनमें से जो टीम सुपर–8 में नहीं पहुंचेगी, उसके स्थान पर उसके ग्रुप से पहुंचने वाली दूसरी टीम शामिल हो जाएगी।

सुपर-8 में द. अफ्रीका, वेस्ट इंडीज से मैच तय, श्रीलंका या जिम्बाब्वे से संभावित

प्री सीडिंग के अनुसार सुपर–8 में पहुंचने के साथ ही भारत (एक्स–1) के मैचों की स्थिति भी स्पष्ट हो गई है। सुपर–8 में भारत की पहली भिड़ंत दक्षिण अफ्रीका (एक्स–4) से 22 फरवरी को अहमदाबाद में होगी, जबकि 26 फरवरी को संभावित रूप से चेन्नई में श्रीलंका या जिम्बाब्वे के साथ मुकाबला करना होगा। एक मार्च को भारत अपना सुपर–8 का अंतिम मैच वेस्ट इंडीज (एक्स–3) के साथ खेलेगा।

हाईलाइट

अभिषेक शर्मा क्रीज पर ज्यादा समय व्यतीत करें : शास्त्री

कोलंबो। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अपनी पारी की शुरुआत में अधिक धैर्य रखने की सलाह दी है। पाकिस्तान पर भारत की 61 रन की जबरदस्त जीत के दौरान अभिषेक बिना किसी रन के आउट होने पर शास्त्री ने कहा कि अभिषेक को आक्रामक बल्लेबाजी से पहले क्रीज पर अधिक समय बिताने की सलाह दी है। आईसीसी ने शास्त्री के हवाले से कहा मुझे लगता है कि वह खेलने लायक है, लेकिन उसे स्वयं को थोड़ा और समय देना होगा। ऐसी चीजे होती हैं, और आप गुस्से में आ सकते हैं, लेकिन उसे वापस पटरी पर आने तक खुद को थोड़ा और समय देना होगा। उन्होंने कहा कि क्योंकि उसके लिए बाद में उन डॉट बॉल को बाउंड्री और छक्के में बदलना मुश्किल नहीं है।

पहली पारी में ही गंवा दिया था मैच : वकार

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनिस ने भारत के

खिलाफ टी20 विश्व कप में 61 रन की करारी शिकस्त के बारे में कहा कि जब सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 175 रन बनाए तो पाकिस्तान की टीम उसी समय इस मैच से बाहर हो गई थी। वकार ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा पाकिस्तान ने पहली पारी में ही मैच गंवा दिया। एक बार जब भारत ने 175 रन बना लिए तो मैच पाकिस्तान की पकड़ से बाहर हो गया था। गेंद स्पिन हो रही थी और सूर्यकुमार यादव ने गेंदबाजी में पूरी समझदारी से बदलाव किए। उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान ने अपने स्पिन गेंदबाजों का उतना अच्छा इस्तेमाल किया जितना भारत ने किया। लेकिन मैच पहली पारी में ही खत्म हो गया था क्योंकि भारत ने बहुत ज्यादा रन बना लिए थे।

साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी बनीं मंधाना

नई दिल्ली। महिला वनडे विश्व कप 2025 में भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाने वाली भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को सोमवार को यहां एक भव्य समारोह में 2025 की बीबीसी 'इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर (साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी)' पुरस्कार के लिए चुना गया। शतरंज की युवा प्रतिभा दिव्या देशमुख को 20 वर्ष की उम्र में फिडे महिला विश्व कप जीतने के लिए साल की सर्वश्रेष्ठ उभरती हुई खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। पैरा एथलीट प्रीति पाल को 2024 पेरिस पैरालंपिक में ट्रैक एवं फील्ड में दो कांस्य पदक जीतने के लिए साल की सर्वश्रेष्ठ महिला पैरा खिलाड़ी चुना गया। पूर्व निशानेबाज अंजलि भागवत को 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्रीलंका से भी पिटा ऑस्ट्रेलिया मुश्किल में मेजबान ने सुपर-आठ में जगह की पक्की

टी-20 विश्व कप : निसांका के नाबाद शतक से कंगारू टीम आठ विकेट से परास्त

पालेकल, एजेंसी

पथुम निसांका की नाबाद शतकीय पारी के बूते श्रीलंका ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप बी मैच में सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलिया को 12 गेंद शेष रहते हुए आठ विकेट से हराकर सुपर आठ में अपनी जगह पक्की की। निसांका की 52 गेंद में नाबाद 100 रन की पारी से श्रीलंका ने जीत के लिए मिले रिकॉर्ड 182 रन के लक्ष्य को 18 ओवर में दो विकेट गंवाकर आसानी से हासिल कर लिया। उन्होंने अपनी पारी में 10 चौके और पांच छक्के लगाने के अलावा दूसरे विकेट के लिए कुसल मेंडिस (38 गेंद में 51) के साथ 66 गेंद में 97 जबकि पवन रथनायके (15 गेंद में नाबाद 28) के साथ तीसरे विकेट के लिए 34 गेंद में 79 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को आसान जीत दिला दी। इस हार के बाद ऑस्ट्रेलिया की सुपर आठ में पहुंचने की उम्मीदें अधर में लटक गई हैं। अब उसे अपने अंतिम मैच में ओमान के खिलाफ बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी और बेहतर नेट रन रेट के लिए अन्य परिणामों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा। जिम्बाब्वे ने मं अगर आयरलैंड को हरा दिया तो ऑस्ट्रेलिया का सफर ग्रुप चरण में ही खत्म हो जायेगा। इससे पहले कप्तान मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड के विस्फोटक अर्धशतकों के दम पर मजबूत शुरुआत करने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया की पारी 181 रन पर सिमट गयी। चोट के कारण टूर्नामेंट के शुरुआती दो मैच नहीं खेल पाए मार्श ने वापसी करते ही आक्रामक अंदाज अपनाया और 27 गेंदों में 54 रन ठोक डाले। हेड ने भी 29 गेंदों में 56 रन की तूफानी पारी खेली। दोनों ने मिलकर नौ ओवर से कम समय में 104 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को 200 से अधिक के स्कोर की राह पर ला खड़ा किया। श्रीलंका के गेंदबाजों ने हालांकि आखिरी 10 ओवरों में शानदार वापसी की। लेग स्पिनर दुशान हेमंथा (चार ओवर में 37 रन पर तीन विकेट) सबसे सफल गेंदबाज रहे। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी चार विकेट महज छह रन के अंदर गंवा दिये। लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका को मार्कस स्टोइनिस की गेंद पर कुसल मेंडिस के आउट होने से शुरुआती झटका तब लगा। उनके आउट होते ही दर्शकों से खचाखच भरा पालेकल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में कुछ पल के लिए सन्नाटा पसर गया। 'प्लेयर ऑफ द मैच' निसांका और कुसल मेंडिस की जोड़ी ने हालांकि दूसरे विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी के साथ टीम के लिए मजबूत नींव तैयार किया। टीम को जब 10 ओवर में 89 रन की जरूरत थी तब स्टोइनिस ने मेंडिस को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को दूसरी सफलता दिलाई लेकिन निसांका के सामने ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज बेबस नजर आये। यह उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का दूसरा शतक है। पहले गेंदबाजी करने का श्रीलंका का फैसला शुरुआत में गलत साबित हुआ। मार्श और हेड ने चौकों-छक्कों की झड़ी लगाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। जिम्बाब्वे से 23 रन की हार के बाद उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दुष्मंथा चमीरा (36 रन पर दो विकेट) के पहले ही ओवर में 16 रन बटोर लिए। मार्श ने बैकफुट से ऑफ साइड में शानदार शॉट लगाकर अपने इरादे जाहिर किए, जबकि हेड ने शॉर्ट पिच गेंद पर पर चौका जड़ा। मार्श ने मिडविकेट के ऊपर छक्का लगाकर दबाव बढ़ाया। हेड ने महीश तीक्षणा के खिलाफ दो चौके जड़कर रनगति बरकरार रखी। श्रीलंका को तीसरे ओवर में बड़ा झटका लगा जब 23 वर्षीय तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान छोड़कर बाहर चले गए और दासुन शनाका को ओवर पूरा करना पड़ा। शनाका की पहली ही गेंद पर हेड ने चौका जड़ा और फिर डीप स्क्वायर लेग के ऊपर छक्का लगाकर आक्रमण

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते श्रीलंका के बल्लेबाज पतुम निसंका।

इटली को हराकर सुपर-आठ में पहुंचा इंग्लैंड

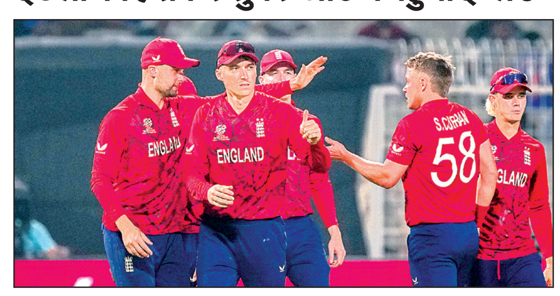

कोलकाता। विल जैक्स के हरफनमौला प्रदर्शन से इंग्लैंड ने आखिर तक जुझारू प्रदर्शन कर रही इटली को 24 रन से हराकर सोमवार को टी–20 विश्व कप के सुपर आठ में प्रवेश कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जैक्स की आक्रामक पारी के दम पर इंग्लैंड ने आखिरकार अपनी लय हासिल करते हुए सात विकेट पर 202 रन बनाए। जैक्स ने 22 गेंद में छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 54 रन बनाए और टूर्नामेंट में पहली बार टीम को 200 रन के पार पहुंचाया। जवाब में इटली ने शानदार प्रदर्शन किया। एक समय लग रहा था कि कोई उलटफेर हो जाएगा पर इंग्लैंड ने वापसी की। इटली के लिए बेन मानेंटी ने 25 गेंद में 60 और ग्रांट स्टीवर्ट ने 23 गेंद में 45 रन बनाए। जैक्स ने समय पर मानेंटी को आउट करके इंग्लैंड को मैच में लौटाया। इटली की टीम 20 ओवर में 178 रन ही बना सकी।

अफगानिस्तान ने जीवंत रखीं उम्मीदें

नई दिल्ली। अजमतुल्लाह उमरजई के ऑलराउंड प्रदर्शन और सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान के अर्धशतक से अफगानिस्तान ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी मैच में सोमवार को यहां यूएई को पांच विकेट से हराकर सुपर आठ में जगह बनाने की अपनी धुंधली उम्मीदों को जीवंत रखा। यूएई के 161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान ने जादरान (53 रन, 41 गेंद, छह चौके, एक छक्का), दारविश रसूली (23 गेंद में 33 रन) और अजमतुल्लाह (21 गेंद में नाबाद 40 रन, तीन छक्के, दो चौके) की पारियों से 19 .2 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन बनाकर जीत दर्ज की। पहले दो मैच में शिकस्त झेलने वाले अफगानिस्तान के ग्रुप में अब दो अंक हैं। यूएई के भी दो अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका छह अंक के साथ सुपर आठ के लिए क्वालीफाई कर चुका है जबकि न्यूजीलैंड के चार अंक हैं। इन सभी टीम ने तीन–तीन मैच खेले हैं।

पडिक्कल के दोहरे शतक से उत्तराखंड बेदम

दोहरा शतक लगाने के बाद जश्न मनाते कर्नाटक के देवदत्त पडिक्कल। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल : दूसरे दिन खेल समाप्ति तक कर्नाटक ने छह विकेट पर बनाए 689 रन

अमृत विचार। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के दूसरे दिन बल्लेबाजों का ऐसा दबदबा देखने को मिला। दिन का सबसे बड़ा आकर्षण युवा बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल का ऐतिहासिक दोहरा शतक रहा, जिसके चलते कर्नाटक ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक छह विकेट पर 689 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया।

दूसरे दिन कर्नाटक ने दो विकेट पर 355 रन से आगे खेलना शुरू किया और आक्रामक अंदाज में रन गति को आगे बढ़ाया। क्रीज पर जमे देवदत्त पडिक्कल ने अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर के साथ पारी को मजबूती दी। नायर ने 108 गेंदों में आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 60 रन बनाए। पडिक्कल ने 288 गेंदों में अपने प्रथम श्रेणी करियर का पहला दोहरा शतक जड़ते हुए 232 रनों की यादगार पारी खेली। उनकी पारी में 29 चौके और तीन छक्के शामिल रहे। रविचंद्रन स्मरण ने 10 चौकों की मदद से शतक पूरा किया। उत्तराखंड टीम की ओर से आदित्य रावत ने तीन विकेट हासिल किए।

जम्मू कश्मीर-बंगाल मैच में रोमांच बढ़ा

कल्याणी। मोहम्मद शमी के तीन विकेट के बावजूद जम्मू कश्मीर ने बंगाल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के दूसरे दिन सोमवार को पांच विकेट पर 198 रन बना लिए जिससे मुकाबला अभी भी बराबरी का है। बंगाल ने पांच विकेट पर 249 रन से आगे खेलते हुए पहली पारी में 328 रन बनाए।

39वें स्थान पर रहे आरिफ मोहम्मद

बोर्मियो (इटली)। भारत के शीर्ष अल्पाइन स्की खिलाड़ी आरिफ मोहम्मद खान ने मिलान कोर्टिना शीतकालीन ओलंपिक में पुरुष स्लालोम स्पर्धा में दो संयुक्त रन के बाद 39वां स्थान हासिल किया। आरिफ ने स्टेलवियो स्की सेंटर पर दोनों रन मिलाकर दो मिनट 41.60 सेकंड का समय निकाला। दोनों रन पूरे करने वाले खिलाड़ियों में वह अंतिम स्थान (39वां) पर रहे, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने शीतकालीन ओलंपिक में पुरुष स्लालोम में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया।

शानदार

पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई शानदार पारी की हो रही जमकर तारीफ

ईशान किशन : आज में जीने वाला जिंदादिल खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड की 1965 में आई फिल्म 'वक्त' में आशा भोंसले का गाया गाना "आगे भी जाने ना तू, पीछे भी जाने ना तू, जो भी है बस यही एक पल है" समय की अनिश्चितता को दर्शाता है कि जिंदगी कभी भी बदल सकती है, भविष्य अनजान है और अतीत को बदला नहीं जा सकता है लेकिन ईशान किशन के लिए ये शब्द एक अलग मायने रखते हैं। यह शायद किशन का पसंदीदा गाना नहीं हो लेकिन इन पंक्तियों का भाव उनके करियर की कहानी से मिलती है।

पटना के 27 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ने उस दौर से वापसी की जब भारतीय क्रिकेट जगत उनसे उम्मीद छोड़ने लगा था। ऋषभ पंत टी20 विश्व कप विजेता टीम में वापसी कर चुके थे, ध्रुव जुरेल प्रभावी प्रदर्शन कर रहे थे, संजू सैमसन हमेशा की तरह दावेदार थे और जितेश शर्मा भी अपनी उपयोगिता साबित कर रहे थे। ऐसे में चयन क्रम में पांचवें स्थान पर खड़े किशन के लिए राह लगभग बंद दिख रही थी। आक्रामक शैली के इस बल्लेबाज के लिए लगातार अनिश्चितता के सहारे जीवन बिताना आसान नहीं था। किशन ने मानसिक थकान के चलते ब्रेक लेने का फैसला किया। लेकिन इसके बाद उन्हें चयन से बाहर किया गया, केंद्रीय अनुबंध रद्द हुआ और उन पर घरेलू क्रिकेट को लेकर गंभीर नहीं होने के आरोप लगे।

उनके करीबी मित्र अंशुमत श्रीवास्तव ने कहा अगले ही दिन से लोगों ने मान लिया कि वह क्रिकेट को लेकर गंभीर नहीं हैं। तरह-तरह की बातें लिखी गईं। किशन ने हालांकि इन बातों पर कभी प्रतिक्रिया नहीं दी। मुस्कुराते रहे और मेहनत करते रहे। वर्तमान में जीना कठिन होता है, लेकिन उन्होंने इस प्रक्रिया को सर्वोपरि मान लिया।

अंशुमत के अनुसार आज आप जो पाकिस्तान के खिलाफ देख रहे हैं, वह दो साल पहले शुरू की गई प्रक्रिया का परिणाम है। ये रन उस प्रक्रिया का एक हिस्सा है। अंशुमत पटना स्थित 'इशान किशन क्रिकेट अकादमी' के सह-संस्थापक भी हैं और इस दौरान उनकी मेहनत के साक्षी रहे। इस मुश्किल दौर में अंशुमत के अलावा किशन के परिवार और करीबी लोगों का सुरक्षा घेरा बना रहा।

बेखौफ किशन ने हमसे मैच छीन लिया : हेसन

कोलंबो। पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन ने कहा कि बेखौफ होकर खेल रहे ईशान किशन के तूफानी अर्धशतक ने उनकी टीम और भारत के बीच अंतर पैदा किया। किशन की 40 गेंद पर 77 रन की तूफानी पारी की मदद से भारत ने रविवार को यहां पाकिस्तान को 61 रन से हराकर सुपर आठ में जगह पक्की कर ली। हेसन ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा मुझे लगता है कि वह बेखौफ होकर खेलता है। वह मैदान के दोनों तरफ रन बना सकता है। इसलिए वह सिर्फ लेग साइड तक ही सीमित नहीं है। हम जानते हैं कि वह लेग साइड का मजबूत बल्लेबाज है, लेकिन वह रिवर्स शॉट भी खेल सकता है। इसलिए, अगर विशेष कर पावर प्ले में स्पिन गेंदबाज गेंदबाजी कर रहे हो तो उसे रोकना चुनौती हो सकती है। हेसन ने स्वीकार किया कि किशन ने प्रेमदासा की धीमी पिच पर पाकिस्तान के धीमे गेंदबाजों के खिलाफ 37 गेंदों में 66 रन बनाकर उनकी स्पिन–प्रधान रणनीति को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि जिस तरह से वह शानदार फॉर्म में हैं, उससे हमारे स्पिनरों पर दबाव पड़ा और वे 'बेसिक्स' से भटक गए।

खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर और शाहीन की हो सकती है छुट्टी

कराची। भारत के खिलाफ कोलंबो में अहम मुकाबले में नाकाम रहने के बाद नामीबिया के खिलाफ टी20 विश्व कप के अगले मैच में खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर आजम और शाहीन शाह अफरीदी की पाकिस्तानी टीम से छुट्टी हो सकती है। पाकिस्तानी टीम प्रबंधन के विश्वस्त सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने भारत से मिली 61 रन से हार के बाद टीम मैनेजर नावेद अकरम चीमा को नाराजगी जता दी है। सूत्र ने कहा पीसीबी अध्यक्ष प्रेमदासा स्टेडियम से मैच खत्म होने से पहले ही चले गए क्योंकि पाकिस्तान की हार तय हो चुकी थी। सूत्र ने यह भी कहा कि नकवी ने पीसीबी के एक आला अधिकारी के जरिये मैनेजर को संदेश दिया है कि इस तरह का प्रदर्शन स्वीकार्य नहीं है। कोच माइक हेसन ने भी ड्रेसिंग रूम में टीम से बात करके कहा कि उन्होंने अपनी क्षमता के अनुरूप नहीं खेला। टीम प्रबंधन ने तय किया है कि अब बहुत हो चुका और बाबर आजम तथा शाहीन को आराम देकर सलमान मिर्जा और नसीम शाह या फखर जमां को उतारा जाए।

व्यावसायिक महत्व जल्द हो जाएगा कम

कराची, एजेंसी

- पाकिस्तानी क्रिकेट विशेषज्ञों ने लगातार हार पर जताई चिंता

पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ियों और क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला लगातार एकतरफा होने और भारत के दबदबे के कारण इन मुकाबलों का व्यावसायिक महत्व कम होता जा रहा है।

भारत की रविवार को आसान जीत ने पाकिस्तान को पहले से कहीं ज्यादा झटका दिया है क्योंकि ऐसी उम्मीदें थीं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साथ हाल के गतिरोध के दौरान देश के प्रशासकों के कड़े रुख के बाद खिलाड़ी भी मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। लेकिन भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से करारी शिकस्त दी जिससे दोनों टीमों के बीच अंतर भी स्पष्ट हो गया। टी20 विश्व कप में भारत ने पाकिस्तान को नौ में से आठ मैचों में हराया है। इसके अलावा पिछले साल एशिया कप में सलमान अली आगा की अगुवाई वाली टीम को भारत से लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा था। 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जीत के बाद से पाकिस्तान अपने चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक भी वनडे मैच नहीं जीत पाया है।

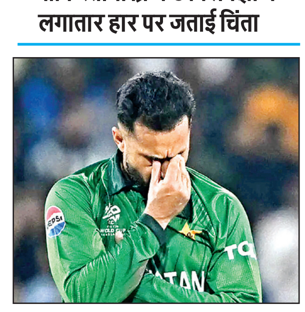

पाकिस्तानी ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज।